द्विभाषिक

हिंदी–गोंड़ी (दंतवाड़ा क्षेत्र)

कक्षा 2

सत्र 2024–25

DIKSHA एप कैसे डाउनलोड करें?

विकल्प 1 : अपने मोबाइल ब्राउज़र पर diksha.gov.in/app टाइप करें।

विकल्प 2 : Google Play Store में DIKSHA NCTE ढूंढ़े एवं डाउनलोड बटन पर tap करें।

DIKSHA

मोबाइल पर QR कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें ?

DIKSHA App को लॉच करे —> App की समस्त अनुमति को स्वीकार करें —> उपयोगकर्ता Profile का चयन करें।

1 पाठ्यपुस्तक में QR Code को Scan करने के लिए मोबाइल में QR Code tap करें।

2 मोबाईल को QR Code पर केन्द्रित करें।

3 सफल Scan के पश्चात् QR Code से लिंक की गई सूची उपलब्ध होगी।

डेस्कटॉप पर QR Code का उपयोग कर डिजिटल विषय–वस्तु तक कैसे पहुँचे ?

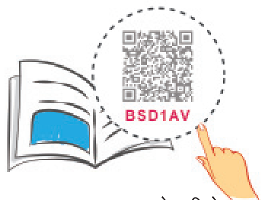

1 QR Code के नीचे 6 अंक का Alpha Numeric Code दिया गया है।

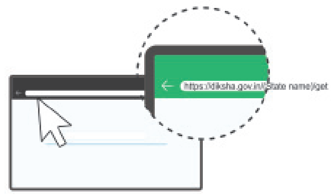

2 ब्राउज़र में diksha. gov.in/cg टाईप करें।

3 सर्च बार पर 6 डिजिट का QR CODE टाईप करें।

4 प्राप्त विषय–वस्तु की सूची से चाही गई विषय–वस्तु पर क्लिक करें।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

नि:शुल्क वितरण हेतु

प्रकाशन वर्ष – 2024

ekxin'kd

संचालक

एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.,रायपुर

सहयोग

प्रो. रमाकांत अग्निहोत्री (दिल्ली विश्वविद्यालय),
डॉ. हृदयकांत दीवान (विद्या भवन, उदयपुर)
श्री रोहित धनकर (दिगंतर, जयपुर)

3IQQFS

संयोजक

डॉ. विद्यावती चन्द्राकर

समन्वयक

डॉ. आर.के.वर्मा

सम्पादक मण्डल

श्री राजेन्द्र पाण्डेय, स्व.डॉ.सी.एल.मिश्रा, डॉ. विद्यावती चन्द्राकर, श्रीमती विद्या डांगे

लेखक दल

राजेन्द्र पाण्डेय, सुधा खरे, अनूप नाथ योगी,सच्चिदानंद शास्त्री, दुर्गेश वैष्णव, छलिया वैष्णव, शोभा शंकर नागदा,रमेश शर्मा,दिनेश गौतम, विनय शरण सिंह, डॉ. राजेश शर्मा,रीता श्रीवास्तव, द्रोण साहू, पुष्पा शुक्ला, राजपाल कौर, लक्ष्मी सोनी, श्रीदेवी, मनोज चंद्राकर, मनोज साहू,खोजन दास डिडौरी

अनुवादक

श्री सिकंदर खाँ (दादा जोकाल), श्री जोगाराम कश्यप, श्री शंकर दास कुल्दीप, श्री दिनेश तेलाम, श्री सोनकुराम नेताम, श्री लखमा राम तर्मा (तामो) , श्री भुपेन्द्र तेलाम, श्री मासाराम कुंजाम

स्रोत केन्द्र – जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, दंतेवाड़ा
जिला परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, दंतेवाड़ा

चित्रांकन

राजेन्द्र सिंह ठाकुर, रेखराज चौरागड़े, सुश्री अनीता वर्मा, मो. इकराम, श्री राजेश सेन

आवरण एवं ले आउट डिजाइनिंग

रेखराज चौरागड़े, सुरेश साहू, मुकुंद साहू

प्रकाशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

मुद्रक

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुद्रणालय

मुद्रित पुस्तकों की संख्या – ....

आमुख

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के साथ ही यह आवश्यक हो गया था कि नवगठित राज्य के संदर्भ में शिक्षा के सरोकारों का पुनः निर्धारण किया जाए। आवश्यकता अनुसार पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों का नवीनीकरण किया जाए। प्रदेश की इसी आवश्यकता को ध्यान में रखकर सत्र 2003–04 में नई शिक्षा योजना के साथ नई पाठ्यपुस्तकों के सृजन का कार्य प्रारम्भ किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा आयोग और मानव अधिकार आयोग प्राथमिक कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बच्चों के बस्ते में बोझ से चिंतित है। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग भी इस चिंता को दूर करने के लिए प्रयासरत था। अंततः इस वर्ष उसकी पहल पर पाठ्यपुस्तकों के निर्माण की एक नई प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। शासन द्वारा लिए गए निर्णय के फलस्वरूप इस वर्ष कक्षा पहली और दूसरी के बच्चों के लिए हिन्दी, गणित और सामान्य अंग्रेजी की पृथक–पृथक पुस्तक होगी। इन पुस्तकों में वर्कबुक समावेशित है, अतः इन कक्षाओं के लिए पृथक से वर्कबुक बनाने की आवश्यकता अनुभव नहीं की गई।

पाठ्यपुस्तक के विकास में बच्चों की अभिरुचियों को ध्यान में रखकर सीखने की गतिविधियों का सृजन एवं एन.सी.ई.आर.टी. की हिन्दी पुस्तिका रिमझिम–2 के कुछ पाठों का चयन किया गया है। विद्यालयों की परिस्थितियों व सीखने के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए समूह अधिगम एवं स्व अधिगम पर बल देने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही पर्यावरणीय संचेतना, लिंग संचेतना आदि पहलुओं को ध्यान में रखकर पाठ्यपुस्तक संयोजित की गई है। पाठों में दी गई पाठ्यसामग्री एवं अभ्यास कार्य, भाषा शिक्षण की नवीन अवधारणाओं एवं लर्निंग आउट कम पर आधारित हैं। हम आशा करते हैं कि शिक्षक इस पाठ्यपुस्तक का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकेंगे।

अध्ययन–अध्यापन की प्रक्रिया रोचक और संपूर्ण कैसे बने इस पर सतत् प्रयास हो रहे हैं। यह पुस्तक भी इसी दिशा में एक कदम है।

इस पुस्तक की रचना शिक्षण के प्रति वैकल्पिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने के उद्देश्य को सामने रखकर की गई है। इस पुस्तक में, आसपास होने वाली सहज क्रियाओं में भी भाषा के गणित के रूप को देखा जाएगा। इन क्रियाओं को रोचक गतिविधियों के साथ स्वयं करते हुए जब बच्चे आगे बढ़ेंगे तो अवश्य ही उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

इस पुस्तक में हर अवधारणा की शुरूआत संदर्भ से की गई है। बच्चे पहले से जितना जानते हैं उसका उपयोग उनके सीखने में हो, और वे अपने अनुभवों में कुछ नया जोड़ते चलें, फिर नई परिस्थितियों में उसका प्रयोग करें और धीरे–धीरे सीखते चलें, सीखने की इस प्रक्रिया को इस पुस्तक का आधार बनाया गया है। कक्षा 1 में यह अपेक्षा है कि कक्षा में बच्चे की भाषा का उपयोग हो, जिससे उसे अवधारणाओं को अपने भाषायी ढाँचे के साथ जोड़ने का अवसर मिले।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छ.ग. द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में दक्षता संवर्धन हेतु अतिरिक्त पाठ्य संसाधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से Energized Text Books एक अभिनव प्रयास है, जिसे ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन (डाउनलोड करने के उपरांत) उपयोग किया जा सकता है। ETBs का प्रमुख उद्देश्य पाठ्यवस्तु के अतिरिक्त ऑडियो–वीडियो, एनीमेशन फॉरमेट में अधिगम सामग्री, संबंधित अभ्यास, प्रश्न एवं शिक्षकों के लिए संदर्भ सामग्री प्रदान करना है।

इस पुस्तक को तैयार करते समय शिक्षकों, शिक्षक–प्रशिक्षकों तथा शिक्षा क्षेत्र से सक्रिय रूप से जुड़े अनेक विद्वानों का सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। फिर भी सुधार करने और नया जोड़ने की संभावनाएँ तो हमेशा ही रहेंगी। इसलिए यह पुस्तक जिनके भी हाथ में है उनसे अनुरोध है कि इसे बच्चों के लिए और बेहतर बनाने के लिए अपने महत्त्वपूर्ण सुझाव परिषद् को अवश्य भेजें।

संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

छत्तीसगढ़, रायपुर

शिक्षकों से कुछ बातें

कक्षा पहली की पुस्तक को पढ़ाते समय आपने देखा होगा कि भाषा–शिक्षण का उद्‌देश्य बच्चों को सिर्फ लिपि सिखाना नहीं है। आपने यह भी जाना होगा कि भाषा बच्चे के लिए बातचीत का माध्यम ही नहीं है वरन् उसके सोच को आगे बढ़ाने व पुख्ता बनाने का आधार भी है। भाषा के विविध उपयोगों से बच्चों की तर्क समझने व तर्क रचने की क्षमता तो बढ़ती है ही पर इसके साथ–साथ उनकी दृष्टि भी ज्यादा पैनी होती है। वह ज्यादा पहलुओं को ध्यान में रख सकते हैं और ज्यादा विस्तृत विवरण प्रस्तुत कर सकते हैं। कक्षा–1 में प्रस्तुत सभी तरीकों को जारी रखें व बच्चों को आत्मविश्वास प्राप्त करने के अधिक–से–अधिक मौके दें।

कक्षा–2 में हिंदी भाषा सिखाने की प्रमुख आवश्यकताएँ, जिन पर ज़ोर दिया जाना है नीचे दी गई हैं–

- हिंदी में विविध कविताओं, कहानियों व विवरण को पढ़कर समझने की शुरुआत करना।
- कविता व कहानी को हाव–भाव अथवा उतार–चढ़ाव के साथ सुनाने का अभ्यास करना।
- नए शब्दों के संदर्भ से अर्थ सीखने का प्रयास।
- अपने आस–पास के जीवन को पाठ की सामग्री के साथ जोड़ना व उनमें तुलना करना।
- दिए गए निर्देश को समझना व धीरे–धीरे कुछ बड़े निर्देशों को समझकर उपयोग कर पाना।
- कविता, कहानी, नाटक आदि को बच्चे खुशी–खुशी पढ़ना चाहें व नई किताबों की तलाश करें। इसके लिए इस सामग्री को पढ़ने व समझने में निहित आनंद को वे महसूस करें।
- बच्चे हिंदी और अपनी बोली में चर्चा करें व एक भाषा में कही जाने वाली बात को दूसरी भाषा में प्रस्तुत करें।
- बच्चों की, लिपि पढ़ने की क्षमता को आगे बढ़ाकर और वर्णों की पहचान के संदर्भ में उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना।
- पढ़ना सिखाने के प्रयास को जारी रखने के साथ–साथ कक्षा दो में लिखने को आगे बढ़ाना।

- यह अपेक्षा है कि बच्चे पाठ को पढ़कर नहीं तो कम–से–कम सुनकर अपने ढंग से समझने का प्रयास करेंगे। शिक्षक पाठ का विश्लेषण कर उसे पूरी तरह से समझा दें व बच्चे उसे याद कर लें यह भाषा सिखाने का उद्देश्य नहीं है।
- लिखने की क्षमता केवल अक्षर बनाने, शब्दों, वाक्यों अथवा वाक्यों की नकल करने तक नहीं है। यह तो सिर्फ लिख पाने की पहली सीढ़ी हो सकती है।
- अपने विचार, अपने मत, अपने उत्तर, अपने अनुभव बच्चे लिखें यह प्रयास शुरू होना है।
- स्वतंत्र रूप से ऐसे लिख पाने में स्वयं सोचकर चित्र बनाना भी साथ–साथ शुरू करने से मदद मिलेगी।
- लिख पाने के लिए अभिव्यक्ति की क्षमता, खुलापन व आत्मविश्वास तीनों ही बुनियादी जरूरतें हैं। इसके साथ ही कहीं पेंसिल पकड़ना, चलाना व अक्षर बना पाना भी शामिल हैं।

प्रत्येक पाठ में विभिन्न भाषाओं की शब्दावलियों का उल्लेख है। संबंधित शिक्षक अपने क्षेत्र विशेष की भाषा का सहयोग लें।

टीप – प्रस्तुत पुस्तक प्रायोगिक संस्करण है। बच्चे को प्रथम भाषा हिन्दी सिखाने में उसकी मातृभाषा से सहायता लेने हेतु यह संस्करण एक सार्थक प्रयास है। सुधार की संभावनाएं अवश्य होंगी अतः आप पालकों, बालकों, शिक्षकों व समुदाय के अभिमत/सुझावों का सदैव स्वागत है। कृपया अपने विचारों से हमें अवश्य अवगत कराईए।

Email: ***textbookscert@gmail.com***

विषय–सूची

	वर्णमाला	2 – 9
1.	गूगे नू मोग्गे	10 – 17
2.	नूनी रानी नऽ	18 – 23
3.	बेनो केत्तोर म्योंग	24 – 31
4.	एड़ज कर्रसतऽ फुटबॉल	32 – 43
5.	चतुर चीकू	44 – 49
6.	पेत्ते नू एन	50 – 59
7.	ओन्डय आस मतके लाव	60 – 69
8.	बेनो ?	70 – 75
9.	तोड़्य	76 – 81
10.	नकेल अतऽ	82 – 89
11.	मंड़ई–मेला	90 – 97
12.	ऊँट दायमुन्तऽ	98 – 105
13.	वत्तऽ ओण्ड कबुर	106 – 113
14.	उप्पे तीन दोरकता पेंसिल	114 – 123
15.	एद	124 – 127
16.	चुड़ला–चुड़ला डाका	128 – 133
17.	चितर कोटतऽ गोद्दोर	134 – 141
18.	बातऽ तानऽ पेद्दिर ?	142 – 151
19.	बर्कस अयम	152 – 157

विषय–सूची

	वर्णमाला	2 – 9
1.	तितली और कली	10 – 17
2.	गुड़िया रानी की शादी	18 – 23
3.	कौन बोला म्याऊँ	24 – 31
4.	भालू ने खेली फुटबॉल	32 – 43
5.	चालाक चीकू	44 – 49
6.	चींटी और हाथी	50 – 59
7.	एकता का बल	60 – 69
8.	कौन ?	70 – 75
9.	मिट्टी	76 – 81
10.	बहुत हुआ	82 – 89
11.	मड़ई–मेला	90 – 97
12.	ऊँट चला	98 – 105
13.	आई एक खबर	106 – 113
14.	चूहे को मिली पेंसिल	114 – 123
15.	धूप	124 – 127
16.	छोटे–छोटे कदम	128 – 133
17.	चित्रकोट जलप्रपात	134 – 141
18.	क्या है उसका नाम ?	142 – 151
19.	साहसी बनो	152 – 157
	यातायात सिग्नल	158

2S3HZJ

सीखने के प्रतिफल

सीखने–सिखाने की प्रक्रिया

सभी शिक्षार्थियों (भिन्न रूप से सक्षम बच्चों सहित) को व्यक्तिगत, सामूहिक रूप से कार्य करने के अवसर और प्रोत्साहन दिया जाए ताकि उन्हें :–

- अपनी भाषा में अपनी बात कहने, बातचीत करने की भरपूर आज़ादी और अवसर हों।
- हिंदी में सुनी गई बात, कविता, कहानी आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने–सुनाने/प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने के अवसर उपलब्ध हों।
- बच्चों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जो भाषाएँ कक्षा में मौजूद हैं या जिन भाषाओं के बच्चे कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों। इससे भाषाओं को कक्षा में समुचित स्थान मिल सकेगा और उनका शब्द–भंडार, अभिव्यक्तियों का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे।
- 'पढ़ने का कोना' में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की और विभिन्न भाषाओं (बच्चों की अपनी भाषा/एँ, हिंदी आदि) में रोचक सामग्री; जैसे – बाल साहित्य, बाल पत्रिकाएँ, पोस्टर, ऑडियो–विडियो सामग्री उपलब्ध हों।
- चित्रों के आधार पर अनुमान लगाकर कर तरह–तरह की कहानियों, कविताओं को पढ़ने के अवसर उपलब्ध हों।

सीखने की संप्राप्ति (Learning Outcomes)

बच्चे –

LH201. विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा/और स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं, जैसे– जानकारी पाने के लिए प्रश्न पूछना, निजी अनुभवों को साझा करना, अपना तर्क देना आदि।

LH202. कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से सुनकर अपनी भाषा में बताते/ सुनाते हैं।

LH203. देखी, सुनी बातों, कहानी, कविता आदि के बारे में बातचीत करते हैं और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।

LH204. अपनी निजी ज़िंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को सुनायी जा रही सामग्री; जैसे – कविता, कहानी, पोस्टर, विज्ञापन आदि से जोड़ते हुए बातचीत में शामिल करते हैं।

LH205. भाषा में निहित शब्दों और ध्वनियों के साथ खेल का मज़ा लेते हुए लय और तुक वाले शब्द बनाते हैं; जैसे – एक था पहाड़, उसका भाई था दहाड़, दोनों गए खेलने . ... ।

LH206. अपनी कल्पना से कहानी, कविता आदि कहते/सुनाते हैं/आगे बढ़ाते हैं।

LH207. अपने स्तर और पसन्द के अनुसार कहानी, कविता, चित्र पोस्टर आदि आनंद के साथ पढ़कर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/प्रश्न पूछते हैं।

LH208. चित्र के सूक्ष्म और प्रत्यक्ष पहलुओं पर बारीक अवलोकन करते हैं।

LH209. चित्र में या क्रमवार सजाए चित्रों में घट रहीं अलग–अलग घटनाओं, गतिविधियों

- विभिन्न उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पढ़ने के विभिन्न आयामों को कक्षा में उचित स्थान देने के अवसर उपलब्ध हों, जैसे – किसी कहानी में किसी जानकारी को खोजना, कहानी में घटी विभिन्न घटनाओं के क्रम को तय करना, किसी घटना के होने के लिए तर्क दे पाना, पात्र के संबंध में अपनी पसंद या नापसंद के बारे में बता पाना आदि।
- कहानी, कविता आदि को बोलकर, पढ़कर सुनाने के अवसर हों और उस पर बातचीत करने के अवसर हों।
- सुनी, देखी, पढ़ी बातों को अपने तरीके से कागज़ पर उतारने के अवसर हों। ये चित्र भी हो सकते हैं, शब्द भी और वाक्य भी।
- बच्चे अक्षरों की आकृति को बनाने में अपेक्षाकृत सुघड़ता का प्रदर्शन करते हैं। इसे कक्षा में प्रोत्साहित किया जाए।
- बच्चों द्वारा अपनी वर्तनी गढ़ने की प्रवृत्ति को भाषा सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा समझा जाए।
- संदर्भ और उद्देश्य के अनुसार उपयुक्त शब्दों और वाक्यों का चयन करने, उनकी संरचना करने के अवसर उपलब्ध हों।

और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र में देखकर समझते हैं और सराहना करते हैं।

LH210. परिचित/अपरिचित लिखित सामग्री में रूचि दिखाते हैं और अर्थ की खोज में विविध प्रकार की युक्तियों का इस्तेमाल करते हैं; जैसे – चित्रों और प्रिंट की मदद से अनुमान लगाना, अक्षर–ध्वनि संबंध का इस्तेमाल करना, शब्दों को पहचानना, पूर्व अनुभवों और जानकारी का इस्तेमाल करते हुए अनुमान लगाना।

LH211. प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) में मौजूद अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों की अवधारणा को समझते हैं, जैसे – 'मेरा नाम विमला है।' बताओ, इस वाक्य में कितने शब्द हैं? 'नाम' शब्द में कितने अक्षर हैं या 'नाम' शब्द में कौन–कौन से अक्षर हैं?

LH212. हिंदी के वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं।

LH213. स्कूल के बाहर और स्कूल के भीतर (पुस्तक कोना/पुस्तकालय से) अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनकर पढ़ने का प्रयास करते हैं।

LH214. स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत चित्रों, आड़ी–तिरछी रेखाओं (कीरम–काटे), अक्षर आकृतियों से आगे बढ़ते हुए स्व–वर्तनी का उपयोग और स्व–नियत्रित लेखन (कनवैंनशनल राइटिंग) करते हैं।

LH215. सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपने तरीके से और तरह–तरह से चित्रों/शब्दों/वाक्यों द्वारा (लिखित रूप से) अभिव्यक्त करते हैं।

LH216. अपनी निजी ज़िंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को अपने लेखन में शामिल करते हैं।

LH217. अपनी कल्पना से कहानी, कविता आदि आगे बढ़ाते हैं।

विषय–सूची (Contents)

अध्याय	पाठ का नाम	सीखने के प्रतिफल
	वर्णमाला	LH211, LH212
1.	तितली और कली	LH201, LH202, LH203, LH204, LH205, LH210, LH211, LH212, LH213, LH215, LH216
2.	गुड़िया रानी की शादी	LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH207, LH208, LH209, LH211, LH212, LH214, LH215, LH216, LH217
3.	कौन बोला म्याऊँ	LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH207, LH208, LH209, LH211, LH212, LH214, LH215, LH216, LH217
4.	भालू ने खेली फुटबाल	LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH207, LH208, LH209, LH211, LH212, LH214, LH215, LH216, LH217
5.	चालाक चीकू	LH201, LH202, LH203, LH204, LH205, LH210, LH211, LH212, LH213, LH215, LH216
6.	चींटी और हाथी	LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH209, LH214, LH215, LH216, LH217
7.	एकता का बल	LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH209, LH214, LH215, LH216, LH217
8.	कौन?	LH202, LH203, LH204, LH206, LH211, LH215, LH216, LH217
9.	मिट्टी	LH201, LH202, LH203, LH204, LH205, LH206, LH207, LH208, LH209, LH210, LH213, LH215, LH216
10.	बहुत हुआ	LH202, LH203, LH204, LH208, LH209, LH212, LH213, LH216, LH217
11.	मड़ई–मेला	LH202, LH204, LH206, LH215, LH216, LH217
12.	ऊँट चला	LH201, LH202, LH203, LH204, LH211, LH212,LH215, LH216, LH217
13.	आई एक खबर	LH201, LH202, LH203, LH205, LH207, LH208, LH209, LH212, LH213, LH216, LH217
14.	चूहे को मिली पेंसिल	LH201, LH202, LH203, LH204, LH205, LH210, LH211, LH212, LH213, LH215, LH216
15.	धूप	LH202, LH203, LH204, LH206, LH215, LH216, LH217
16.	छोटे–छोटे कदम	LH202, LH203, LH204, LH206, LH211, LH215, LH216, LH217
17.	चित्रकोट जलप्रपात	LH202, LH203, LH204, LH206, LH215, LH216, LH217
18.	क्या है उसका नाम?	LH201, LH202, LH204, LH207, LH210, LH211, LH212, LH215, LH216, LH217
19.	साहसी बनो	LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH206, LH215, LH216

उदाहराणार्थ रूब्रिक्स

Chapter अध्याय	Sub-Topics उप-विषय	Level -1 स्तर-1	Level -2 स्तर-2	Level -3 स्तर-3	Level -4 स्तर-4
After the lesson, students will be able to : पाठ के बाद, विद्यार्थी कर सकेंगे :		**Remember, Recall, List, Locate, Label, Recite याद करना, स्मरण करना, सूचीबद्ध करना, खोजना लेबल करना, वर्णन करना**	**Understand, explain, Illustrate, summaries, match समझना, व्याख्या करना, संक्षेप में लिखना, उदाहरण देना, मेल करना**	**apply, organize, use, solve, prove, draw प्रयोग करना, व्यवस्थित करना, उपयोग करना, हल करना, साबित करना, चित्रण करना**	**evaluate, hypothesis, analyses, compare, create, categories मूल्यांकन करना, परिकल्पना करना, विश्लेषण करना, तुलना करना, सृजन करना, वर्गीकरण करना**
1	2	3	4	5	6
तितली और कली	• कविता हाव–भाव व लयबद्ध तरीके से सुना सकेगें। • नये कठिन शब्द सीख सकेगें। • नये शब्दार्थ सीख सकेंगे। • कविता का भावार्थ समझ सकेंगे। • प्रकृति से जुड़ाव महसूस कर सकेंगे।	• कविता लयबद्ध तरीके से सुनाते हैं। • नये शब्द पढ़ पाते हैं। • शब्दार्थ बता पाते हैं। • नये कठिन शब्द पढ़ व लिख सकते हैं।	• मिलते–जुलते शब्द ढूँढकर लिख सकते हैं। • तितली के आकार रंग–रूप पर समझ के साथ बताते हैं। • फूलों के बारे में बताते हैं। • महक से संबंधित पंसद–नापंसद चीजों के नाम लिखते हैं।	• रंग–बिरंगी गतिविधि करके रंगों के नाम बताते हैं। • कठिन शब्दों का प्रयोग कर पाते हैं।	• तितली–भौंरा फूलों के बारे में अपने शब्दों में बता पाते हैं।

वर्णमाला

हिंदी वर्णमाला तग कुल 52 अक्षर मिन्दे।

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	
क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण		
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व			
श	ष	स	ह			
क्ष	त्र	ज्ञ				
ड़	ढ़	श्र				

वर्णमाला

हिंदी वर्णमाला में कुल 52 अक्षर हैं।

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	
क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण		
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व			
श	ष	स	ह			
क्ष	त्र	ज्ञ				
ड़	ढ़	श्र				

मिलेम अत्ताव अक्षर

त्र	ज्ञ	क्ष	श्र
(त्+र)	(ज्+ञ)	(क् +ष)	(श् +र)

इवी नाले अवुर वेंड इद इले ते मिलेमास अक्षरी बनेम आयनव।

क् + य = क्य

च् + च = च्च

त् + त = त्त

च् + छ = च्छ

ग् + य = ग्य

स् + थ = स्थ

प् + य = प्य

ड् + ड = ड्ड

संयुक्त अक्षर

त्र	ज्ञ	क्ष	श्र
(त्+र)	(ज्+ञ)	(क् +ष)	(श् +र)

इनके अतिरिक्त इस प्रकार से भी संयुक्त अक्षर बनते हैं–

क् + य = क्य

च् + च = च्च

त् + त = त्त

च् + छ = च्छ

ग् + य = ग्य

स् + थ = स्थ

प् + य = प्य

ड् + ड = ड्ड

मिलेम अत्ताव अक्षरीना माटा

आक	मन	उन्डावऽतऽ
कृष्ण	बूम	बातऽ
पप्पू	गोंदरी	चप्पू
नेला	कड़माम	पिल्लऽ
स्कूल	पुस्तक	नूल्ले
लड्डू	मूल्पे	वेड़का
ओपतऽ	नेलारे	चुडला वेडा
स्वास्थ्य	गोड़्क मेहतानोर	बल्लऽ

संयुक्त अक्षरों वाले शब्द

पत्ता	प्यार	प्यास
कृष्ण	पृथ्वी	क्या
पप्पू	प्याज	चप्पू
अच्छा	भाग्य	बच्चा
स्कूल	पुस्तक	मच्छर
लड्डू	संध्या	आनन्द
न्यारी	प्यारी	क्यारी
स्वास्थ्य	ग्वाल	स्लेट

	को + व = कोवे
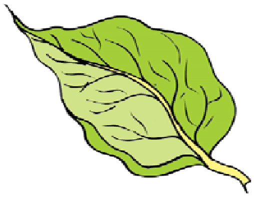	आ + क = आक
	वे +र+का+ड़ = वेर्काड़
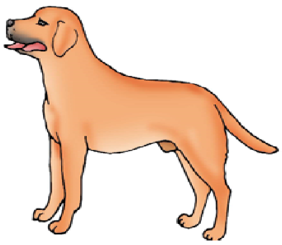	न + य = नय
	पु + त + ली = पुतली
	पिल्लऽ = पिल्लऽ

ब+न्+द+र = बंदर

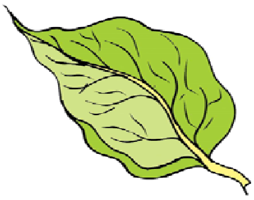

प+त्+त+ा = पत्ता

ि+ब+ल्+ल+ी = बिल्ली

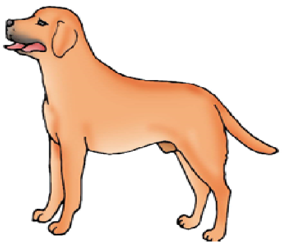

क+ु+त्+त+ा = कुत्ता

ग+ु+ड्+ड+ी = गुड्डी

ब+च्+च+ा = बच्चा

पाठ 1

गूगे नू मोग्गे

परपड़ंगी, गब्ब, काबड़ी, शोबऽ

आक रंगतऽ कोम्मऽ तग लगेम आस मन्नूर ,
सुडीला शोबतऽ ओण्ड मोग्गे ।
गूगे तानग वास मंज केतऽ,
निम्मऽ लगेम आतीन नेकाय नेल्ला ।

इंजे तेदा निम्मऽ कोंडा नाहका ,
आर मा संग कर्रसा ।
पर पड़गी गम–गम गब नीवा ,
गब गुलाय कोड़ी–कोड़ी।

मोग्गे परपड़ंगी पूयतऽ चितरी–काबड़ी,
उबाय करसा नद केंजी माटा।
संगे वेड़यदे पोयपीता मिर्रा,
गूगे इट्टा नीन दायमुंतऽ।

शिक्षण संकेत – कविता/गाना ला गा के सुनावव फेर दोहराय बर कहव। तिर तखार म मिले फिरा .... पतंगा के बारे म लइका मन ला परसन पुछव। अभ्यास माला ल दे कलम से पूरा करवावव। पाठ मा आए मुश्किल शब्द के माने अपन बोली भाखा।

2SCE27

पाठ 1

तितली और कली

छिटककर, महक, रंगीली, सुंदर

हरी डाल पर लगी हुई थी,
नन्ही सुंदर एक कली।
तितली उससे आकर बोली,
तुम लगती हो बड़ी भली।

अब जागो तुम आँखें खोलो,
और हमारे संग खेलो।
फैले सुंदर महक तुम्हारी,
महके सारी गली–गली।

कली छिटककर खिली रंगीली,
तुरंत खेल की सुनकर बात।
साथ हवा के लगी भागने,
तितली छूने उसे चली।

शिक्षण संकेत – कविता को गाकर सुनाएँ फिर दुहराने को कहें। आसपास में पाये जाने वाले कीट – पतंगों के बारे में बच्चों से प्रश्न पूछें। अभ्यासमाला को पेंसिल से पूरा करवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ क्षेत्रीय भाषा/बोली में बताएँ।

कविता ने

- गूगे मोग्गे तग बाड़ अंज मत्ता ?
- गूगे नू मोग्गे बातऽ खेल कर्रसता ?
- गूगे बातऽ केत्तान के मोग्गे वेड़कता ?

अंदाजा ते कीमूट

- गूगे मोग्गे तग बेस्सूट अत्ता असके ?

नरकोम [ ] **पोड़द मिड़दंसो** [ ] **मुल्पे** [ ]

- निम्मऽ समय ता अंदाजा बाले लगा कित्ती ?

असून तंग–असून तंग माटा

- कविता तिना अव माटा किन मेहकाट बेव कंेजलय मोग्गे इन्ना लगेम आयनद। इलेते – मोग्गे, गूगे
- दोड़ इत्ताव माटा नाले आदो माटा मी मनते जोड़ा कीमूट ।

......केलाट......... ......गूगे...... ....कोम्मा.......

....

....

....

गम–गम गब गुलाय कोड़ी–कोड़ी

- गब मिकीन नेल्ला वेंड आया परदी ता आर ओपवाद वेंड ।
  नेल्ला ओप्पानद गबतिन केत्ता नोड़ ....
  ओपवाद गब तिन केत्ता नोड़ ....
- इसून तंग चीजी न पेद्देड़ लिका कीमूट अवीना गब मिकीन मन मिंदें। आर बेवीना मन ईल्ला।

कविता से

- तितली कली के पास क्यों गई थी?
- तितली और कली ने क्या खेल खेला?
- तितली के क्या कहने पर कली खुश हो गई?

अंदाज़ा लगाओ

- तितली कली के पास कब गई होगी?

सुबह ☐ **दोपहर** ☐ **शाम** ☐

- तुमने समय का अंदाज़ा कैसे लगाया?

मिलते–जुलते शब्द

- कविता में से वे शब्द ढूँढ़ो जो सुनने में कली जैसे लगते हैं।

जैसे – कली, भली

- नीचे दिए गए शब्दों जैसे कुछ शब्द अपने मन से जोड़ो।

......बोलो......... ......तितली...... ....डाल ....

....

....

....

महके सारी गली–गली

- महक तुम्हें अच्छी भी लग सकती है और बुरी भी।

अच्छी लगने वाली महक को कहेंगे ....

बुरी लगने वाली महक को कहेंगे ....

- ऐसी चीज़ों के नाम लिखो जिनकी महक तुम्हें पसंद है और जिनकी पसंद नहीं है।

मन मिंदे

....
....
....
....
....
....

मन इल्ला

....
....
....
....
....
....

- मीवा बोकऽते असूनता बेद–बेद तऽ पुंगार मिंदे अदीना नेकाय गम–गम गब मिंदे ?

  पूंगा ना पेद्देड़ मी माटा ते लिखा कीमूट।
- मी लोनऽ बात–बात लेकोटा गब वायनद ?

  (ईले – साबुन या निय दा गब उठूल उद्दान कोली तिना)

मी माटा

कर्रसऽ निन मयदे मोग्गे उबाय तेदी मत्तऽ निम्मा बातऽ काम तिन मयदे उबाय तेदी दातीन आर बातऽ काम तिन मयदे तेदालय मन कीविन ? बाड़ ?

तेदकाल

....
....
....
....
....
....

तेद्वाल

....
....
....
....
....
....

पसंद है	पसंद नहीं है
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

- तुम्हारे आसपास ऐसे कौन–कौन से फूल हैं जिनकी बहुत तेज़ महक है?

  फूलों के नाम अपनी भाषा में लिखो।
- तुम्हारे घर में किस–किस तरह की महक आती है?

  (जैसे – साबुन या तेल की महक गुसलखाने से)

तुम्हारी बात

खेलने के लिए कली तुरंत जाग गई थी। तुम किस काम के लिए तुरंत जाग जाओगे और किस काम के लिए जागना पसंद नहीं करोगे? क्यों?

जागेंगे	नहीं जागेंगे
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

रंग–रगतऽ

आक रंगतऽ कोम्मऽ तग, लगेम आस मन्नूर सुडीला शोबतऽ ओण्ड मोग्गे

कविता तग पोदला तऽ कोम्मऽ आक रंगतऽ केत्ताद मिंदे ।

दोड़ लिका कित्ताव चीजी बेद–बेद रंग तऽ आया परदीता ?

....	गूगे	....	पोड़द पुंगार
....	आपा	....	लड्डू
....	पेंसिल	....	पिल्लेट
....	कुड़ता	....	कुस्सीड़
....	कमला	....	तोड़य

रंग–बिरंगी

हरी डाल पर लगी हुई थी
नन्ही सुंदर एक कली

कविता में पौधे की डाल हरे रंग की बताई गई है।
नीचे लिखी चीज़ें किन–किन रंगों की हो सकती हैं ?

.... तितली .... सूरजमुखी
.... बैंगन .... लड्डू
.... पेंसिल .... प्याला
.... कुर्ता .... साग
.... संतरा .... मिट्टी

2SLA3U

पाठ 2

नूनी रानी नऽ पेन्डुल

नेकाय, गोत,उवाट किनाद, सायता, नेड़ेक, पेन्डुल पाटा, लगेम आयनद

चंपा नू मंजु रेन्ड मन्नू। रेन्ड अहलो ना नेकाय गोत मत्तऽ। चंपा नग मत्तऽ। मंजु नग मत्तोर। रेण्ड अहलो दिनाल मुलपे तग कर्रसनू वाना वेंड बोकऽते–बोकऽते मन्नू। वेंडे अव, ओण्डोय संग पोड़ेम आनू।

ओण्ड दिना रेण्ड अहलो उवाट कित्ता कि अद नू ना पेन्डुल कीयकाल। दूसरा दिना तिना के अव पेन्डुल ता तैयारी कियालय पोयपी कित्ता। रेण्ड़ अहलो अपुना–अपुना यायो किन सायता तालप्ता ! ई चंपा किन यायो ना लहंगा नू दुपट्टा बना कित्तऽ। आ मंजु किन यायो कुड़ता आर बना कित्तऽ । जमाय गोत्त तोड़ किन पेन्डुल ता कबुड़ कागेत लोह तो। पेन्डुल दिना ते सूरजीन यायो पुंगा ना रेन्ड बना कित्तऽ। दादाल मिठाई ता दुकान तिना नू तत्तोर ।ओर पेरमा वेंड करंग तूर ।रामू काकाल वेय पेस तोर आर वेय पेन्डुल पाटा पारता । इद ईले ते नू ना पेन्डूल अत्तऽ।

पाठ 2

xfM+;k jkuh dh 'kknh

गहरी, मित्रता, तय करना, मदद, माला, बधाई गाना, जुट जाना

चंपा और मंजु दो थीं। दोनों में गहरी मित्रता थी। चंपा के पास थी। मंजु के पास था। दोनों रोज शाम को में खेलती थीं। उनके भी पास–पास थे। में भी वे एक साथ पढ़ती थीं।

एक दिन दोनों ने तय किया कि वे और की शादी करेंगी। अगले दिन से ही वे शादी की तैयारी में जुट गईं। दोनों ने अपनी–अपनी माँ से मदद माँगी। इधर चंपा की माँ ने का लहंगा और दुपट्टा बनाया। उधर मंजु की माँ ने का कुर्ता और तैयार की। सब मित्रों को शादी का निमंत्रण कार्ड भेजा गया। शादी के दिन सूरज की माँ ने फूलों की दो बना दीं। भैया मिठाई की दुकान से और ले आए। उन्होंने पंडित को भी बुलवाया। रामू काका ने बजाया और ने बधाई गाई। इस तरह और की शादी हुई।

शिक्षण संकेत :–
1.पाठ पढ़ने का अभ्यास पूर्व से ही कर लें।
2.पाठ का आदर्श वाचन करते समय प्रश्नोत्तर तकनीक का उपयोग करें।
3.बारी–बारी से सभी बच्चों से वाचन करवाएँ।

माटऽ तऽ मतलब

नेकय/नेला = गहरी
उवाट कीम = तय करना
तोड़ आयनद = मदद
पेन्डूल पाटा = बधाई गाना।
गोत/जोका = मित्रता
लगेम आयनद = जुट जाना
नेड़ेक = माला।

कर्यकाल

1. इत्ताव माटा ना अर्थ मन माटऽ ते केलाट –
जोका तोर, नेड़ेक, तोड़ आयनद, उवाट कीम, पेन्डूल पाटा

2. निजाम बातऽ मिन्दे –
1. चंपा नग .... (पुतली मत्ता/पुतला मत्ता)
2. चंपा नू मंजु ना लोनऽ .... (बोकते–बोकते मत्ता/एड़ाय–एड़ाय मत्ता)
3. पुतला नू पुतली ना पेन्डुल तिन मयदा अव .... साहयता तल्कता। (यायो ना/बाबो ना)
4. मंजु किन यायो ....गिसड़ी बना कित्तऽ । (पुतलानऽ/पुतली नऽ)
5. सूरजीन यायो ....(मिठाई बना कित्तऽ/नेड़ेक बना कित्तऽ)
6. रामू काकाल .... (डोल पेसतोर/पेन्डूल पाटा पारतोर)

3. मीवा गोत/जोका तोड़ा पेद्देड़ लिका किमुट –

4. निम्मा मीवानार लोनऽ तग पेन्डुली उड़तिन अस्के। पेन्डूली नग बाता–बाता आयनव, अवीकिन मयदे केलाट।

शिक्षण संकेत :–
1.पाठ पढ़ने का अभ्यास पूर्व से ही कर लें।
2.पाठ का आदर्श वाचन करते समय प्रश्नोत्तर तकनीक का उपयोग करें।
3.बारी–बारी से सभी बच्चों से वाचन करवाएँ।

शब्दार्थ

गहरी = अच्छी, गाढ़ी।
मित्रता = दोस्ती।
तय करना = निश्चित करना।
जुट जाना = किसी काम में लगना।
मदद = सहायता।
माला = हार।
बधाई गाना = शादी के गीत गाना।

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –
मित्रता, माला, मदद, तय करना, बधाई गाना

2. सही क्या है –
1.चंपा के पास .... (गुड़िया थी/गुड्डा था।)
2.चंपा और मंजू के घर .... । (पास–पास थे/दूर–दूर थे।)
3.गुड्डा व गुड़िया की शादी के लिए उन्होंने .... सहायता माँगी,
(माँ से/पिता से)
4.मंजू की माँ ने .... कपड़े बनाए। (गुड्डे के/गुड़िया के)
5.सूरज की माँ ने .... (मिठाई बनाई/मालाएँ बनाई)
6.रामू काका ने ....(ढोलक बजाया/बधाई गाई)

3. अपनी सहेलियों/मित्रों के नाम लिखो –

4. तुमने अपने गाँव/घर में शादियाँ देखी होंगी। शादियों में क्या – क्या होता है, उसके बारे में बताओ।

5. बाले निम्मऽ मरका पंडूम तिहार तीन मयदा केंज ती। इद तिहार बाले मानेमातुर पतऽ कीमुट।

6. पोटू उड़ीमंज पेद्देड़ लिका कीमुट –

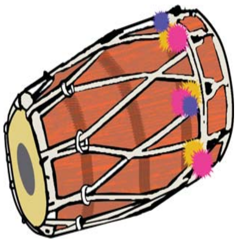

----

7. मी लोना पान्ता गिस्सड़ीने पुतली नू पुतला माड़ाट ।

8. बोट्का किन जोड़ा कीमूट गलाय पोटू पाड़ाट आर रंग निहाट।

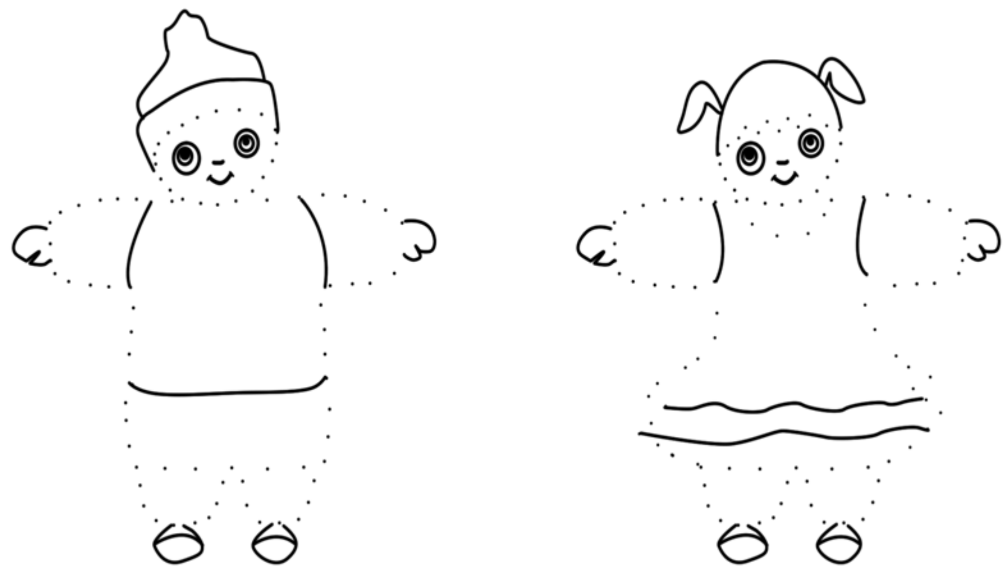

5. क्या तुमने अक्ती (अक्षय तृतिया) त्यौहार के बारे में सुना है। यह त्यौहार कैसे मनाया जाता है, पता करो।

6. चित्र देखकर नाम लिखो–

____

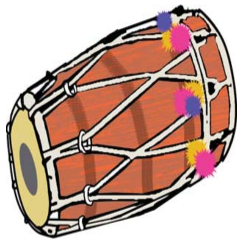
____

____

____

2T5275

7. अपने घर में पुराने कपड़ों से गुड़िया और गुड्डा बनाओ।

8. बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा करो और रंग भरो।

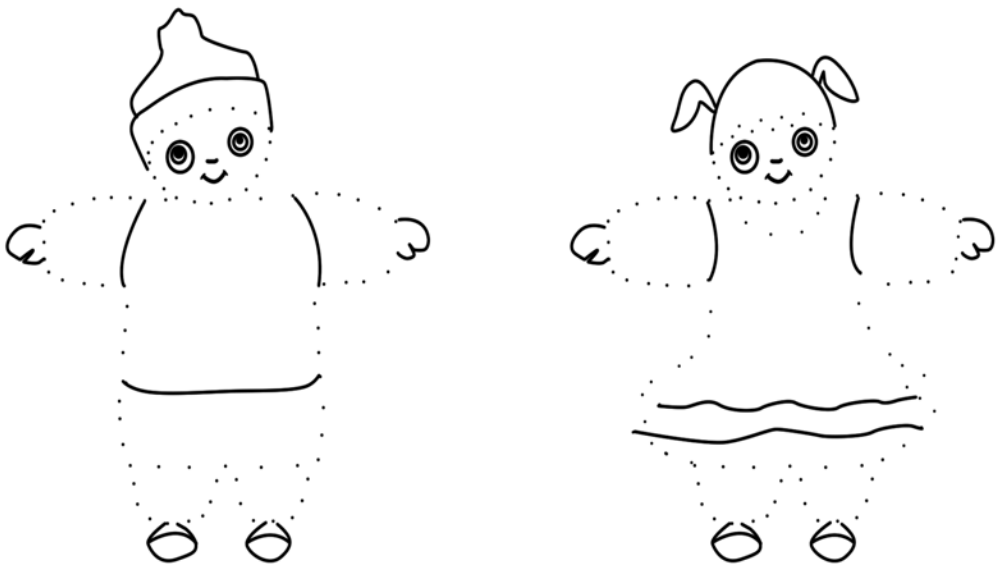

पाठ 3

cuk dRrkj E;kx\

नय–पिल्लऽ	म्योंग	लेंग
पंडे	लंगा	गुंग–गुंग
उर्रवे	गुप्पऽ	टर्र–टर्र

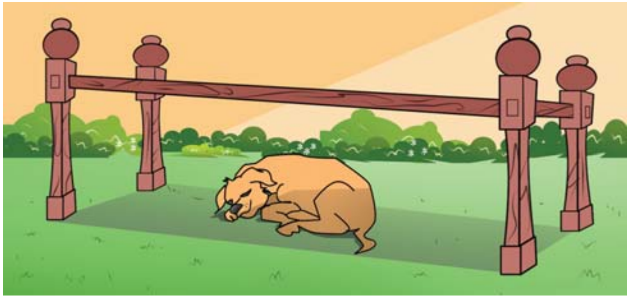

ओण्ड नय पिल्लऽ कटूल तग अड्डीन गुड़िसो मत्तऽ। अचूटेन लेंग केंजनता. .... म्योंग ! नय पिल्लऽ उबाय तेदी उदतऽ । ई आ उड़तऽ लेंग बेगा

टीना वत्तऽ ? बेगाय बेनो रे इल्वमत्तोर। अद लोत तिना दुवते वत्तऽ। अचूटे बोकतद् गुप्पऽ तिना ओण्ड उप्पे लंगी मंज मुन्ने वत्तऽ। नय पिल्लऽ पूछऽ कित्ता बाले, निम केत्तीन म्योंग? अय्यो नन कोन चीं–चीं केत्ता नोना – उप्पे केत्तऽ। नय पिल्लऽ पुंगार तऽ पोदला मोदोल एव्तऽ। पुंगार तग ओण्ड उर्रवे वीस उद्दी मन्नूर । नय पिल्लऽ पूछऽ कित्ता – बाले निम केत्तीन म्योंग? अय्यो नन कोन बुंग–बुंग कीयनोन।

वेंडे लेंग वत्ता म्योंग।''एर्वद्ऽ उटूल ओण्ड पन्डे उद्दी मन्नूर। नय पिल्लाऽ पण्डेत पूछऽ कित्ता–बाले निम केत्ती म्योंग?'' ''नन कोन टर्र–टर्र केत्ता नोना।'' वेंडे लेंग वत्तऽ,म्योंग। ''बेनो केत्तोर म्योंग?''

नन केत्तान म्योंग ......

पाठ 3

dk|u ck|yk E;kÅ| \

पिल्ला	म्याऊँ	आवाज
मेंढक	फुदक	भिन्–भिन्
मधुमक्खी	झाड़ी	टर्र–टर्र

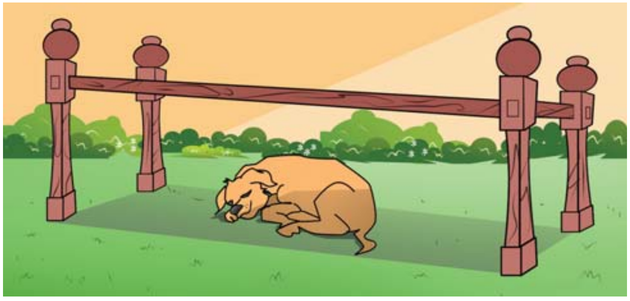

एक पिल्ला खाट के नीचे सो रहा था। तभी आवाज सुनाई दी .... म्याऊँ! पिल्ला झट उठ बैठा। इधर–उधर देखा आवाज कहाँ से आई ? कहीं कोई नहीं था। वह घर से बाहर आया। तभी पास की झाड़ी में से एक चूहा कूदकर सामने आया।

पिल्ले ने पूछा– "क्या तुम बोले म्याऊँ ?"
"नहीं, मैं तो 'चीं–चीं' बोलता हूँ"– चूहा बोला।
पिल्ला फूल के पौधे के पास पहुँचा। फूल पर एक मधुमक्खी बैठी थी। पिल्ले ने पूछा–"क्या तुम बोली म्याऊँ ?" "नहीं, मैं तो भिन्–भिन् करती हूँ।"

फिर आवाज आई "म्याऊँ।"

तालाब के किनारे एक मेंढक बैठा था।

पिल्ले ने मेंढक से पूछा– "क्या तुम बोले म्याऊँ ?"
"मैं तो टर्र–टर्र बोलता हूँ।" फिर आवाज आई, "म्याऊँ।"
"कौन बोला म्याऊँ ?"

मैं बोली म्याऊँ...

शिक्षण संकेत – पाठ आरंभ करने के पूर्व कुछ पालतू जानवरों की आवाज के संबंध में बच्चों से चर्चा करें। उसे बच्चों से निकालने को भी कहें तत्पश्चात पाठ आरंभ करें। पाठ के अंत में कुछ प्रश्न भी पूछें और उनको उत्तर देने हेतु प्रेरित करें। अभ्यासमाला को पेंसिल से पूरा करवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

माटऽ तऽ मतलब

नय पिल्लऽ = पिल्ला, लेंग = आवाज, उर्रवे वीस तऽ लेंग = बुंग–बुंग

कर्यकाल

1. दोड़ इत्ताव माटा नऽ अर्थ मी माटा ते केलाट –

नय पिल्ला, पन्डे, उर्रवे वीस, गुप्पऽ

2. बेनो बाले लेंग पेपिकीयनोर, जोड़ी पाड़ाट –

1. 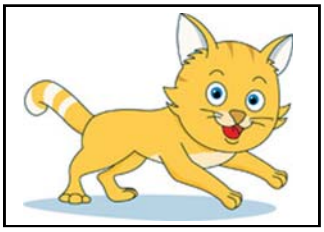 – बुंग – बुंग

2. – टर्र – टर्र

3. – भौं – भौं

4. – म्योंग–म्योंग

शिक्षण संकेत – पाठ आरंभ करने के पूर्व कुछ पालतू जानवरों की आवाज के संबंध में बच्चों से चर्चा करें। उसे बच्चों से निकालने को भी कहें तत्पश्चात पाठ आरंभ करें। पाठ के अंत में कुछ प्रश्न भी पूछें और उनको उत्तर देने हेतु प्रेरित करें। अभ्यासमाला को पेंसिल से पूरा करवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

पिल्ला = कुत्ते का बच्चा, आवाज = ध्वनि, भिन्–भिन् = मधुमक्खी की आवाज

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

पिल्ला, मेंढक, मधुमक्खी, झाड़ी

2. कौन कैसे आवाज निकालता है जोड़ी बनाओ –

1. 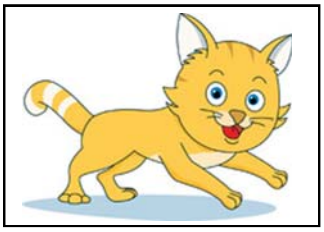 – भिन् – भिन्

2. – टर्र – टर्र

3. – भौं – भौं

4. – म्याऊँ–म्याऊँ

3. सही उत्तर तग ✓ तऽ निशान वाटाट –

क. नय पिल्लऽ बेगऽ पट्टी मत्ता ?
(खटूल तग अड्डीन / कटूल तग पोर्रो)

ख. पुंगार तग बेनो उद्दी मत्तोर ?
(उर्रवे वीस / पुड़िय)

ग. एर्रव उटूल बेनो उद्दी मत्तोर ?
(पण्डे / उप्पे)

द. म्योंग बेनो केत्तोर ? केलाट।
(वेर्रकाड़ / नय पिल्लऽ)

4. बेनो बेदिना पिल्ला मिंदे ?लकीर तिवंगीमंज सही जोड़ी पाड़ाट।

क		ख
कोर्र पिल्ला	–	चिट्ट नय
नय पिल्ला	–	तल्लूड़
पेय्यऽ पिल्ला	–	मेंडऽ
मेंडऽ पिल्ला	–	गोड्ड
लुप्प पिल्ला	–	लुप्प

5. आलसी मंज केल्लाट।

निम्मा नियग बोकते – बोकते नेकाय दिब्बेय लेंगी केंजऽ नोन अस्के । केल्लाट इद लेंग बेनो ना ?

1. घर्र – घर्र –
2. टन – टन –
3. ट्रिंग – ट्रिंग –
4. झुन – झुन –
5. ठन – ठन –

6. ओण्डोय तसून तऽ लेंग तवीना माटाकिन उच्चारण कीमूट?

क. साड़ी – गाड़ी

ख. टर्र–टर्र – फर्र–फर्र

3. सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाओ।

क. पिल्ला कहाँ सोया था ?
(खाट के नीचे / खाट के ऊपर)

ख. फूल पर कौन बैठा था ?
(मधुमक्खी / कीड़ा)

ग. तालाब के किनारे कौन बैठा था ?
(मेंढक / चूहा)

घ. म्याऊँ कौन बोला ? बताओ।
(बिल्ली / पिल्ला)

4. कौन, किसका बच्चा है? रेखा खींचकर सही जोड़ी बनाओ।

क		ख
चूजा	–	कुत्ता
पिल्ला	–	मुर्गी
बछड़ा	–	भेड़
छौना	–	गाय
मेमना	–	हिरन

5. सोचकर बताओ।

तुम अपने आस – पास बहुत सी आवाजों को सुनते होगे। बताओं ये आवाजें किसकी हैं?

1. घर्र – घर्र –
2. टन – टन –
3. ट्रिंग – ट्रिंग –
4. झुन – झुन –
5. ठन – ठन –

6. एक जैसी ध्वनि वाले शब्दों का उच्चारण करो।

क. साड़ी – गाड़ी

ख. टर्र–टर्र – फर्र–फर्र

ग. आस – पास

घ. झट – पट

6. बेनो – बेग्गा दोर्रकीतोर –

डेरा 1	डेरा 2	जीव – जंतु
....	....	ताड़स
....	....	किरयाड
....	....	एन
....	....	गोड्ड

7. पड़य कीमूट –

1.दोड़ बनेमता डब्बा नग बारह जनवारी ना आर जन्तु ना पेद्देड़ मिंजतऽ मेहकी मंज पोड़ेम अयमूट।

हा	थी	गि	घो	ड़ा	म
गा	ऊँ	ल	में	ढ	क
य	ट	ह	लो	म	ड़ी
ब	क	री	ना	ग	धा
त	शे	र	हि	र	न
ख	र	गो	श	भा	लू

2. पोटू तिन पूरा कीमुट आर रंग निहसमंज ताना पेद्देड़ लिका कीमुट –

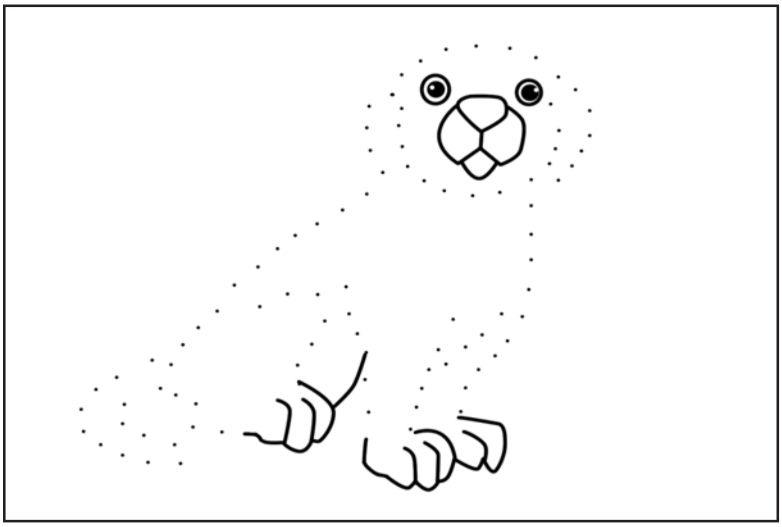

ग. आस – पास

घ. झट – पट

6. कौन – कहाँ मिलेगा

स्थान 1	स्थान 2	जीव – जंतु
....	....	साँप
....	....	तोता
....	....	हाथी
....	....	गाय

7. गतिविधि –

1. नीचे बने वर्ग में बारह पशुओं एवं जंतुओं के नाम छिपे हैं, ढूँढ़कर पढ़ो।

हा	थी	गि	घो	ड़ा	म
गा	ऊँ	ल	में	ढ	क
य	ट	ह	लो	म	ड़ी
ब	क	री	ना	ग	धा
त	शे	र	हि	र	न
ख	र	गो	श	भा	लू

2. चित्र पूरा करो एवं रंग भरकर उसका नाम लिखो –

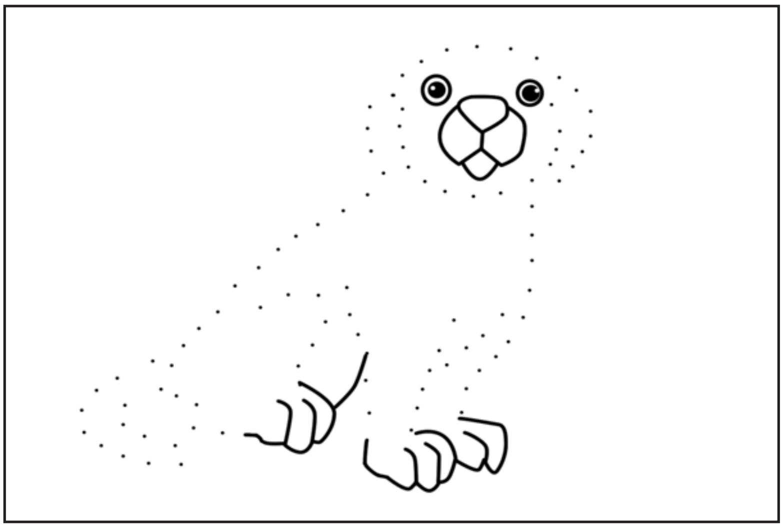

2THTAF

पाठ 4

,Mt djlr· QVcky

एद,नंजर,उक्कऽ–बक्कऽ,गूमाम,बरकस,मस्कील

इंड़गा कालाम मत्तऽ। नरकोम पहार ते । सर तिड़ई गूमामे–गूमाम। ओण्ड डुव दा पिल्लऽ कुदुड़ अड़स गोन्गऽ आस नेण्ड माड़ा अड़डीन गुड़िई मन्नूर।

इद्द ई एड़ज साहेब वेल्या लय पेईस कोन वत्तऽ मत आलसो मन्नूर। अचूटेन ताना नंजर नेण्ड माड़ा अड़डीन अत्ता।

कोण्डा नाहकता, बुद्ध आल्सतऽ–अहा! फुटबॉल। आलसतऽ दा तेन कर्रसी सुडुन उबाम पेपीकीतान।

पाठ 4

Hkky u [kyh QVcky

गर्मी, नजर, हड़बड़ी, कोहरा, फुर्ती, आफत

सर्दियों का मौसम था। सुबह का वक्त। चारों ओर कोहरा ही कोहरा। एक शेर का बच्चा सिमटकर गोल–मटोल बना जामुन के पेड़ के नीचे सोया हुआ था।

इधर भालू, साहब सैर पर निकल तो आए थे लेकिन पछता रहे थे। तभी उनकी नज़र जामुन के पेड़ के नीचे पड़ी।

आखें फैलाई, अक्ल दौड़ाई – अहा! फुटबॉल। सोचा, चलो इससे खेलकर कुछ गर्मी हासिल की जाए।

बे ऊड़ता बे ऊड़ो। एड़ज कालदे तेहस पोर्रोएस्तऽ डुव पिल्लतिन। अक्का–बक्का ते डुव पिल्लऽ आंगल्तऽ आर वेंड माड़ा तऽ ओण्ड कोम्मा तिन पोय्यतऽ।

मत कोम्मऽ उरंगतऽ। एड़ज साहेब उब्बये मामला समज वत्तऽ। आलसतऽ मति, जामय मंज

मिर्री अंज बरकस ते रेन्ड अहलो कैक आहतऽ आर डुव दा पिल्लऽ तिन एत्तऽ।

आव देखा न ताव। भालू जी ने पैर से उछाल दिया शेर के बच्चे को।

हड़बड़ी में शेर का बच्चा दहाड़ा और फिर पेड़ की एक डाल पकड़ ली।

मगर डाल टूट गई। भालू साहब जल्दी ही मामला समझ गए। पछताए, लेकिन अगले ही पल

दौड़कर फुर्ती से दोनों हाथ बढ़ाए और शेर के बच्चे को लपक लिया।

अरे इद बातऽ !
डुव दा पिल्लऽ वेंडे पोर्रो एस्सालय केत्तऽ मुन्तऽ।

ओण्ड दम वेंड एड़ज दादो पोर्रो एसतोर। रेण्ड दम मून्ड दम वेंडे गन्ने–गन्ने इलेतेन आसो मन्नूर । डुव पिल्लऽ तिन पोर्रो

एस्सानद वेड़का वानूर । मत एड़ज अय्वी मंज परेशान अत्तऽ।

ओह – बेद आपेत तग वास पसेम अत्तान। बारह दम पोर्रो एस्सी मंज एड़ज लोत्ता मिर्र पोयपीकितऽ आड़ मायतऽ।

अरे यह क्या! शेर का बच्चा फिर से उछालने के लिए कह रहा था।

एक बार फिर भालू दादा ने उछाला। दो बार तीन बार फिर बार–बार यही होने लगा। शेर के बच्चे को

उछलने में मज़ा आ रहा था। परंतु भालू थककर परेशान हो गया था।

ओह, किस आफत में आ फँसा। बारहवीं बार उछालते ही भालू ने घर की ओर दौड़ लगाई और गायब हो गया।

ई दम ते डुव दऽ पिल्लऽ गुड़ब ने नेल दग अड़तऽ। कोर वेंड उरंगतऽ।

अचूटे पोदला उर्रस्कानोर वत्तोर आर डुव पिल्लात मुण्डा कीया पोयपीकित्तोर कोम्मा उर्रहतिन माड़ा तद। तड़ा तेनऽ डन्डूम।

डुव पिल्लऽ केत्तऽ–जामऽ उजड़ेम कोन आतान अल्ला । पोदला उर्रस्का –

नोर केत्तोर ओ निज्जामे। ननऽ इंजे वातान। पोदला उर्रस्कानोर अगाटीना अंजोड़े डुव पिल्लऽ वेंड नौ दो ग्यारह अत्तऽ। अद आलसतऽ – जीव नेयकेऽ अचोन लाखो दोरकीता।

अब की बार शेर का बच्चा धड़ाम से ज़मीन पर आ गया। डाल भी टूट गई।

तभी माली वहाँ आया और शेर के बच्चे पर बरस पड़ा – ''डाल तोड़ दी पेड़ की। लाओ हर्जाना।''

शेर के बच्चे ने कहा– ''ज़रा ठीक तो हो लूँ।'' माली ने कहा ''ठीक है।

मैं अभी आता हूँ।'' माली के वहाँ से जाते ही शेर का बच्चा भी नौ दो ग्यारह हो लिया। उसने सोचा– ''जान बची तो लाखों पाए।''

शिक्षण संकेत – पाठ आरंभ करने के पूर्व सर्दियों के मौसम और कोहरे के बारे में एवं ठंड से बचने के लिए किए जाने वाले उपाय के बार में चर्चा करवाएँ। साथ ही बच्चों के द्वारा खेले जाने वाले खेलों के विषय में बातचीत करें । पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

माटऽ तऽ मतलब

आपेत = आफत, गूमाम = कोहरा , वेड़दे / समय = वक्त, पोयता नद = लपक

कर्यकाल

1. इत्ताव माटा ना अर्थ मन माटा ते केल्लाट।

गूमाम, नर्रकोम, मायतऽ, नेल, उक्कऽ–बक्कऽ, नेंडी

2. इत्ताव प्रश्न ता उत्तर ईमूट।

क. डुव पिल्लऽ माड़ात कोर दिन बाड़ पोयतऽ ?

ख. डुव पिल्लऽ बाड़ आंग्लितऽ ?

ग. एड़ज साहेब बेद माटात सेंगा आलसतऽ ?

घ. एड़ज बाड़ केत्ता – ओह ! बेद आपेत तग वास पसेम अत्तान ?

3. इत्ताव माटा किन पोढ़ेम आस पोढेम अताद वेसोड़ ताले लईन ते वाटाट ।

क. एड़ज डुव पिल्लऽ तिन पोर्रो एस्सतऽ ।

ख. डुव पिल्लऽ माड़ा कोर दिन पोयतऽ ।

ग. एड़ज लोत्तऽ चेप्पऽ मिर्रतऽ ।

घ. एड़ज साहेब वेलय्या लय पेहितऽ।

ड. एड़ज डुव पिल्लऽ तिन मिर्री अंज पोयतऽ।

4. बाले अय्येर मत –

(क) एड़ज डुव पिल्लऽ तिन पोय्योक अचोन ?

(ख) डुव पिल्लऽ नौ दो ग्यारह अय्योक अचोन ?

5. कीस उड़ाट –

क. बेचुट एड़ज डुव पिल्लऽ तिन पोर्रो एसतऽ, अद आंग्लीतऽ ।
तानऽ आंगलानद लेंग बाले मन्नूर , केचमंज तोहाट।

ख. दोड़ लिका कित्ताव पड़य दिन बाले कीनोड़ ? कक्षा तग कीस केलाट।

पोयतनद
ईचाड़ इड़सनद
ओड़ंगसो दायनद

एस्सानद
मोजा केरदानद
उक्तव गिस्सड़ी पीरानद

शिक्षण संकेत – पाठ आरंभ करने के पूर्व सर्दियों के मौसम और कोहरे के बारे में एवं ठंड से बचने के लिए किए जाने वाले उपाय के बार में चर्चा करवाएँ। साथ ही बच्चों के द्वारा खेले जाने वाले खेलों के विषय में बातचीत करें । पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

आफत = मुसीबत, कोहरा = धुंध, वक्त = समय, लपक = पकड़

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ ।

कोहरा, सुबह, गायब, जमीन, हड़बड़ी, जामुन

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो ।

क. शेर के बच्चे ने पेड़ की डाल क्यों पकड़ी ?

ख. शेर का बच्चा क्यों दहाड़ा ?

ग. भालू साहब किस बात पर पछताए ?

घ. भालू ने क्यों कहा – ओह! किस आफत में आ फँसा ?

3. दिए हुए वाक्यों को पढ़कर पढ़ी गई कहानी के क्रम में जमाओं –

क. भालू ने शेर के बच्चे को उछाल दिया।

ख. शेर के बच्चे ने पेड़ की डाल पकड़ ली।

ग. भालू ने घर की ओर दौड़ लगाई।

घ. भालू साहब सैर को निकले।

ड. भालू ने शेर के बच्चे को लपक कर पकड़ लिया।

4. क्या होता अगर –

क. भालू शेर के बच्चे को न पकड़ता ?

ख. शेर का बच्चा नौ दो ग्यारह न होता ?

5. करके देखो –

क. जब भालू ने शेर के बच्चे को उछाला, वह दहाड़ा।
उसके दहाड़ने की आवाज़ कैसी होगी, बोलकर दिखाओ।

ख. नीचे लिखे कामों को कैसे करते हैं ? कक्षा में करके बताओ।

लपकना	फेंकना
कंघी करना	मोज़ा पहनना
दबे पाँव चलना	धुले कपड़े निचोड़ना

6. डुव पिल्लऽ केंजीकित्तऽ ताना संग अत्तेदिन

डुव पिल्लऽ लोन अंज तम यायो–बाबोन तन वेसोड़ केंजीकित्तऽ ।

अद बातऽ – बातऽ केंजीकित्तऽ अस्के ? केल्लाट।

7. करसी – करसीऽ के –

क. फुटबॉल तिन फुट–बॉल बाड़ केत्तितोड़ अस्केन।

ख. इसून्ता करसा नवीना पेद्देड़ केलाट अद्दीनग बॉल (गेद) तऽ काम वायनेद।

पिट्टूल ....

8. मीवा बुद्ध ते

इंड़गाम ते नेयदालय मयदे डुव पिल्लऽ गोंग्गऽ अड़स, कुद्दुड़ वेट्टी उद्दी मत्तऽ । मीवा विचार ते डुव दा पिल्लऽ इंड़गाते नेयदान मयदे अवुर बातऽ–बातऽ किया परदीतऽ ?

9. इंड़गाते नेयदनद

एड़ज इंड़गाते नेयदान मयदे फुटबॉल करसनद माटऽ आल्सतऽ ।

निम्मा इंड़गाते नेयदान मयदे बातऽ–बातऽ कीनोड़ी ? (✓) तऽ निशान वाटाट ।

क. मिर्रा नोड़ी ।

ख. दम पोयतव गिस्सड़ी केर्रस लोनऽ उद्दी मंदनोड़ी ।

ग. रजाई मुचानोड़ी।

घ. किस्स आरानोड़ी ।

ङ. किडंगतद एर उन्डानोड़ी ।

च. कास्तद एर दे मीनोड़ी ।

छ. कास–कास चाहा उन्ड़ानोड़ी ।

6. शेर के बच्चे ने सुनाई आपबीती

शेर के बच्चे ने घर जाकर अपने माता–पिता को अपनी कहानी सुनाई। उसने क्या–क्या सुनाया होगा? बताओ।

7. खेल–खेल में

क. फुटबॉल को **फुट बॉल** क्यों कहते होंगे?

ख. ऐसे खेलों के नाम बताओ जिनमें **बॉल** (गेंद) का इस्तेमाल करते हैं।

पिट्ठूल ....

8. तुम्हारी समझ से

ठंड से बचने के लिए शेर का बच्चा गोल–मटोल सिमटकर बैठ गया था। तुम्हारे विचार से शेर का बच्चा ठंड से बचने के लिए और क्या–क्या कर सकता था?

9. ठंड से बचना

भालू ने ठंड से बचने के लिए फुटबॉल खेलने की बात सोची। तुम ठंड से बचने के लिए क्या–क्या करते हो ? (✔) का निशान लगाओ।

क. दौड़ लगाते हो।

ख. गर्म कपड़े पहनकर घर में बैठते हो।

ग. रज़ाई ओढ़ते हो।

घ. आग तापते हो।

ङ. ठंडा पानी पीते हो।

च. गर्म पानी में नहाते हो।

छ. गर्म–गर्म चाय पीते हो।

2U6KDQ

ikB 5

prj phd

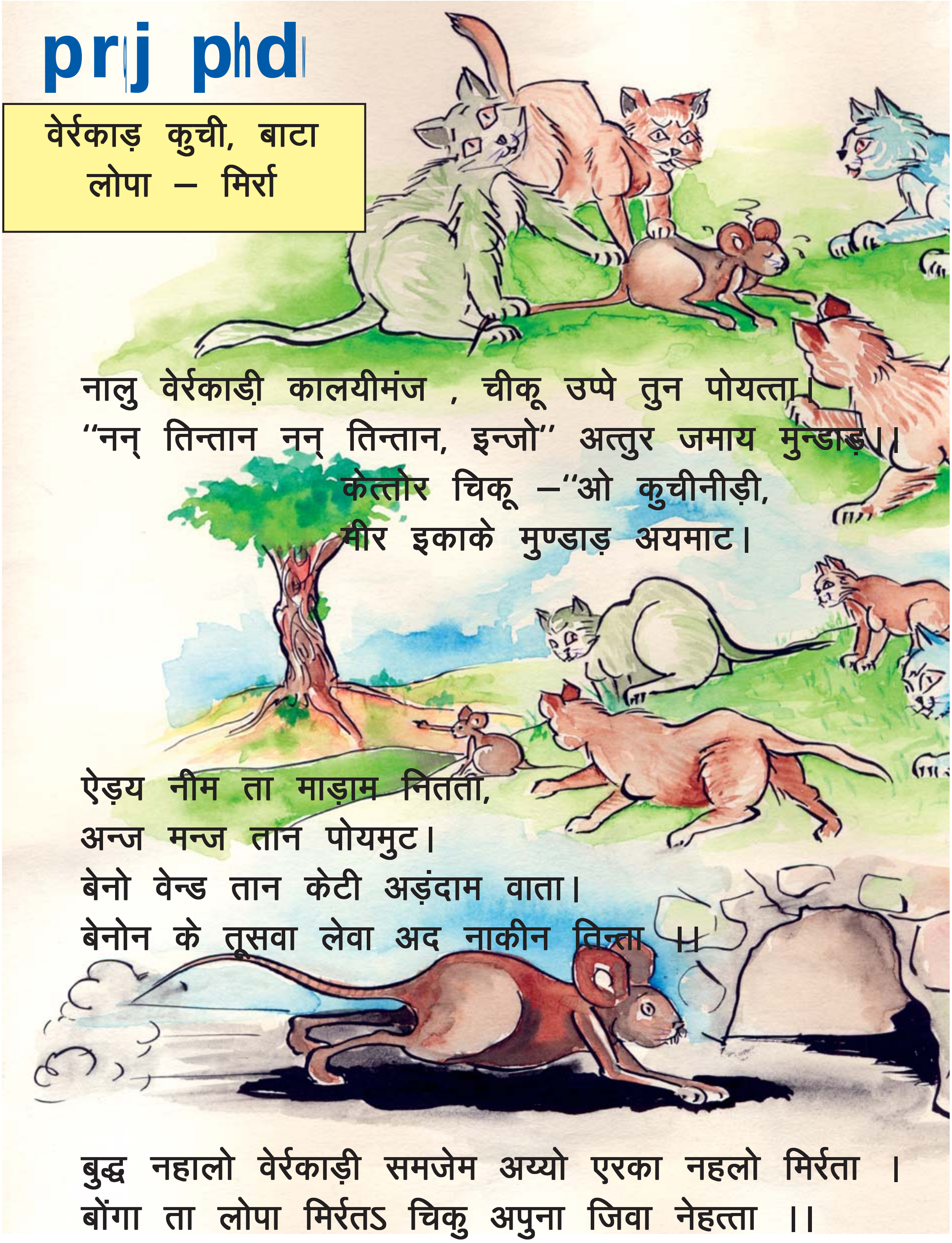

वेर्रकाड़ कुची, बाटा लोपा – मिर्रा

नालु वेर्रकाड़ी कालयीमंज , चीकू उप्पे तुन पोयत्ता।
"नन् तिन्तान नन् तिन्तान, इन्जो" अत्तुर जमाय मुन्डाड़।।
केत्तोर चिकू –"ओ कुचीनीड़ी,
मीर इकाके मुण्डाड़ अयमाट।

ऐड़य नीम ता माड़ाम नितता,
अन्ज मन्ज तान पोयमुट।
बेनो वेन्ड तान केटी अड़ंदाम वाता।
बेनोन के तूसवा लेवा अद नाकीन तिन्ता ।।

बुद्ध नहालो वेर्रकाड़ी समजेम अय्यो एरका नहलो मिर्रता ।
बोंगा ता लोपा मिर्रतऽ चिकु अपुना जिवा नेहत्ता ।।

2UFGFD

ikB 5

pkykd phdw

बिल्ली	मौसी	हिस्सा
अंदर	दौड़	

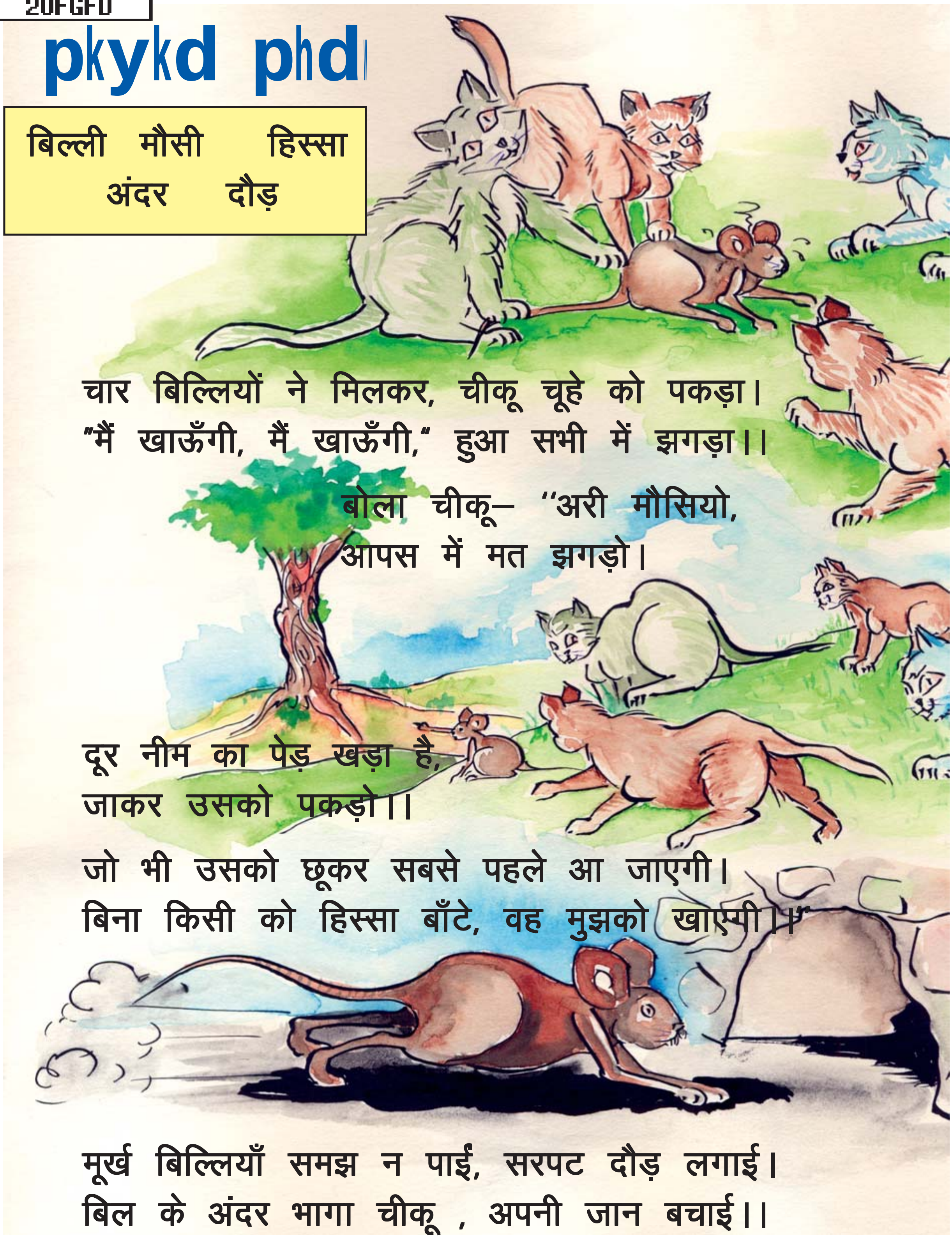

चार बिल्लियों ने मिलकर, चीकू चूहे को पकड़ा।
"मैं खाऊँगी, मैं खाऊँगी," हुआ सभी में झगड़ा।।

बोला चीकू– "अरी मौसियो,
आपस में मत झगड़ो।

दूर नीम का पेड़ खड़ा है,
जाकर उसको पकड़ो।।

जो भी उसको छूकर सबसे पहले आ जाएगी।
बिना किसी को हिस्सा बाँटे, वह मुझको खाएगी।।"

मूर्ख बिल्लियाँ समझ न पाईं, सरपट दौड़ लगाई।
बिल के अंदर भागा चीकू , अपनी जान बचाई।।

शिक्षण संकेत – कविता पठन के पूर्व चूहे तथा बिल्ली के स्वभाव को लेकर बच्चों से बातचीत करें। लय तथा अभिनय के साथ कविता को प्रस्तुत करें। फिर बच्चों से उसी तरह दुहराने को कहें। चूहे की चालाकी के संबंध में बच्चों से प्रश्न करें। अभ्यास माला को पेंसिल से पूरा करवाएँ। उत्तर की जाँच करें। गलत उत्तरों को पुनः सुधारने के लिए कहें। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताएँ।

कर्यकाल

1. लिका कित्ताव माटा न अर्थ मन माटा ते केल्लाट –

वेर्रकाड़, कुची, बाटा, लोपा, उप्पे, मारम

2. पढ़ेममास समझेमायम्।

वेर्रकाड़	–	वेर्रकाड़ी	मुत्ते	–	नरग मुत्तेड़ऽ
तापोड़	–	तापोड़ी.............	डुडी	–	....
आरी	–	....	गिसीड़	–	....

3. कविता ते बेद माटा ते 'ड़' अक्षर वतऽ अद माटातुन आची मंज लिकाकिमुट ।

मिर्रा ______ ____________ ____________

4. वाक्य ते बदलेमताव किन चिन्हा वाटा ।

नन बे दायमुन्तान ?	मन्नाल बे दायमुन्ताल?
निम बे दायमुन्तीन ?	मीर बे दायमुन्तीर?
ओर बे दायमुन्तोर?	ओड़ बे दायमुन्तुर?

5. एरका कीस केल्ला –

1. कविता तुन वेसोड़ ते केन्लाट।
2. उप्पे नु वेर्रकाड़ ते बेद नक्कय चतुर मत्ता?
3. उप्पे वेर्रकाड़िना नेयदालय बाता उआट कीय पर्रत्ता ?

शिक्षण संकेत – कविता पठन के पूर्व चूहे तथा बिल्ली के स्वभाव को लेकर बच्चों से बातचीत करें। लय तथा अभिनय के साथ कविता को प्रस्तुत करें। फिर बच्चों से उसी तरह दुहराने को कहें। चूहे की चालाकी के संबंध में बच्चों से प्रश्न करें। अभ्यास माला को पेंसिल से पूरा करवाएँ। उत्तर की जाँच करें। गलत उत्तरों को पुनः सुधारने के लिए कहें। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताएँ।

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

बिल्ली, मौसी, हिस्सा, अंदर, चूहा, पेड़

2. पढ़ो और समझो।

बिल्ली	–	बिल्लियाँ	नारी	–	नारियाँ
ताली	–	....	लाठी	–	....
आरी	–	....	साड़ी	–	....

3. कविता के जिन शब्दों में 'ड़' वर्ण आया है, उन शब्दों को छाँटकर लिखो।

दौड़ ————— —————————— ——————————

4. वाक्यों में आए परिवर्तन को रेखांकित करो।

<u>मैं</u> कहाँ जा <u>रहा हूँ</u> ?	<u>हम</u> कहाँ जा <u>रहे हैं</u> ?
तुम कहाँ जा रहे हो ?	तुम लोग कहाँ जा रहे हों ?
वह कहाँ जा रहा है ?	वे कहाँ जा रहे हैं ?

5. सोचकर बताओ –

1. कविता को कहानी में सुनाओ ।
2. चूहा और बिल्ली में कौन अधिक चालाक था ?
3. चूहा बिल्लियों से बचने के लिए और क्या तरीका अपना सकता था ?

6. पड़ेम आस समजेम आयमुट।

7. फोटू बनाकिस वेन्डे ताना मैदे लिका किमुट – (वेदय ओण्ड)

वेर्रकाड़, उप्पे, मोलोड़

----

6. पढ़ो और समझो।

7. चित्र बनाओ और उसके बारे में लिखो – (कोई एक)

बिल्ली, चूहा, खरगोश

33F89I

पाठ 6

पेत्ते नू एन

सोंडा मुन्डाड़ इे–आ तुर्रसनेद ऊदा बित्ता मेहकनेद बुद्द

ओण्ड रानी पेत्ते मत्ता। चारा ता मैदे दिनाल गुप्पता अन्नुर । उमके पेत्ते ताना संग अन्नु।

अद गुप्पऽ तेग ओण्ड एन मत्ता। अद् पेयाल पोड़द वेलिसो मन्नूर। बेचुट इद माड़ा तुन उर्रीहनूर। बेचुट अद माड़ा तुन उर्रीहनूर। आदो किन तिन्नुर आदो एसनुर। लाटूम सोन्डा ते एर निहस मंज अवुर एर मिनुर। दुसर जनवर तुन एर ते नाहनूर। जनवर किन वेन्डे अद इ आ तुर्रसनुर। पेत्ते किन काल दे नोहकनूर। जम्मय तान वेर्रयी मन्नू। तान बेनो बाड़ इन्जो केल्लो। एन ते उमकेड आपेत आनूर।

ओण्ड दिना ता माटऽ। रानी पेत्ते एन तीन कालीत्ता। अद केत्ता निम दुसरतोरकीन नक्केय आपेत कीतिन इद ओप्पो।

एन केत्तऽ – कोट्टो मन्न् चुडुला जीवा ओण्ड बित्ता ता माटा। ना मर्जी बेलैय वेन्ड कीय पर्रत्तान।

पाठ 6

चींटी और हाथी

सूँड़ जंग धक्का–मुक्की फूँक बित्ता जुगत अक्ल

एक रानी चींटी थी। भोजन की तलाश में वह रोज जंगल जाती। सभी चींटियाँ उसके साथ जातीं।

उस जंगल में एक हाथी रहता था। वह दिनभर घूमता रहता था। कभी इस पेड़ को तोड़ता, कभी उस पेड़ को तोड़ता। कुछ खाता, कुछ फेंक देता। लंबी सूँड़ में पानी भरता और नहाता। दूसरे जानवरों को पानी से भिगोता। जानवरों से वह धक्का–मुक्की भी करता, चींटियों को मसल देता। सभी उससे डरते थे। उससे कोई कुछ न कहता। हाथी से सभी तंग थे।

एक दिन की बात है। रानी चींटी हाथी से मिली। वह बोली, ''तुम दूसरों को सताते हो, यह ठीक नहीं।''

हाथी बोला, ''चुप रह! छोटी–सी जान, बित्ता भर जुबान। मेरी मर्जी, मैं चाहे जो करूँ।

रानी पेत्ते केत्ता – ''डुव दून केच्चीतान।''
एन कव्स केत्ता।''
डुव दून बाड़ इन्जो केत्तीतीन?
''ओर कोन ना लाव दे मुखिया बनेम अत्तोर।''

रानी पेत्ते कोट्टो अत्ता। अद रोन्डा तग अन्ज मिन्जता। एन इ आ तिर्रयो मत्ता।

रानी पेत्ते किस्क ने ताना सोंडा तग नेंगता। ऐन अपुन वेड़का ते मन्नुर। पेत्ते सोंडा लोपा नेगसोड़े अत्ता।

इंजे रानी पेत्ते ऐन त सोंडा तुन कच्चऽ नेद पोयपी कित्ता। एने परशान आयमुंता। अद जोर–जोर ते सोंडा तुन उक्कनुर। ऊदूनूर। बातय ऊआट काम वावो। रानी पेत्ते कच्चनेद बन्द किवो। ऐन केय पोयपिता।

अचुड़ रानी पेत्ते केत्ता! मजा वत्ता पापा! इन्जे बाढ़ केयमुन्तीन? काकोन मजा वत्ता?'' रानी पेत्ते एन तून कच्चोड़े मन्नूर। एन अड़ता। केत्ता, ''पेत्ते रानी पेत्ते रानी। इन्जे मापी किम मापी किम। इन्जे बेनोने परेशान किवोन। इन्जे बेनोने चुडला मानेम अयोन।'' रानी पेत्ते बिचार कित्ता, ''एन तुन इन्जे बुद्द वत्ता।'' रानी पेत्ते सोंडा तिना पेयहतऽ, गलय केत्ता, एन दादा! एन दादा! दुनिया मिड़िन्ता।'' ऐन सोंडा तुन तेहस ओ इन्जो केत्ता।

शिक्षण संकेत – पाठ में निहित उद्देश्य एवं मूल्य को बच्चों को समझाएँ। अन्य छोटी–छोटी कहानियों से बच्चों में सुनने की क्षमता विकसित करें। स्थानीय परिवेश को ध्यान में रखते हुए कहानी में निहित मूल्यों का ज्ञान कराएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों का अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

रानी चींटी बोली–"शेर जी से कह दूँगी।"
हाथी हँसकर बोला,
"शेर से क्या कहेगी ?
वह मेरे दम पर मुखिया है।"

रानी चींटी चुप हो गई। वह घास में जाकर छिप गई। हाथी इधर– उधर घूम रहा था।

रानी चींटी चुपके से उसकी सूँड़ में घुस गई। हाथी अपनी मौज में था। चींटी सूँड़ के अंदर घुसती ही गई।

अब रानी चींटी ने हाथी की सूँड़ को काटना शुरू किया। हाथी परेशान होने लगा। उसने जोर–जोर–से सूँड़ पटकी। फूँक लगाई। कोई जुगत काम न आई। रानी चींटी ने काटना बंद नहीं किया। हाथी चीख पड़ा।

तब रानी चींटी बोली, "आया मजा बच्चू! अब क्यों रोते हो ? आई नानी याद ?"

रानी चींटी हाथी को काटती रही। हाथी गिर पड़ा। बोला, "चींटी रानी, चींटी रानी! माफ करो, माफ करो। अब किसी को नहीं सताऊँगा। किसी को छोटा न मानूँगा।" रानी चींटी ने सोचा, "हाथी को अब आई अक्ल"। रानी चींटी सूँड़ से बाहर आई; बोली, "हाथी दादा! हाथी दादा! जमाना बदल गया है।"

हाथी ने सूँड़ उठाकर हामी भरी।

शिक्षण संकेत – पाठ में निहित उद्‌देश्य एवं मूल्य को बच्चों को समझाएँ। अन्य छोटी–छोटी कहानियों से बच्चों में सुनने की क्षमता विकसित करें। स्थानीय परिवेश को ध्यान में रखते हुए कहानी में निहित मूल्यों का ज्ञान कराएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों का अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

माटऽ तऽ मतलब

आपेत = सताना
उवाट = जुगत
मन = मर्जी
वेड़का = मौज
माटा = जुबान
ओ इन्जो केत्तनेद = हामी भरना

कर्यकाल

1. इत्ताव माटा न अर्थ अपुन माटा ते केलाट –

सोंडा, मुण्डाड़, तुर्रसनेद, ऊदनद, उवाट, बुद्ध

2. केलाट, बेद–माटा निजाम बेद–माटा गलत मिन्दे –

क. जमय पेत्ते, रानी पेत्तेत संग गुप्पा ता अन्नुर । (––––––)
ख. एन जनवर कीन मया किन्नुर । (––––––)
ग. रानी पेत्ते किस्क ने एन त सोंडा तेग नेंगतऽ । (––––––)
घ. गुप्पा ता जनवर रानी पेत्ते तेना परेशान मत्तऽ। (––––––)

3. उल्टा अर्थ तुन पोड़ेमास समजेम अयमुट –

नल्ला	ओप्पो	लोपा	दुअते
पोर्रो	नेल	दुकाम	सुकाम
नक्कय	चुड्डुन	बिड़िया	चुडला

4. मोदोल इताव माटा ता सहायता माटा तिन पूरा किमुट –

एत	सोंडा	तोका	काल	रेक्का	मुक्कर	पल्ल	कोन्डा

क. किरियाड़ ता .... लालूम मंता।
ख. ऐन ता .... लाटूम मंता।
ग. पिट्टे ता रेण्ड .... मंता।
घ. जनवरी ना नालु .... मंता।
ङ़ नैय दा .... वंगी मंता।
च. एन दा केव .... इना मंता।
छ. एन ता .... बिड़िया – बिड़िया मंता।
ज. एन ता .... चुडला मंता।

शब्दार्थ

सताना	=	तंग करना	मौज	=	मस्ती
जुबान	=	जीभ	जुगत	=	तरकीब, उपाय
मर्जी	=	इच्छा	हामी भरना	=	हाँ कहना

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ–

सूँड़, जंग, धक्का–मुक्की, फूँकना, जुगत, अक्ल

2. बताओ, कौन–सी बात सही और कौन–सी गलत है।

क. सभी चींटियाँ, रानी चींटी के साथ जंगल जाती थीं।(––––––)

ख. हाथी जानवरों से प्यार करता था। (––––––)

ग. रानी चींटी चुपके से हाथी की सूँड़ में घुसी। (––––––)

घ. जंगल के जानवर रानी चींटी से परेशान थे। (––––––)

3. उल्टे अर्थ वाले शब्दों को पढ़ो व समझो –

अच्छा	–	बेकार	भीतर	–	बाहर
ऊपर	–	नीचे	दुखी	–	सुखी
ज्यादा	–	कम	बड़ा	–	छोटा

4. नीचे लिखे शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे करो –

सूपा	सूँड़	पूँछ	पैर	पंख	चोंच	दाँत	आँखें

क. तोते की –––––––––––––– लाल होती है।

ख. हाथी की –––––––––––––– लम्बी होती है।

ग. चिड़िया के दो –––––––––––– होते हैं।

घ. जानवरों के चार –––––––––––– होते हैं।

ङ़ कुत्ते की –––––––––––––––– टेढ़ी होती है।

च. हाथी के कान ––––––––––––– जैसे होते हैं।

छ. हाथी के –––––––––––––––– बड़े–बड़े होते हैं।

ज. हाथी की –––––––––––––––– छोटी होती हैं।

5. पड़िय कीमुट :–

अपुना साट नाव दुसरा चुडला वेसोड़ कक्षा तेग केलाट ।

6. बिचार कीस केलाट –

इंजे मुन्ने पेत्ते नु एन काल्यीमंज इकाके बाता माटा वेहतिता ?

.... |

.... |

.... |

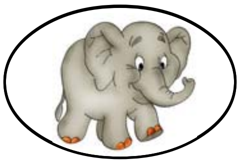
.... |

7. पेत्ते गुप्प तेग बाता–बाता तिंता ? मीर बाता–बाता तिन्तीर?

. . . .

. . . .

. . . .

. . . .

. . . .

5. गतिविधि :–

आसपास की अन्य छोटी कहानियाँ कक्षा में सुनाओ ।

6. सोंचकर बताओ –

अगली बार जब चींटी और हाथी मिलेंगे तो आपस में क्या बातचीत करेंगे ?

.... ।

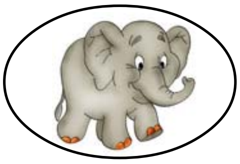

.... ।

.... ।

.... ।

7. चींटी ने जंगल में क्या – क्या खाया होगा ? तुम क्या – क्या खाते हो ?

. . . .

. . . .

. . . .

. . . .

. . . .

8. पेत्ते तुन गुप्प तेग तिन्दलय बाता–बाता दोर्रकता अस्के ताना पेद्दीर लिका कीमुट।

....

....

....

....

9. गुप्प ता पोटू पाड़िमंज रंग निहाट –

8. चींटी को जंगल में खाने के लिए और क्या – क्या मिला होगा, उनके नाम लिखो।

....

....

....

....

9. जंगल का चित्र बनाकर रंग भरो –

33XZCT

पाठ 7

ओन्डय आस मतके लाव

राव– बोडे डोडा नेल कोल्लाड़ पिट्टे पोयतनोर मापी किस्कनेद नासंगतरोर ओरे सायतऽ मूइतोर धरमकित्तिन

गुप्पा तेग ओण्ड राव माड़ाम मत्ता। अद माड़ तेग नक्कय पराल बोडे मन्नूर। पराल बोडे पेयाल–पोड़दिन चारा ता मयदे मेहकलय पार्रयनु। इकाड़ अतके उमके राव माड़ तेग मलसवानु।

ओण्ड दिनऽ, ताऽ माटा मिन्दे। पराल बोडे साड़ो ता मयदे पार्रिता। चुडूर दुराम पारियता पेरके ओण्ड चुडला पराल बोडे केत्ता, ''उड़ा, आ उड़ाट। नेल देग नक्काय साड़ो तोन्दमुन्ता राली मिन्दे।'' जमाय पराल बोडे आ उड़ता। अवीकिन नेल नक्काय साड़ो उड़नत्ता। अव जमने–जमने नेल डिगमुन्ता।

अच्चोवड़देन ओण्ड मुयतऽ पराल बोडे केत्ता–''कोट्टो, कोट्टो। इंजे अगा अनमाट गुप्पतेग इच्चोर साड़ो बेगटीना वत्ता?''

दुसरा पराल बोडे केत्ता – बेगटीना वेन्डे वावी। वराट, जमेय कालयीमंज साड़ो तिन्दकाल। पराल बोडे नेल डिगता। अव साड़ो तिन्द पोयपी कित्ता। मत मुयतऽ बोडे अवी किन संग अन्नो। अद दुरा तिना उड़सो मन्नूर। बोडे पन्जना साड़ो तित्ता। इंजे अव पारियलय आसो मत्ता, मत पार्रय पर्रवो। अव वद्द तेग इर्रकी मन्नु। पराल बोडे केयरोईता, ''बचा किमुट–बचा किमुट, मोम वद्द तेग इर्रकतोम।''

पाठ 7

एकता का बल

पीपल	कबूतर	भोजन	धरती	चिल्लाना	बहेलिया	
क्षमा	इशारा	मित्र	उन्हें	मदद	बूढ़ा	धन्यवाद

जंगल में पीपल का एक पेड़ था। उस पेड़ पर बहुत–से कबूतर रहते थे। कबूतर दिनभर भोजन की खोज में उड़ते रहते। रात होने पर वे सब पीपल के पेड़ पर लौट आते।

एक दिन की बात है। कबूतर भोजन की तलाश में उड़े। थोड़ी दूर उड़ने पर एक छोटा कबूतर बोला, ''देखो, उधर देखो। धरती पर कितना दाना बिखरा पड़ा है।''

सभी कबूतर उधर देखने लगे। उन्हें धरती पर बहुत–सा दाना दिखाई पड़ा। वे धीरे–धीरे नीचे उतरने लगे।

तभी एक बूढ़ा कबूतर बोला, ''ठहरो, ठहरो। अभी वहाँ मत जाओ। जंगल में इतना दाना कहाँ से आया?''

दूसरा कबूतर बोला, ''कहीं से भी आया हो। आओ, हम सब मिलकर दाना चुगें।''

कबूतर धरती पर उतर गए। वे दाना चुगने लगे। पर बूढ़ा कबूतर उनके साथ नहीं गया। वह दूर से ही देखता रहा। कबूतरों ने पेट भर दाना खाया। अब वे उड़ना चाहते थे, पर उड़ न सके। वे जाल में फँस गए थे। कबूतर चिल्लाने लगे, ''बचाओ, बचाओ, हम जाल में फँस गए हैं।''

अच्चोवड़देन ओण्ड पराल बोडे केयता आ उड़ाट। अदू–अदू ओरकोन पिट्टे पोयतनोर। ओर मनकीन पोयतलय वायमुन्तोर।'' मुयतऽ पराल बोडे केत्तऽ वेरीयमाट मीर। जमेय कालीयमंज ओण्डेयदम लाव कीमुट। वद्द पोइस ओण्डेयदम पार्रयाट।''।

जमाय पराल बोडे मिलेमास लाव कित्ता। वद्द चुडुर पोर्रो तेदता पराल बोडे वेंडे चुडुर लाव कित्ता।

इंजे पराल बोडे वद्द तुन अर्रके पार्रयमुन्ता – मुयतऽ पराल बोडे मुन्ने –मुन्ने पार्रयमुन्ता उमके पराल बोडे ताना पेरके मत्ता।

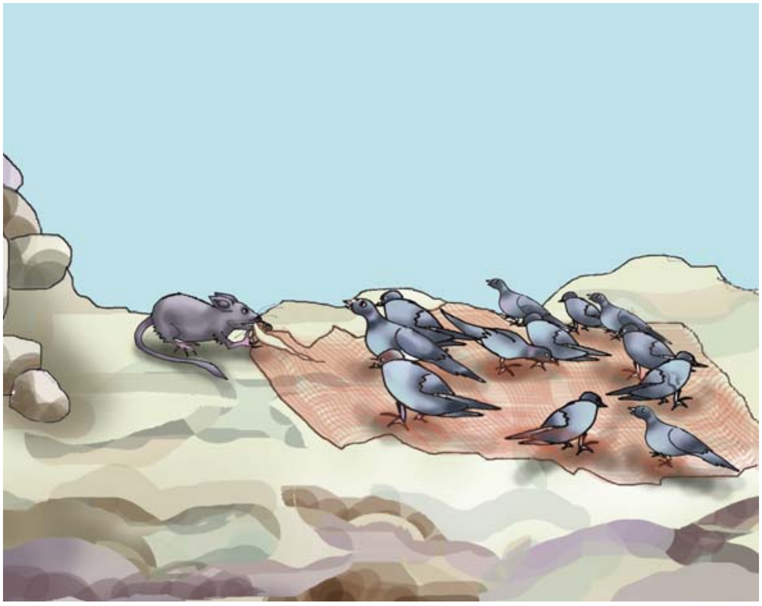

मुयतऽ पराल बोडे अवीकिन वान अर्रके पार्रयीमंज दुराम ओत्तऽ। अद बिंग–बोंग लोत्त तून तोहता। अद केत्ता, ''इगा ओण्ड उप्पे मंता। अद ना गोत्तेद। अद मनवा सयता कीता। इगय डिगाट।''

मुयतऽ पराल बोडे उप्पे तुन करंगतऽ। उप्पे वद्द तून कद्यिता। पराल बोडे वद्द तिना पेयता। अव उप्पे तुन दर्माम कितीन इंजो केत्ता। जमेय पराल बोडे इंजे मुयतऽ पराल बोडे तुन माफी तल्कता वेंडे तान दर्माम कित्तीन इन्जो केत्ता।

शिक्षण संकेत – एकता का अर्थ बच्चों को बताएँ। कक्षा में रखी मेज को किसी एक बच्चे से हटाने को कहें फिर वही मेज उस बच्चे के साथ पाँच अन्य बच्चे मिलकर हटाएँ। बच्चे ने क्या महसूस किया उसे कक्षा के अन्य बच्चों से साझा करवाएँ। एकता की कोई अन्य कहानी कक्षा में सुनाएँ। कठिन भावों को बच्चों की भाषा में स्पष्ट करें।

तभी एक कबूतर चिल्लाया, ''उधर देखो। अरे, अरे, वह तो बहेलिया है। वह हमें पकड़ने आ रहा है।''

बूढ़ा कबूतर बोला, ''घबराओ मत। सब मिलकर जोर लगाओ। जाल को लेकर एक साथ उड़ चलो।''

सभी कबूतरों ने मिलकर जोर लगाया। जाल कुछ ऊँचा उठा तो कबूतरों ने और जोर लगाया।

अब कबूतर जाल लेकर उड़ने लगे। बूढ़ा कबूतर आगे–आगे उड़ रहा था। सब कबूतर उसके पीछे थे।

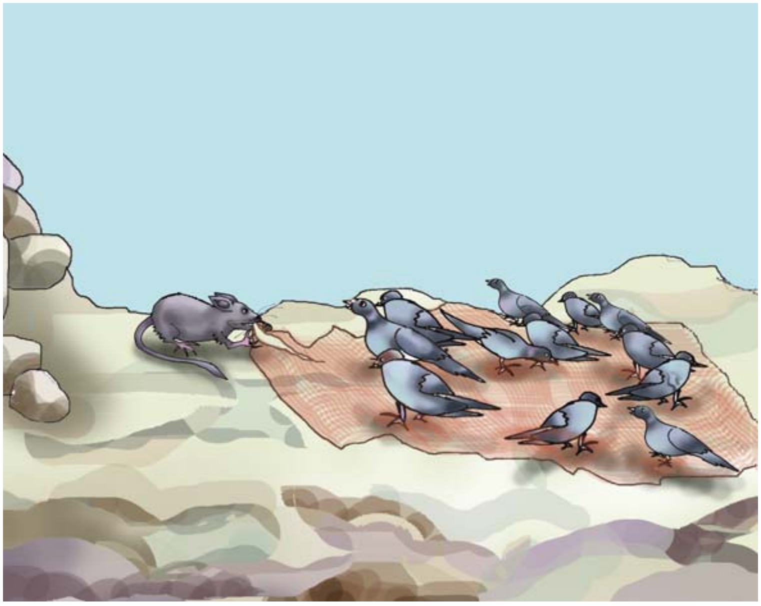

बूढ़ा कबूतर उन्हें लेकर बहुत दूर उड़ गया। उसने एक टूटे–फूटे मकान की तरफ इशारा किया। वह बोला, ''यहाँ एक चूहा रहता है। वह मेरा मित्र है। वह हमारी मदद करेगा। यहीं उतर जाओ।''

बूढ़े कबूतर ने चूहे को बुलाया। चूहे ने जाल काट दिया। कबूतर जाल से निकल आए। उन्होंने चूहे को धन्यवाद दिया। सभी कबूतरों ने अब बूढ़े कबूतर से क्षमा माँगी और उसे धन्यवाद दिया।

शिक्षण संकेत – एकता का अर्थ बच्चों को बताएँ। कक्षा में रखी मेज को किसी एक बच्चे से हटाने को कहें फिर वही मेज उस बच्चे के साथ पाँच अन्य बच्चे मिलकर हटाएँ। बच्चे ने क्या महसूस किया उसे कक्षा के अन्य बच्चों से साझा करवाएँ। एकता की कोई अन्य कहानी कक्षा में सुनाएँ। कठिन भावों को बच्चों की भाषा में स्पष्ट करें।

माटऽ तऽ मतलब

काल = पाँव, मापी = क्षमा, मेहकनद = तलाश, सायता = मदद
मित्र = गोत, बहेलिया = पिट्टे पोयतनोर

कर्यकाल

1. इत्ताव माटा तुन अपुन माटा ते केलाट –

पिट्टे पोयतनोर, मापी, किस्कनद, सायता

2. इत्ताव प्रश्न ता उत्तर केलाट –

क. पराल बोडे बेग्गा मत्ता ?

ख. चुडला पराल बोडे बाता उड़ता ?

ग. मुयतऽ पराल बोडे दुसरा पराल बोडे किन संग बार अन्नो ?

घ. पराल बोडे बाड़पार्रिय पर्रवो ?

ङ. मुयतऽ पराल बोडे सबतुर किन अर्रके बे ओत्ता ?

च. जमेय पराल बोडे मुयतऽ पराल बोडे तुन बाड़ मापी तल्कता?

3. मनवा सायता किनोर बेनोर – बेनोर

डोडा ता मेयदे – ....

जीवता मेयदे – ....

बुद्धता मेयदे – ....

गिसड़ीन मेयदे – ....

4. सही माटा मेहकीमंज (✓) चिहना वाटाट –

(साड़ो, नेल, सायता, मापी, वद्‌द)

क. नर्रगे साड़ो .... तेग राली मत्ता ।

ख. गुप्पा तेग .... इच्चोर बेगाटीना वत्ता ।

ग. पराल बोडे .... तेग इरकता।

घ. उप्पे मनवा .... किता ।

ङ. पराला बोडे मुयतोर पराल बोडे तुन .... तल्कता।

शब्दार्थ

पाँव = पैर, क्षमा = माफी, तलाश = खोज, मदद = सहायता
मित्र = दोस्त, बहेलिया = जाल बिछाकर पक्षियों को पकड़ने वाला।

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

बहेलिया, क्षमा, इशारा, मदद

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. कबूतर कहाँ रहते थे ?

ख. छोटे कबूतर ने क्या देखा ?

ग. बूढ़ा कबूतर दूसरे कबूतरों के साथ क्यों नहीं गया ?

घ. कबूतर क्यों नहीं उड़ सके ?

ङ बूढ़ा कबूतर सबको लेकर कहाँ गया ?

च. सभी कबूतरों ने बूढ़े कबूतर से क्षमा क्यों माँगी ?

3. हमारे मददगार कौन – कौन हैं –

भोजन के लिए – ....

स्वास्थ्य के लिए – ....

शिक्षा के लिए – ....

कपड़ों के लिए – ....

4. सही शब्द चुनकर ✓ का निशान लगाओ।

(दाना, धरती, मदद, क्षमा, जाल)

क. बहुत–सा दाना ––––––––– पर बिखरा था। (धरती, आसमान)

ख. जंगल में इतना ––––––––– कहाँ से आया ? (दाना, खाना)

ग. कबूतर ––––––––– में फँस गए। (जाल, कीचड़)

घ. चूहा हमारी ––––––––– करेगा। (मदद, दया)

ङ कबूतरों ने बूढ़े कबूतर से –––––––– माँगी। (क्षमा, सहायता)

5. ड़, ढ़, त्र, क्ष, अक्षर ते बनेमअत्तेद ओण्ड–ओण्ड माटा मेहकीमंज लिका कीमुट।

_________ _________ _________ _________

6. सही मिला कीसा माटा बना कीस केल्ला –

क.	बोडे	–	जाल दून देहत्ता।
ख.	उप्पे	–	मुन्ने–मुन्ने पार्रयोमत्तऽ।
ग.	पराल बोडे	–	राव माड़ा तेग मत्ता।
घ.	मुयतऽ पराल बोडे	–	उप्पे तुन धन्यवाद इत्ता।

7. पड़ेम आस समजेम अयमूट– इत्ताव माटा नाल्केन माटा माड़ी लिका कीमूट –

मुयतऽ	–	मुयतोर	–	मुयतोरोड़ी
उप्पे	–	_______	–	_______
गाड़्द	–	_______	–	_______
गुर्राम	–	_______	–	_______

8. इत्तेद पोटू किन चिता कीस माटा बना किमुट –

पराल बोडे माड़ा तेग मंता ।

पराल बोडे ....तिन्ता ।

....

....

....

5. ड़, ढ़, त्र, क्ष वर्णों से बने एक–एक शब्द खोजकर लिखो।

————————— ————————— ————————— —————————

6. सही मिलान कर वाक्य बनाओ और बोलो –

क.	कबूतर	–	जाल काट दिया।
ख.	चूहे ने	–	आगे–आगे उड़ रहा था।
ग.	कबूतरों ने	–	पीपल के पेड़ पर रहते थे।
घ.	बूढ़ा कबूतर	–	चूहे को धन्यवाद दिया।

7. पढ़ो और समझो। दिए गए शब्दों के अनुसार शब्द बनाकर लिखो।

बूढ़ा	–	बूढ़े	–	बूढ़ों
चूहा	–	———————	–	———————
गधा	–	———————	–	———————
घोड़ा	–	———————	–	———————

8. दिए गए चित्र को पहचानकर वाक्य बनाओ –

कबूतर पेड़ पर रहता है ।

कबूतर .... चुगता है ।

....

....

....

9. इत्तेद पोटू तून वेहसमंज वेसोड़ बना कीमुट ।

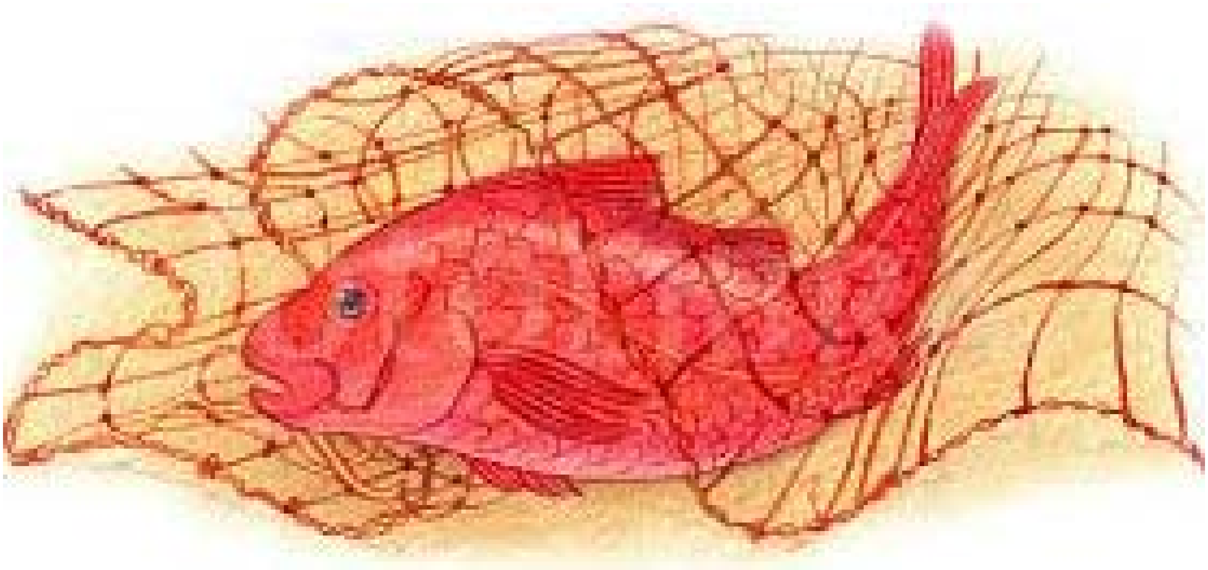

9. दिए गए चित्र पर चर्चा कर कहानी बनाओ।

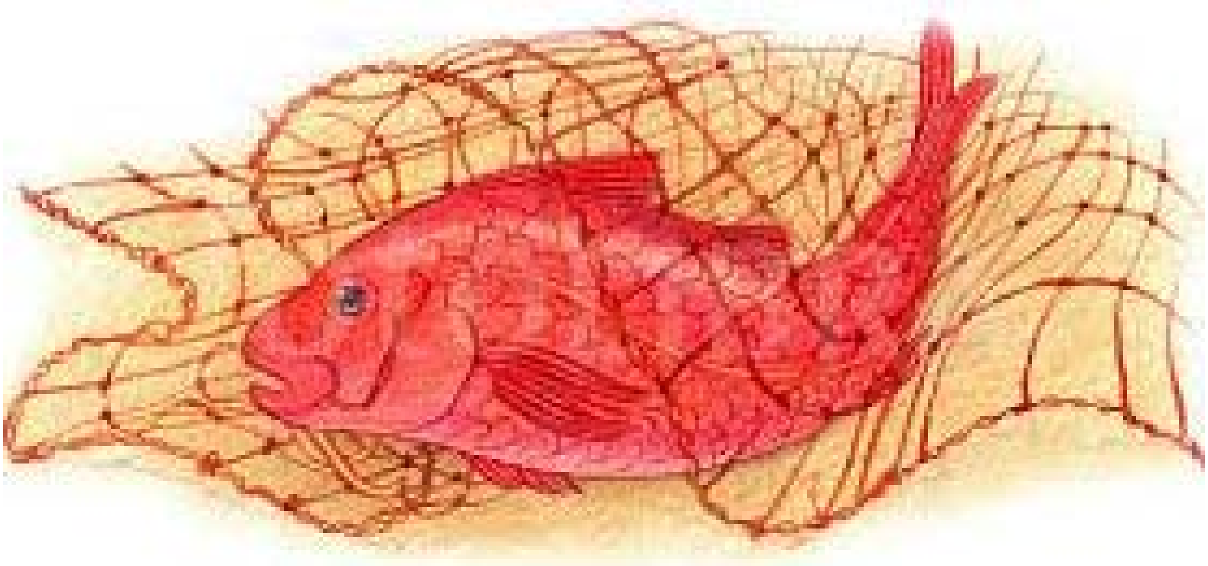

34GRG4

पाठ 8

बेनो ?

लें ज, एर उण्डावहता, मुसमुस कवदनद,पूचा, एडतऽ , बिमुल विल्ल

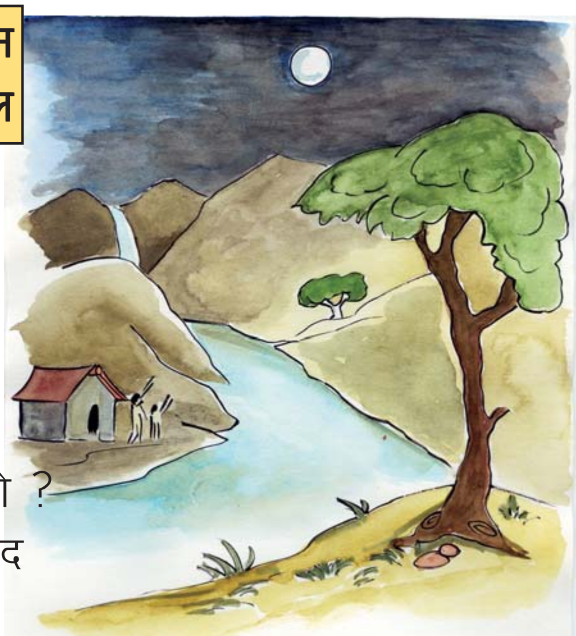

अगर इल्वामनेर लेंज, नर्रका
मनकीन अर्र तोहेर बेनो ?
अगर इल्वामनेर पोड़्द, पेयाल
सोनतलेक मिड़की किवेर बेनो ?
अगर इल्वामनेर एड़ताव कुय्ये
दुन्यतऽ एर उण्डनद इवेर बेनो ?
अगर इल्वामनेर मेट्टा, मिंगतेद
तोंग नल्ला डिप्पेर बेनो ?

अगर इल्वामनेर मर्राक, नल्ला वेण्डे
मारा मेट्टा तून निहे्र बेनो ?
अगर इल्वामनेर पुंगार केल्ला,
पुय्स–पुय्स मुसमुस कव्वेर बेनो ?

अगर इल्वामनेर मोय्योल, पोबोन ते
विमुल विल्ल पाड़ेर बेनो ?
अगर इल्वामनेलऽ मनाल जमेय तो केल्ला,
इव जम्मा माटा तेहेर बेनो ?

शिक्षण संकेत – लयबद्ध कविता पाठ करें और बच्चों को दुहराने को कहें। पहाड़, नदी, झरने, पेड़–पौधे, आदि पर चर्चा कर बच्चों को पर्यावरण की सरल छोटी–छोटी बातों से अवगत कराएँ। उनकी भाषा में कविता का अर्थ बताएँ एवं कठिन शब्दों के अर्थ से भी परिचित कराएँ।

पाठ 8

कौन ?

चाँद	प्यास	मुस्काता
प्रश्न	निर्मल	इन्द्रधनुष

अगर न होता चाँद, रात में
हमको दिशा दिखाता कौन ?
अगर न होता सूरज, दिन को
सोने–सा चमकाता कौन ?
अगर न होतीं निर्मल नदियाँ
जग की प्यास बुझाता कौन ?
अगर न होते पर्वत, मीठे
झरने भला बहाता कौन ?

अगर न होते पेड़, भला फिर
हरियाली फैलाता कौन ?
अगर न होते फूल बताओ,
खिल–खिलकर मुस्काता कौन ?
अगर न होते बादल, नभ में
इंद्रधनुष रच पाता कौन ?
अगर न होते हम, तो बोलो,
ये सब प्रश्न उठाता कौन ?

शिक्षण संकेत – लयबद्ध कविता पाठ करें और बच्चों को दुहराने को कहें। पहाड़, नदी, झरने, पेड़–पौधे, आदि पर चर्चा कर बच्चों को पर्यावरण की सरल छोटी–छोटी बातों से अवगत कराएँ। उनकी भाषा में कविता का अर्थ बताएँ एवं कठिन शब्दों के अर्थ से भी परिचित कराएँ।

माटऽ तऽ मतलब

पोबोन = नभ
दुन्या = जग
मेट्टा = पर्वत
माटऽ = प्रश्न
चर्रतिरयी जाबुर–जाबुर मंदाना = हरियाली
माच लेवा, सपा = निर्मल

कर्यकाल

1. इग्गा इत्ताव माटा नाव मतलप अपुना माटा ते केल्लाट

(पोबोन), पर्वत (मेट्टा), निर्मल (एड्तेद), हरियाली (चर्रतिरयी जाबुर–जाबुर मंदानद), मिट्टी (तोड़्य)

2. समजेम आस ओण्ड–ओण्ड माटा ते वाक्य लिका किमुट ।

क. बेद नर्रका लेंज पेयवह मंता, अद नर्रका बेले आता ?

____

ख. पेयाल मनकीन बापड़े वेह्स दोर्रकितऽ ?

____

ग. चर्र तिरयी जाबुर–जाबुर मंदानेद बेविनाकेड़ तोन्दीता ?

____

घ. बिमुल–विल्ल देग बेच्क रंग मन्ता ?

____

3. अगर मिकिन इद कविता त पेद्दीर बदला कियनीन केतके निम्म बाता पेद्दीर वाटितिन अवुर बार ?

4. बाले निम्म बिमुल – विल्ल बेचुड़ उड़तिन ? उड़तिन बेहे निकिन बेद्–बेद् रंग तोंदीता, केल्ला ।

शब्दार्थ

नभ	=	आकाश	जग	=	दुनिया, संसार
पर्वत	=	पहाड़	प्रश्न	=	सवाल
हरियाली	=	चारों ओर हरे–भरे, पेड़–पौधों का होना			
निर्मल	=	बिना मैल का, स्वच्छ, साफ			

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

नभ, पर्वत, निर्मल, हरियाली, मिट्टी

2. समझकर एक–एक वाक्य में उत्तर लिखो।

क. जिस रात चाँद नहीं निकलता, वह रात कैसी लगती है?

____

ख. दिन में उजाला हमें किससे मिलता है ?

____

ग. हरियाली किनके कारण दिखाई पड़ती है ?

____

घ. इंद्रधनुष में कितने रंग होते हैं ?

____

3. अगर तुम्हें इस कविता का नाम बदलने को कहे तो तुम क्या नाम दोगे और क्यों?

4. क्या तुमने इन्द्रधनुष कभी देखा है ? देखा है तो तुम्हे कौन – कौन से रंग दिखाई देते हैं, बताओ ।

5. पोटू बना कीस रंग निहा –

(माराम, मेट्टा, पोड़्द, कुय्येर, पुंगार, बिमुलविल्ल)

5. चित्र बनाकर रंग भरो –

(पेड़, पर्वत, सूरज, नदी, फूल, इंद्रधनुष)

34ZIJE

पाठ 9

तोड़्य

तोड़्य, बोट्‌ट, गम–गम, सोबऽ, रंग–रंगता, पुतला, नलोटा, मोलऽ

नार, कोर, वेडा न तोड़्य
दुवते तोड़्य, लोन ते तोड़्य ।
टप–टप, टप–टप बोट्‌ट अर्रके ,
नक्का नल्ला गब्ब गम–गम तोड़्य ।।

तोड़्य दे लोक बनेम अत्ता बेचके,
तोड़्य तेग इव नित्तता बेचके ।
सोबाता पुंगार पुयपी कीतऽ तोड़्य ,
सोब्बेतूरा बोजा तेह्तिता तोड़्य ।।

गमला, कुण्डा माल्यता नल्ला,
रंग–रंग त बनेम अत्ता पुतला।
बातेय वेण्ड मोलऽ पोय्यो तोड़्य
आलचाट बाता–बाता ईतऽ तोड़्य ।।

शिक्षण संकेत :– कविता का सस्वर वाचन करें एवं बच्चों को दुहराने के लिए कहें। कविता में आए अपरिचित शब्दों का अपनी भाषा में अर्थ बताएँ। अभ्यास के प्रश्नों में दिए गए निर्देशों को पढ़कर बच्चों को समझाएँ व अभ्यास के प्रश्नों को पेंसिल से हल करवाएँ।

359EL2

पाठ 9

मिट्टी

मिट्टी, बूँद, सोंधी–सोंधी, सुंदर, रंग–बिरंगे, खिलौने, सलोने, मोल

गाँव, गली, खेतों में मिट्टी
बाहर मिट्टी, घर में मिट्टी।
टप–टप, टप–टप बूँद पड़ी तो,
महकी सोंधी–सोंधी मिट्टी।।

मिट्टी से घर बने हैं कितने,
मिट्टी पर वे खड़े हैं कितने।
सुंदर फूल खिलाती मिट्टी,
सबका बोझ उठाती मिट्टी।।

गमले, मटके सजे सलोने,
रंग–बिरंगे बने खिलौने।
कुछ भी मोल न लेती मिट्टी,
सोचो क्या–क्या देती मिट्टी।।

शिक्षण संकेत :– कविता का सस्वर वाचन करें एवं बच्चों को दुहराने के लिए कहें। कविता में आए अपरिचित शब्दों का अपनी भाषा में अर्थ बताएँ। अभ्यास के प्रश्नों में दिए गए निर्देशों को पढ़कर बच्चों को समझाएँ व अभ्यास के प्रश्नों को पेंसिल से हल करवाएँ।

बाले बेद्दे वेण्ड तोड्य दे पुतला पाड़ा पर्रनाता?

मोनू अवुर जय मंडय तेग अत्तुर। मंडेय तेग सोबऽ–सोबऽ ताव पुतला उड़तूर। लोन वास उर वेण्डे पुतला पाड़निन उवाट कित्तुर। लोत्तऽ मुन्ने पर्रपा तोड्य मत्ता। उर इर्रविलहसो पर्रपा तोड्य दे पुतला माड़ा पोयपी कित्तुर। मति पर्रपा तोड्य दे पुतला बनेय अय्यो। पर्रपा तोड्य देग मिन्जतेद बालो पय लंगीमंज केतऽ – ''अरे, मोनू ! इद तोड्य दे पुतला बनेम अय्यो। दाट, मनाल बेग्गेय नलोड़ा तोड्य मेहकऽकाल। '' उच्चून दुराम ते ओण्ड लोन बनेम आसो मत्तऽ। मुन्ने उस्को तऽ दिब्बऽ मत्तऽ। मोनू, जय अवुर बालो नून पुतला पाड़ालय उस्को तेग एर तोस्तुर। उस्को तगटीना एर पेयऽतऽ। उस्को तेग मिंजतेद गुमाम केत्तऽ, ''जय दादा ! इद कोन उस्को, इवड़े पुतला बनेम अय्यो।'' अगेय ओण्ड एरे पुड्य तरवो मत्तऽ। अद गोयसो रे वत्ता अवुर पापे कोड़ऽस केत्तऽ, ''मोनू नानो! कुयेर त तोड्य द पुतला नल्ला बनेम आता।'' जमेय कुय्ये उटुल त तोड्य काततुर। तोड्य तेगा त रोण्डा पेपी कित्तुर, तोड्य जमऽ कित्तुर। जमेय मिलेम आस पुतला माड़तुर।

माटऽ तऽ मतलब

नल्ला	=	सुंदर	मोलऽ	=	मोल

वत्ततेद तोड्य तग एर अर्रके गम–गम एर्रसकनद गब्ब = सोंधी–सोंधी

कर्यकाल

1. इगऽ इत्ताव माटा न जवाप अपुना माटऽ ते केल्लाट –

क. तोड्य दे बातऽ–बातऽ चीजी बनेम आता ?

ख. पुतला बेद्–बेद् समान ते बनेम आता ?

2. दोड़ लिका इत्तेद माटा किन पड़ेम अयम अवुर लिका कीम ।

गाँव	–	..........................।	मिट्टी	–	............................।
सोंधी	–	...........................।	सुंदर	–	...........................।
रंग–बिरंगे	–	.........................।	सलोने	–	...........................।

3. पड़ेम अयम अवुर समजेम आस लिकाकीमूट –

गाँव	–	पाँव, छाँव, ..., ...	फूल	–	.... ,..........
महकी	–	.... ,..........	खिलाती	–	.... ,..........
गली	–	.... ,..........			

क्या किसी भी मिट्टी से खिलौने बनाए जा सकते हैं?

मोनू और जय मेले में गए। मेले में उन्होंने सुंदर–सुंदर खिलौने देखे। घर आकर उन्होंने भी खिलौने बनाने चाहे। घर के सामने मुरम पड़ी थी। वे दोनों मुरम के खिलौने बनाने लगे। पर मुरम के खिलौने नहीं बने। मुरम में छिपी मकड़ी ने उचककर कहा, ''अरे, मोनू! इस मिट्टी के खिलौने नहीं बनेंगे। चलो, हम कहीं अच्छी मिट्टी ढूँढ़ते हैं।'' थोड़ी दूर एक मकान बन रहा था। सामने रेत का ढेर लगा था। मोनू, जय और मकड़ी ने खिलौने बनाने के लिए रेत में पानी डाला। रेत में से पानी बह गया। रेत में छिपे घोंघे ने कहा, ''जय भैया! यह तो रेत है, इसके खिलौने नहीं बनेंगे।'' वहीं एक केंचुआ मिट्टी खोद रहा था। वह रेंगता हुआ आया और गर्दन मटकाकर बोला, ''मोनू दीदी! नदी की मिट्टी के खिलौने अच्छे बनेंगे।'' सबने नदी के किनारे की मिट्टी खोदी। मिट्टी में से घास निकाली, मिट्टी इकट्ठी की। सबने मिलकर खिलौने बनाए।

शब्दार्थ

सलोने = सुंदर, मोल = मूल्य

सोंधी–सोंधी = सूखी मिट्टी पर पानी पड़ने से उठने वाली सुगंध

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी भाषा में बताओ –

क. मिट्टी से क्या–क्या चीजें बनती हैं?

ख. खिलौने किन–किन चीजों से बनते हैं?

2. नीचे लिखे शब्दों को पढ़ो और लिखो।

गाँव	– .... ।	मिट्टी	– .... ।
सोंधी	– .... ।	सुंदर	– .... ।
रंग–बिरंगे	– .... ।	सलोने	– .... ।

3. पढ़ो और समझकर लिखो –

गाँव	– पाँव, छाँव, ..., ...	फूल	– .... ,..........
महकी	– .... ,..........	खिलाती	– .... ,..........
गली	– .... ,..........		

4. तोड़य तच्च पुतला पाड़ाट, बेलेइतके – गाडऽ, बेलन, कस्लऽ, गिलास आदि।

वत्के अविकीन रंग ओकी अपुना कक्षऽ तेग माल्यीकुमुट।

5. इग्गऽ इत्ताव डेरा नेग पिल्लाकिन ओस मंज अगटा तोड़्य जमऽ किया केत्तानेद अवुर अविना अंतर त सेंगा चरचा किया केलाट।

1. वंजीनऽ वेडा 2. बट्ट 3. कुये उटूल

वंजीनऽ वेडा	बट्ट	कुये उटूल

4. मिट्टी लाकर खिलौने बनाओ, जैसे– चक्का, बेलन, लोटा, गिलास, आदि। सूख जाने पर उन्हें रँगो और अपनी कक्षा में सजाओ।

5. निम्नलिखित स्थानों पर बच्चों को ले जाकर वहाँ की मिट्टी एकत्र करवाएँ और उनके अंतर के बारे में चर्चा कराएँ–

1. धान का खेत   2. मैदान   3. नदी किनारे

धान का खेत	मैदान	नदी किनारे

35IAMP

पाठ 10

नकेय अतऽ

बुरदऽ, बोरियत, किरयाड़, दुआ, कोट्टो

मोय्योल दादा
नकेय अतऽ !
बुरदऽ–बुरदऽ
एर एर,

एरकऽ जमयतुर किन
वतऽ काको,
उमके लोन
पेय्याल नरकऽ वेड़तऽ ।

दातोम बे ।
बेग्गऽ कर्रसीतोम ?
लोत्त तेग इर्रकतोम
बोरियत आयमुन्तोम ।
बेलेकोट आले पिंजड़ तग
कोट्टो मंतऽ किरयाड़ ।

पोड़द दादाल एद तोहऽ
तर्री कुय्येर माड़ग ताले अन,
निम वेन्ड दादा कीम दुआ ।

शिक्षण संकेत – लयबद्ध कविता पाठ करें और बच्चों को दुहराने को कहें। बरसात के मौसम और उस समय होने वाली परिवर्तनों पर चर्चा करें। उनकी भाषा में कविता का अर्थ बताएँ एवं कठिन शब्दों के अर्थ से भी परिचित कराएँ।

पाठ 10

बहुत हुआ

3556PC

कीचड़, बोरियत, सुआ, दुआ, मौन

बादल भइया
बहुत हुआ !
कीचड़–कीचड़
पानी पानी,

याद सभी को
आई नानी,
सारा घर
दिन रात चुआ।

जाएँ कहाँ !
कहाँ पर खेलें ?
घर में फँसे
बोरियत झेलें।
ज्यों पिंजरे में
मौन सुआ।

सूरज दादा
धूप खिलाएँ,
ताल नदी
सड़कों से जाएँ,
तुम भी भैया
करो दुआ !

शिक्षण संकेत – लयबद्ध कविता पाठ करें और बच्चों को दुहराने को कहें। बरसात के मौसम और उस समय होने वाली परिवर्तनों पर चर्चा करें। उनकी भाषा में कविता का अर्थ बताएँ एवं कठिन शब्दों के अर्थ से भी परिचित कराएँ।

माटऽ तऽ मतलब

कोट्टो	=	मौन	किर्रयाड	=	सुआ
एर्रव	=	ताल	पोड़द	=	सूर्य

कर्यकाल

1. मुसुर कालाम इतके मी मनते बातऽ–बातऽ माटा वाता ? एरकऽ कीमुट आर लिका कीमुट।

....

....

....

2. बेचूट नक्केय जोर दे मुसुर वायऽ पोइपी कितके अचूट मीर बेग्गऽ कर्रसीतीर ? बातऽ–बातऽ केल कर्रसीतीर ?

....

....

....

3. बेचूट नक्केय जोर दे मुसुर वातऽ अचूट मी लोन बोक्कते–बोक्कते बेले तोंदितऽ ?

4. मुसुर कालाम नक्केय मुसुर वातऽ। अद उमके मुसुर एर बेग्गऽ–बेग्गऽ दातऽ ?

5. इव जमेय मुसुर ते बचेमायनिन बातऽ कीता ? केल्लाट –

– मानी
– पर्राल बोडे
– एड़े
– नय
– कीके
– मल

6. **नक्केय अतऽ !**

बिड़युर मानी ईले बेचुट केत्तितूर –
नक्केय अतऽ, इन्जे कोट्टो उद्दाट !

क. बेचुट मन्नाल...

ख. नक्केय अतऽ इन्जे लोपऽ दाट !

शब्दार्थ

मौन	=	शांत, चुप	सुआ	=	तोता
ताल	=	तालाब	सूरज	=	सूर्य

अभ्यास

1. बारिश कहने पर तुम्हारे मन में कौन–कौन से शब्द आते हैं? सोचो और लिखो।

....

....

....

2. जब बहुत बारिश होने लगती है तब तुम कहाँ खेलते हो? कौन–कौन से खेल खेलते हो?

....

....

....

3. जब खूब तेज़ बारिश होती है तो तुम्हारे घर के आसपास कैसा दिखाई देता है?

4. बारिश में खूब पानी बरसता है। यह सब पानी कहाँ–कहाँ जाता है?

5. ये सब बारिश से बचने के लिए क्या करेंगे? बताओ –

– लोग
– कबूतर
– केंचुआ
– कुत्ता
– मछली
– मोर

6. बहुत हुआ !

बड़े लोग ऐसा कब कहते हैं –

बहुत हुआ, अब चुपचाप बैठो !

क. जब हम ....

ख. बहुत हुआ, अब अंदर चलो !

बेचुट मन्नाल...

ग. नक्केय अतऽ, इन्जे गूड़िया !
बेचुट मन्नाल ....

घ. नक्केय अतऽ, इन्जे टी. वी. बंद कीम !
बेचुट मन्नाल ....

7. कविता तीना

कविता नग ईंले बार केत्तूर अस्के?

क. जोर दे मुसुर वतके माड़ग कुय्येर बनेम आता ।

ख. गुल्लय चिकलऽ बुरदऽ अतके काकोन एरकऽ वातऽ।

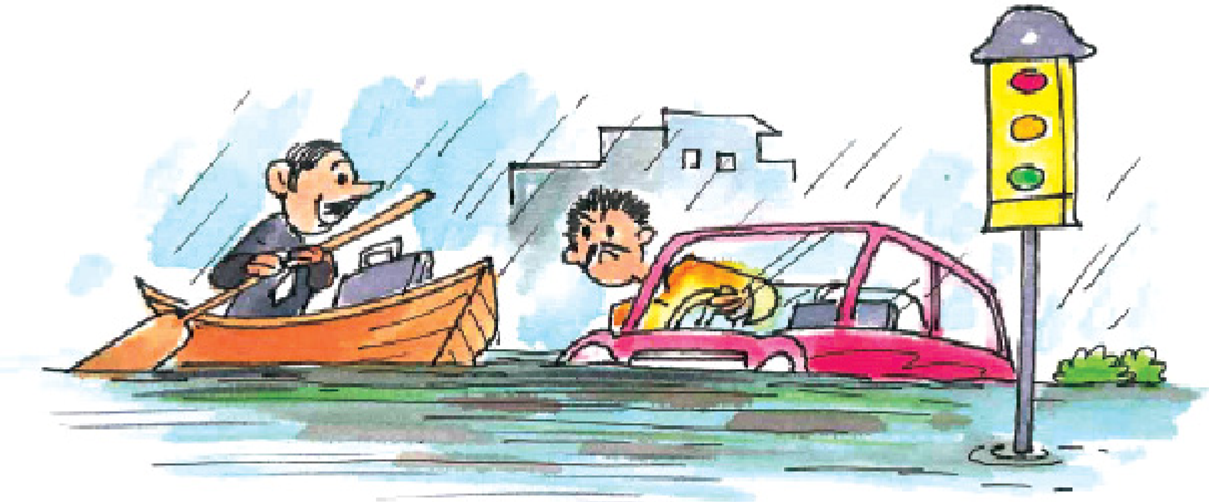

8. इन्जे मुसुर डिग्गोन !

ओण्ड दिनऽ मोटयोल एरकऽ, कितऽ नन इन्जे बेन्टीन वेन्डे मुसुर डिप्पोन । बेचुट नन् मुसुर डिप्पीतान अचूट वेन्डे मानी नाकिनऽ पेर्रलीतूर । बेचुट नन् मुसुर अरहोन अचो वड़दे वेन्डे नाकिन पेर्रलीतूर। नेट तीना मुसुर अरहतनेद अय्यो। वेन्डे बाले आतऽ अस्के ? वेसोड़ तुन अब्बाड़ केल्लाट।

जब हम ....

ग. बहुत हुआ, अब सो जाओ!
जब हम ....

घ. बहुत हुआ, अब टी.वी. बंद करो!
जब हम ....

7. कविता से

कविता में ऐसा क्यों कहा गया होगा?

क. तेज़ बारिश होने पर सड़कें नदी बन जाती हैं।
ख. सब ओर कीचड़ होने पर नानी याद आती है।

8. अब नहीं बरसूँगा!

एक दिन बादल ने सोचा, मैं अब कभी नहीं बरसूँगा। जब मैं बरसता हूँ तब भी लोग मेरी बुराई करते हैं। जब नहीं बरसता हूँ तब भी मेरी बुराई करते हैं। आज से बरसना बिल्कुल बंद। फिर क्या हुआ होगा ? कहानी को आगे बढ़ाओ।

9. मीवा पुत्ताव माटा केल्लाट –

1. बाले मीर मुसुर कालाम कागेत ता ओडा माड़ी मंज एर देग नाड़प कित्तीर। कागेत ता ओण्ड ओडऽ माड़ाट।
2. मुसुर कालाम एर देग नांदके बेले लगेमातऽ ?
3. मीकिन नेकाय नेल्लऽ बेद कालाम मन वेयतितऽ । आर बार ?
4. मुसुर काला तऽ कविता मेहकी मंज कक्षा तेग केल्लाट ।

9. अपने अनुभव बताओ –

1. क्या तुमने बारिश के दिनों में कागज की नाव बनाकर पानी में तैराई हैं। कागज की एक नाव बनाओं।
2. बारिश के दिनों में पानी में भीगना कैसा लगता है?
3. आपको सबसे अच्छा मौसम कौन–सा लगता है। और क्यों?
4. बारिश से संबंधित कविताएँ ढूँढकर कक्षा में सुनाओं?

3622QZ

पाठ 11

मंडई–मेला

ईचाड़	केयनेद	मोहरी
मंगल	पुग्गा	मुश्किल

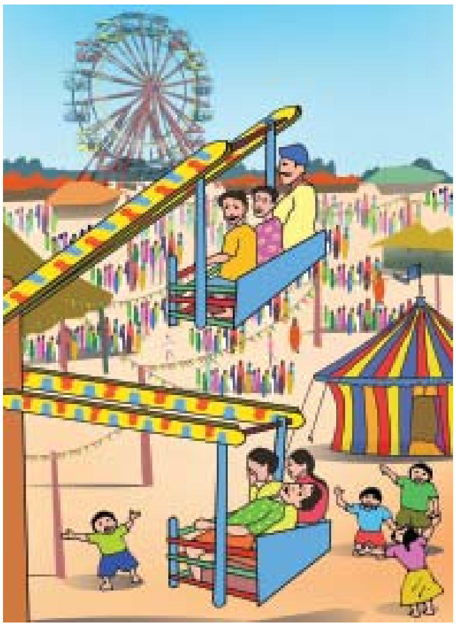

नेंड मा नार्रदेग मड़ई आयमुन्तऽ। बुधिया, सुकवारो आर संगीता नेंड नर्रकोतिना दायनीन मयदेन तियार मिंदे। चैतू, मंगल आर समारु वेंड निय ओकी ईचाड़ इड़सी मंज तियार मिंदेर। जमय पिल्ला डोडऽ तिंज मंडई उड़ानीन मेयदेन अत्तोर।

ओर मंडई बोक्ते एवतोर अगऽ ओरकीन रहॅचुली त लेंग वानुर। उबय–उबय अंजमन जमय मंडई तेगऽ ऐव्तोड़। जमय ऊयाल्क बोकते अंजमन लईन तेगऽ नित्ततूर। बेले ते ऊयाल नित्त त उद्द नीन लंग्गतूर। उद त पेरके ऊयाल चालु अत्तऽ। पिल्ला वेड़कते केय पोईपिकित्तूर। समारु निम नकेय वेर्रतऽ वय्यस मत्तऽ। ओर तन मुकूम तून मिस्तोर।

जमय उयाल्क उगींमज अगाटीना मुन्ने अत्तुर। अचवड़देन डफड़ा सिहना अवुर मोहरी, डोल नेकता। जमय आस वेड़कतेन कोलार अत्तुर, मंडई वत्ता मंडई वत्ता।

सोबता, रंग – रंग ता गिसडी अवुर पुंगार आर सजे कोपा मानीरा मुल तोंदता। जमय मानी डोल लेंग केंजी एन्दो–एन्दो मुन्ने अत्तोर।

कोपा ना सियान कैयदे मंडई मतऽ कोपा मानी इद नारदेगा परघा कीस मंडई तेगऽ ततोर। मंडई तेगा उर्रसकी मंज मानी माना कीनूर। कोपा ना ऐन्दा नेद डोल नेकी मनूर ईंजे मंडई तेगऽ मुल निंदी मनूर।

पाठ 11

मड़ई–मेला

कंघी	चिल्लाना	मोहरी
मंगल	फुग्गा	मुश्किल

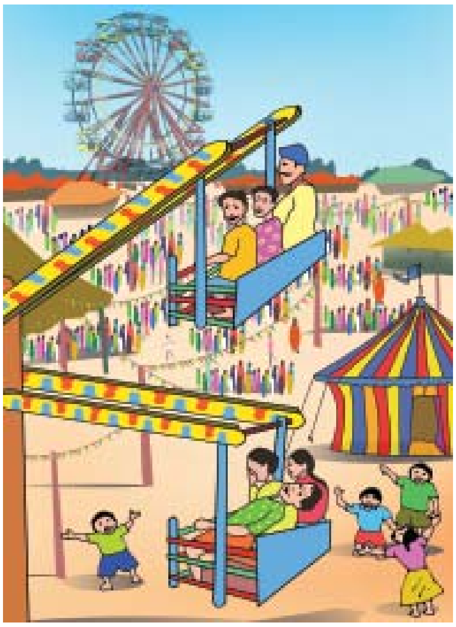

आज हमारे गाँव में मड़ई–मेला है। बुधिया, सुकवारो और संगीता आज सुबह से ही मेले में जाने के लिए तैयार हैं। चैतू, मंगल और समारू भी तेल, कंघी कर तैयार हैं। सभी बच्चे खाना खाकर मेला देखने चल पड़े।

वे मेले के करीब पहुँचे तभी उन्हें रहँचुली की आवाज सुनाई पड़ने लगी। जल्दी–जल्दी चलकर सब मेले में पहुँचे। सभी झूले के पास जाकर डट गए। जैसे ही झूला रुका सभी बच्चे बैठने के लिए कूद पड़े। बैठ जाने के बाद झूला शुरू हुआ। बच्चे खुशी से चिल्लाने लगे। समारू को बहुत डर लग रहा था। उसने अपना मुँह छुपा लिया था।

सभी झूला झूलकर वहाँ से आगे बढ़े। इतने में ही दफड़ा, निसान और मोहरी बाजे की आवाज सुनाई पड़ने लगी। सभी ओर खुशी का शोर उठा– ''मड़ई आ गई, मड़ई आ गई।''

सुंदर रंग–बिरंगी पोशाकों और फूल–मालाओं से सजे राउत लोगों का समूह दिखाई पड़ा। सभी लोग बाजे की धुन पर नाचते हुए आगे बढ़ रहे थे।

राउतों के मुखिया के हाथ में मड़ई थी। राउत लोग इसे गाँव से परघाकर मेले में लेकर आ गए थे। मड़ई को मेले में गाड़कर लोग उसकी पूजा करते रहे। राउतों का नाच बाजे–गाजे के साथ चल रहा था। अब मेला पूरी तरह से भर चुका था।

मंडई तेगा रंग–रंग ता दुकानी मत्तऽ। रंग –रंगता पुग्गा मंडई तेगऽ पेरके वता। पिल्ला गुलगुला , बदिया, पिरकी, लड्डू कारी, लड्डू अस्तोर अवुर तिंजोरे तिर्रयतोर। सुकवारो जलेबी तित्तऽ। समारु ओण्ड़ बिड़िया गुड़ऽ कर्रा अस्तोर। गुड़ऽ कर्रा तुन गोंदाकीस जमय गुड़ऽ कर्रा किन ऊकतोर।

जमय पिल्ला कर्सनाव दूकान तेगा ऐवतोर। सुकवारो जहाज ,संगीता पुतलऽ अवुर बुदिया अर्राल गाड़ी अस्तोर । चैतु मल ,मंगल कार गाड़ी अवुर समारु ओण्ड बिड़िया बोल अस्तोर। जमय पिल्ला तिर्रयोर जोगड़ाम अस्तोर पेरके जमय रगं रंगता फुग्गा अस्तोर। जमय पिल्ला जमा अर्स मंज मल्स लोन दाय मुंता। ओर नकेय वेड़कते मत्तुर।

शिक्षण संकेत :– संयुक्त वर्ण वाला शब्द के अउ लिखावट के अभ्यास करावत। मुसकुल शब्दमन के अर्थ ओखर भाषा में बतावत। प्रश्नमन के अभ्यास जिहां के तिहां सीस म करावव। लइकामन ल उतार–चढ़ाव के संग पढ़े बर सिखावव।

माटऽ तऽ मतलब

मोदोल	= करीब	गिसडी ,कुड़ता	=	पोसाक
बोबो	= लाडु	जमा आयनेद	=	एकत्र
रहचुली उयालक	= रहचुली			
परघाकीस	= परघाकर			
दफडा	= दफडा			
चिहनऽ	= निसान			
मोहरी नंगोड़ी	= मोहरी बाजा			

मेले में तरह–तरह की दुकानें थीं। रंगीन फुग्गों से मेले में बहार आ गई थी। बच्चों ने गुलगुला, भजिया, मुर्रा लाड़ू, करी लड्डू खरीदे और खाते हुए घूमते रहे। सुकवारो ने जलेबी खाई। समारू एक बड़ा–सा गन्ना खरीद लाया। गन्ने के टुकड़े बनाकर सभी गन्ना चूसते रहे।

सभी बच्चे खिलौने की दुकान पर पहुँच गए। सुकवारो ने जहाज़, संगीता ने गुड़िया और बुधिया ने रेल खरीदी। चैतू ने मोर, मंगल ने कार और समारू ने एक बड़ी गेंद ली। सब बच्चे घूम–घूमकर सामान खरीदते रहे। अंत में सभी ने तरह–तरह के फुग्गे खरीदे। सभी बच्चे एकत्र हो जाने के बाद वापस घर की ओर चल पड़े। वे बहुत खुश लग रहे थे।

शिक्षण संकेत :– संयुक्त वर्ण वाले शब्दों के उच्चारण एवं लेखन का अभ्यास करवाएँ। कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ। प्रश्नों के अभ्यास यथास्थान पेंसिल से करवाएँ। बच्चों को आरोह–अवरोह के साथ पढ़ना सिखाएँ।

शब्दार्थ

करीब	=	पास	पोशाक	=	पहनने के कपड़े
लाड़ू	=	लड्डू	एकत्र	=	इकट्ठे
रहँचुली	=	एक प्रकार का झूला			
परघाकर	=	पूजा कर, स्वागत करके			
दफड़ा	=	ढप या ढपली की तरह का एक बाजा			
निसान	=	एक प्रकार का बाजा			
मोहरी बाजा	=	पिपिहरी, शहनाई की तरह का बाजा			

कर्यकाल

1. मोद्दोल लिका कितेद तिन मनवा माटा ते केल्ला –

करीब(मोद्दोल) पोसक (गिसड़ी) एकत्र(जमा) मुशकिल(मुशकिल) रहॅचुली(रहचुली उयाल्क)

2. मोद्दोल लिका कितेद प्रश्न तुन उत्तर लिका किम –

(क) रहॅचुली बाता तुन केतीतोर ?

(ख) कोपा नऽ मुखयान कयदे बातऽ मत्तऽ ?

(ग) मंड़ई तेगा मानी बेना पुजा कीनुर ?

(घ) कोपा मानीरा गिसड़ी बेले मत्तऽ ?

(ड़) पिल्ला मंडई तेगऽ बातऽ–बातऽ तित्तोर ?

3. मोद्दोल लिका कित्तेद चीज बेद रंग ते मिंदे लिका किम–

(क) पंड तेद वंगा – लाल

(ख) स्यामपट – ....

(ग) नीम आकी – ....

(घ) मुड़ा कुसीर – ....

(ड) पोड़द पुंगार – ....

4. कर्रसनाव दुकान तीना निमऽ बातऽ –बातऽ अस्सीतीन –

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

करीब, पोशाक, एकत्र, मुश्किल, रहँचुली

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. रहँचुली किसे कहते हैं ?

ख. राउतों के मुखिया के हाथ में क्या था ?

ग. मेले में लोग किसकी पूजा कर रहे थे ?

घ. राउत लोगों की पोशाक कैसी थी ?

ड. बच्चों ने मेले में क्या–क्या खाया ?

3. निम्नलिखित चीजें किस रंग की होती हैं ? लिखो –

क.	पका टमाटर	लाल
ख.	श्यामपट	....
ग.	नीम के पत्ते	....
घ.	मूली	....
ङ	सूरजमुखी का फूल	....

4. खिलौने की इस दुकान से तुम क्या – क्या खरीदोगे –

____

____

5. निमा मंडई तेग बातऽ–बातऽ उड़तीन ? लिका कीम –

____

____

6. मीवा नार देग मंड़ई बेंटीन आता ? अग्गऽ निमा बातऽ–बातऽ कीतीन –

____

____

7. माटऽ त अर्राल (रैल) –

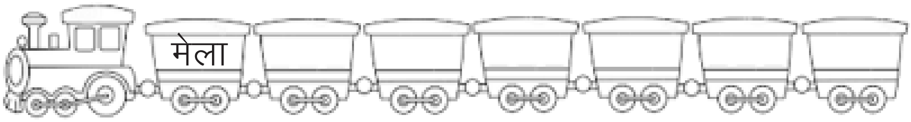

8. नन अवुर निम्मा वाटी मंज माटऽ उमके कीम –

(क) .... रायपुर दायमुंतान।

(ख) .... एर मिया मुंतिन ।

(ग) .... पड़ेम आय मुंतान।

(घ) .... रायपुर अन।

(ड) .... बे दाय मुंतीन ?

9. निम्मा मंड़ई अत्के बातऽ–बातऽ अस्सेन ?

10. पड़िय कीयनेद :–

1. कड्डा, कागेत अवुर माचिस तेद काली डब्बा ते ऊयाल माड़ा ।
2. नीवा नार / सहार मंड़ई त पोटु माड़ाट।
3. मंड़ई /मेले तिरयीमंज नी एर्रकते केल्ला।

————————————————————————

————————————————————————

5. तुमने मड़ई–मेले में क्या–क्या देखा ? लिखो –

————————————————————————

————————————————————————

6. तुम्हारे गाँव में मड़ई–मेला कब लगता है ? उसमें तुम क्या – क्या करते हो –

————————————————————————

————————————————————————

7. शब्दों की रेल –

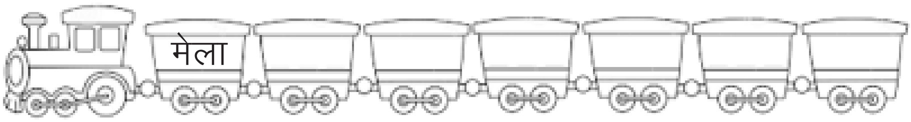

8. 'मैं' या 'तुम' लगाकर वाक्य पूरे करो –

क. ——————— रायपुर जा रहा हूँ।

ख. ——————— नहा रहे हो।

ग. ——————— पढ़ रहा हूँ।

घ. ——————— रायपुर जाओ।

ङ ——————— कहाँ जा रहे हो?

9. तुम मेले में जाते तो क्या–क्या खरीदते ?

10. गतिविधि :–

1. गत्ते, कागज और माचिस की खाली डिबियों से रहँचुली बनाओ।
2. अपने गाँव/शहर के मेले का चित्र कापी में बनाओ।
3. मड़ई/मेले का भ्रमण कर अपना अनुभव सुनाओ।

36JTUA

पाठ 12

ऊँट दायमुन्तऽ

ऊँट	बोजा	इर्रकता
डेंग	गुड़ंगा	ओय्येरा

ऊँट दायमुन्तऽ दादा, ऊँट दायमुन्तऽ
उँगसो–वंगसो ऊँट दायमुन्तऽ ।
इच्चोर लाटी काल्क नेद
डेंगू लाटुम गुड़ंगा तेद।
लाटुम गुड़ंगा, डेंग मोर्रकुड़,
मोर्रकुड़ तेह्स, ऊँट दायमुन्तऽ ।
उस्को मत के मनी ,
बोजा ऊँट कॉजी।

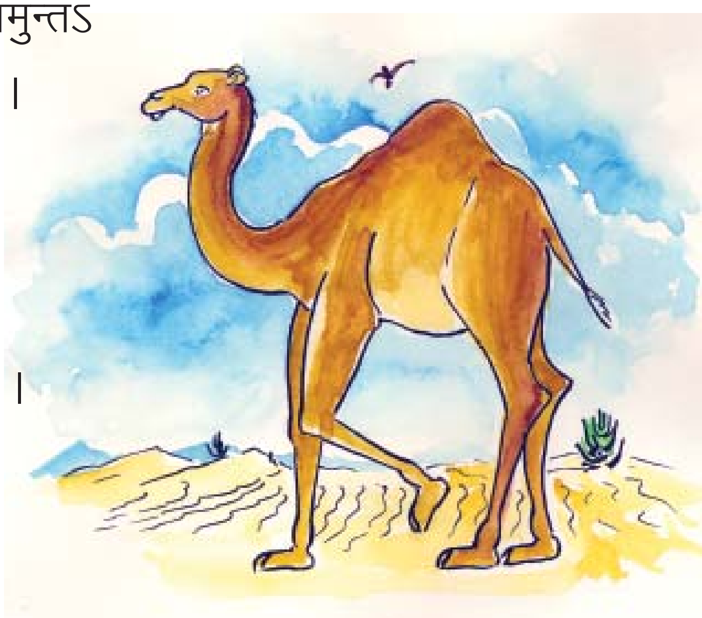

इर्रको उस्को तेग,
उस्को तेगऽ वेंडे ऊट दायमुन्तऽ।
बेच्चुड़ अयवीमंज उदीतऽ ऊँट,
बेद आले उदीतऽ ऊँट ?
केतऽ परदीतिन बेनो केल्ला ?
ऊँट दायमुन्तऽ दादा, ऊँट दायमुन्तऽ।

शिक्षण संकेत – कविता को लयपूर्वक गाएँ और बच्चों को दुहराने को बोलें। अपरिचित शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ। चंद्रबिंदु वाले शब्दों का उच्चारण करना सिखाएँ।

पाठ 12

ऊँट चला

ऊँट	बोझ	फँसेगा
ऊँचा	गर्दन	करवट

ऊँट चला भई, ऊँट चला
हिलता–डुलता ऊँट चला।

इतनी लंबी टाँगों वाला
ऊँची लंबी गर्दन उसकी।

ऊँची गर्दन, ऊँची पीठ,
पीठ उठाए, ऊँट चला।

बालू है तो होने दो,
बोझ ऊँट को ढोने दो।

नहीं फँसेगा बालू में,
बालू में भी ऊँट चला।

जब थककर बैठेगा ऊँट,
किस करवट बैठेगा ऊँट?

बता सकेगा कौन भला?
ऊँट चला भई, ऊँट चला।

शिक्षण संकेत – कविता को लयपूर्वक गाएँ और बच्चों को दुहराने को बोलें। अपरिचित शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ। चंद्रबिंदु वाले शब्दों का उच्चारण करना सिखाएँ।

माटऽ तऽ मतलब

दादा – भई उस्को – रेत

कर्यकाल

1. दोड़ लिका कित्ताव शब्द तिन मी माटा ते केल्ला –

गर्दन – गुड़ंगा/पापे
करवट – मिड़ंदनद
ऊँचा – पोर्रो

2. दोड़ लिका किताव प्रश्न तुन जवाप केल्लाट–

क. ऊट तेद गुड़ंगा बेले मंतऽ ?

ख. लाट काल्क नाव अवूर जनवार बेद् – बेद् मिंदे ?

ग. ऊट बेसुता नेल देग वेण्ड ताका पर्रदीतऽ ?

घ. उट तद मोर्रकुड़ बेले मन्तऽ ?

ङ. उट बातऽ कामिन आता ?

च. कांज नेद बुता तून कीनाव जनवारी तऽ पेद्दीर केल्लाट।

छ. नीवऽ लोनऽ ऊट मतके निम्म बातऽ – बातऽ बुता किया पर्रदितीन ?

3. उट तऽ लेकेन डेंगूम नू चुडला चीजी अवुर जीवऽन पेद्दीर लिका कीम –

डेगुंम	**चुड़ला**
पेड़ (मारम)	खरगोश (मोलोड़)
____________	____________
____________	____________

4. चंद्र बिंदु मंदा नेद अवूर चंद्र बिंदु इलवेद शब्द तुन एन्सीमंज बिलोक – बिलोक लिका कीमुट।

पूँछ, फूल, ऊन, झूठ, ऊँच, ठूँठ, खूँट, छूट, धूप, ऊँट, आँसू।

चंद्र बिंदु मंदानेद	**चंद्र बिंदु ईलवेद**
________, ________	________, ________
________, ________	________, ________
________, ________	________, ________

शब्दार्थ

भई – भाई   बालू – रेत

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

गर्दन, करवट, ऊँचा

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. ऊँट की गर्दन कैसी होती है?

ख. लंबी टाँगों वाले अन्य जानवर कौन–कौन–से हैं?

ग. ऊँट किस तरह की भूमि में भी चल सकता है?

घ. ऊँट की पीठ की बनावट कैसी होती है?

ड. ऊँट किस काम आता है?

च. सवारी के काम आने वाले जानवरों के नाम बताओ।

छ. यदि तुम्हारे घर ऊँट होता तो उससे तुम क्या–क्या काम लेते?

3. ऊँट से ऊँचे व छोटे चीजों तथा जीवों के नाम लिखो –

ऊँचे	**छोटे**
पेड़	खरगोश
____________	____________
____________	____________

4. चंद्रबिंदु वाले तथा बिना चंद्रबिंदु वाले शब्दों को छाँटकर अलग–अलग लिखो।

पूँछ, फूल, ऊन, झूठ, ऊँच, ठूँठ, खूँट, छूट, धूप, ऊँट, आँसू।

चंद्रबिंदु वाले शब्द	**बिना चंद्रबिंदु वाले शब्द**
________, ________	________, ________
________, ________	________, ________
________, ________	________, ________

5. (पड़िय कियनेद) :–

1. ऊट तऽ पोटू सिट्टी कागत तिना बिलोक कीस आर तान अपुना कापी त वाटा अवूर ऊँट तऽ पोटू माड़ा –

2. मनलेक बिड़ियोर अवूर गुरजीन केल्ला ऊँटता असुता रेंड अंतर केला अवूर बेदे जानवर तऽ लेक बिलोक कीतऽ।

6. उबय – उबय कविता पड़ेम आस वेड़का

आदो ऊँट डेंगुम

आदो तोका लाटुम

आदो डेंगुम ऊट

मोरकुड डेंगुम

ऊट माटा उबय – उबय केचउड़ाट ।

वेंजेर लेचान लेक !

बेले ओप्पता कविता ? ईंजे ईद कविता तुन ओण्ड पेद्देड़ ईम। पोर्रो ईतद डेरा तेग लिका कीम ।

5. गतिविधि :–

1. ऊँट का चित्र पत्र – पत्रिकाओं से काटकर अलग करो और उसे अपने पोर्टफोलियो में लगाओ तथा ऊँट का चित्र बनाओ –

2. अपने बड़ों से या गुरुजी से पूछकर ऊँट की दो ऐसी विशेषताएँ बताओ जो उसे अन्य किसी भी जानवर से अलग करती हैं।

6. झटपट कविता पढ़कर मजा लो ।

कुछ ऊँट ऊँचा

कुछ पूँछ ऊँची

कुछ ऊँचे ऊँट की

पीठ ऊँची

''ऊँट'' शब्द जल्दी–जल्दी बोलकर देखो ।

जीभ लड़खड़ा गई न !

कैसी लगी कविता ? अब इस कविता को कोई नाम दो ।

ऊपर दी गई जगह में उसे लिखो।

7. केल्ला इविकीन मीवा माटाते बातऽ केतितोर, सिता कीस पेद्देड़ लिकाकीम –

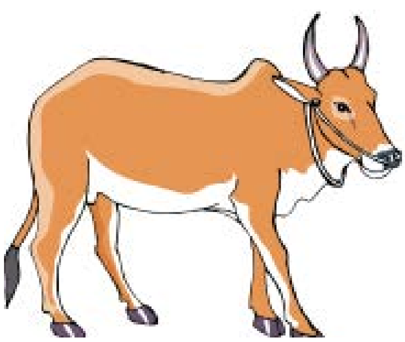

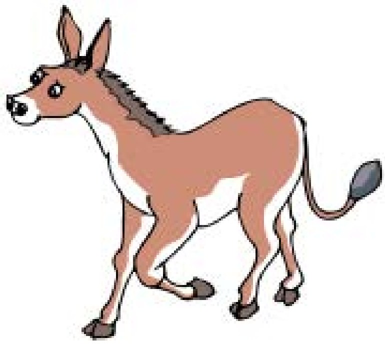

....

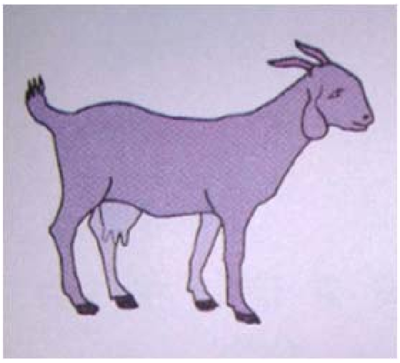

....

....

7. बताओं इन्हें तुम्हारी भाषा में क्या कहते है पहचान कर नाम लिखो–

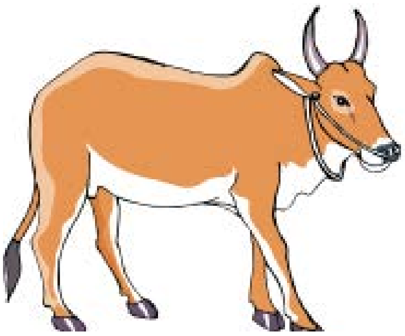

....

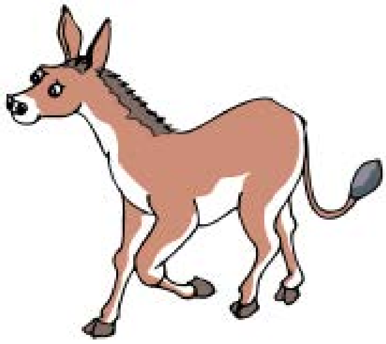

....

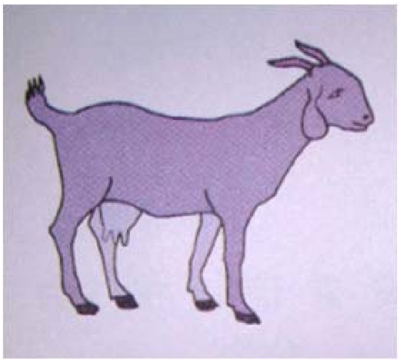

....

....

....

....

373KXK

पाठ 13

वत्तऽ ओण्ड कबुर

दिल्ली	लोपा	नूल्ले	वीसी
कोवे	कनीर	ओदेगूगे	गोदार

ईंजे कबुर दिल्ली तीना वत्ता ,
वीसी रानी तान तत्ता ।
ओदेगूगे एन तुन रेहता ,
एन बातऽ कीवेर पापाम ?

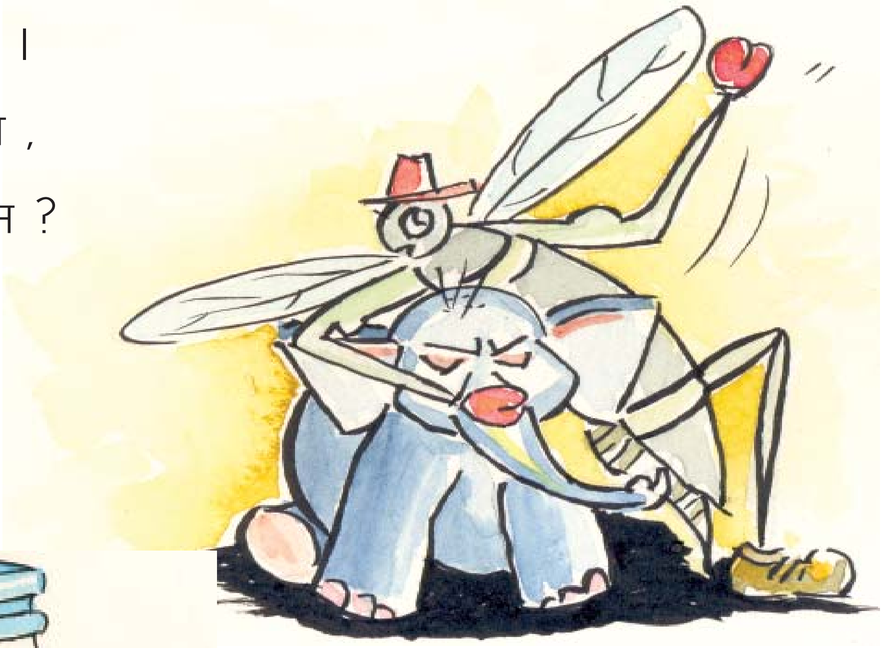

नेंगी उदता कुण्डऽ लोपा ,
कुण्डऽ तेगऽ मत्ता रेंड नू आधा कोवे ।
अवकीन उड़समंज एन केयता ,
केयोर –केयोर अद गुड़ित्ता ।

पाठ 13

आई एक खबर

दिल्ली	अंदर	मच्छर	मक्खी
बंदर	आँसू	टिड्डे	समंदर

अभी खबर दिल्ली से आई,
मक्खी रानी उसको लाई।
टिड्डे ने हाथी को मारा,
हाथी क्या करता बेचारा?

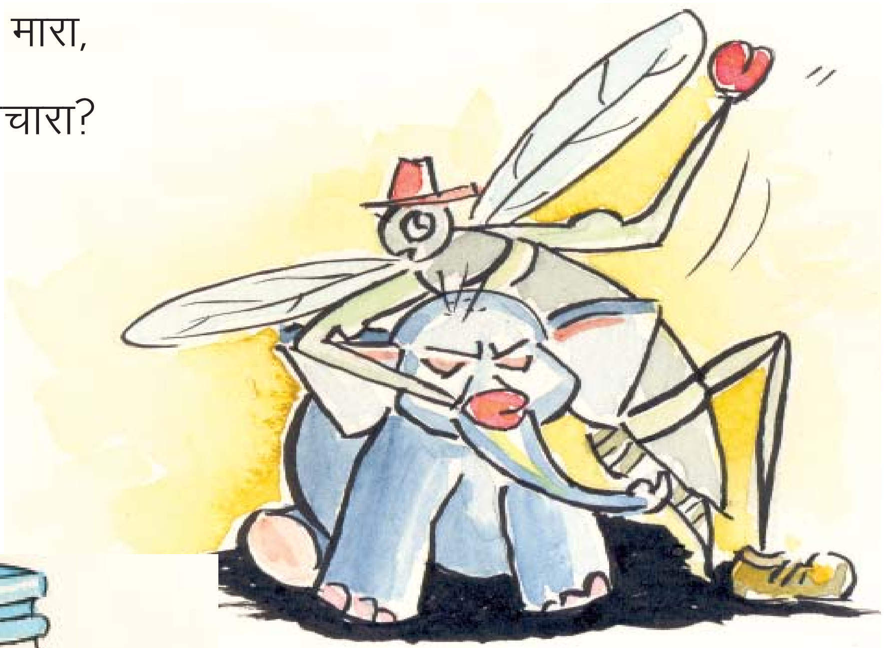

घुस बैठा मटके के अंदर,
मटके में थे ढाई बंदर।
उन्हें देखकर हाथी रोया,
रोते–रोते फिर वह सोया।

कम अय्यो कनीर पेयतानेद ,
कुंण्डऽ बनेम अत्ता गोदार ओवोर ।
अगा मुड़दामुन्ता एन कोवे ,
इर्रकी मत्ता तानेग लोपा।

केयनेद केंजी वत्तऽ नुल्ले ,
लात विगता नक्केय जोर दे।
कुंण्डऽ विर्रयता पोगतऽ गोदार इना ,
पेयता जमय एन कोवे ।

शिक्षण संकेत :– कविता उचित राग के संग पाठ कख अउ लइकामन ला दुहराबर बोलव । संयुक्त अक्षर वाले शब्द के अभ्यास करावत। पाठ के पाछु अनुसार (–) अउ आधा नं (न्) ल आपस में बदल के शब्द लिखवाव।

जईसेः– अन्दर से अदर। फोटू के उपयोग करय! पाठ में आय मुसकुल शब्द मन के अर्थ ओखर भाष में बतावव।

रुकी नहीं आँसू की धारा,
मटका बना समंदर खारा।
लगे डूबने हाथी बंदर,
फँसे हुए थे उसके अंदर।

रोना सुनकर आया मच्छर,
लात जमाई उसने कसकर।
मटका फूटा बहा समंदर,
निकल पड़े सब हाथी, बंदर।

शिक्षण संकेत :– कविता का उचित लय के साथ पाठ करें और बच्चों से दुहराने के लिए कहें। संयुक्ताक्षर वाले शब्दों का अभ्यास करवाएँ। पाठ के बाद अनुस्वार – तथा आधे 'न' (न्) को आपस में बदलकर शब्द लिखवाएँ। जैसे – 'अन्दर से अंदर'। चित्रों का उपयोग करें। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

माटऽ तऽ मतलब

कबुर = समाचार/संदेशा गोदार = सागर

रेण्ड नू आधा = ढाई

कर्यकाल

1. दोड़ लिका कीतेद शब्द तुन नीवा माटा ते केल्ला

खबर (कबुर) , समंदर(गोदार) , ढाई(रेण्ड नू आधा) ,अंदर (लोपा)

2. दोड़ लिका कीतेद प्रश्न त उत्तर ईम –

(क) कुण्डऽ बेच्चोर बिड़िया मत्तऽ अस्के ?

(ख) रेण्ड नू आधा कोवे बेले अत्ता अस्केन ?

(ग) कुंण्ड बेले ओर्रतऽ ?

3. माटा माड़ाट – कुंण्डऽ ,कोवे

4. वेन उडसमंज आसुतेय अवुर शब्द लिका कीम।

इविनाले– धारा चारा खारा

लोपा ———————, ———————, ———————

लात ———————, ———————, ———————

5. मुंड अक्षर तेद शब्द तुन अदला – बदला कीस पूना –पूना माटा माड़ाट अवुर लिका कीमुट , ईले– जमाई ।

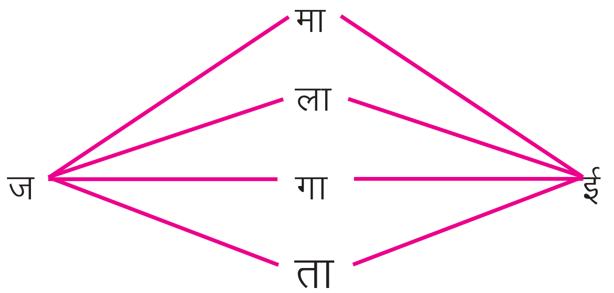

———————

———————

———————

———————

शब्दार्थ

खबर = समाचार समंदर = सागर, समुद्र

ढाई = दो और आधा मिलाकर बनी संख्या

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा/बोली में बताओ –

खबर, समंदर, ढाई, अंदर,

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो –

क. मटका कितना बड़ा रहा होगा ?

ख. ढाई बंदर कैसे हुए होंगे ?

ग. मटका कैसे फूटा ?

3. वाक्यों में प्रयोग करो – मटका, बंदर

4. उदाहरण देखो। ऐसे कुछ और शब्द लिखो।

उदाहरण– धारा चारा खारा

अंदर ——————, ——————, ——————

लात ——————, ——————, ——————

5. तीन अक्षर वाले शब्दों के बीच के अक्षरों को बदल–बदलकर नए–नए शब्द बनाओ और लिखो, जैसे– जमाई।

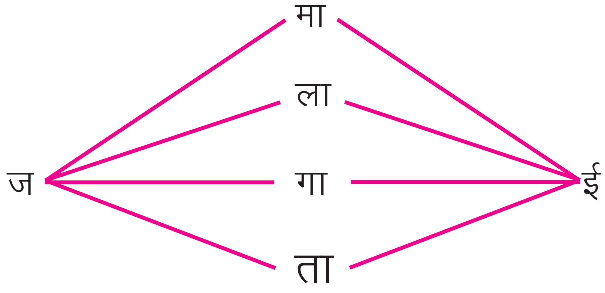

——————

——————

——————

——————

6. कविता तेग वत्ताव संयुक्ताक्षर ता माटा कीन एरीकीस लिका कीम।

मक्खी(वीस), ———————— ।, ———————— ।,

———————— ।, ———————— ।,

7. पड़ेयकीयनेद :–

1. कोवे ना वेसोड़ मेहका अवुर कक्षा तेग नक्काल कीमूट ।
2. नीकिन कबूर बेगऽ–बेगऽ तीना दोर्रकीता।
3. मी नार देग अत्तेद बेद्देय गड़ऽ ता माटा केल्ला ।
4. गुरजी कक्षा तेग नेट त माटऽ पड़ेयकीयनेद कीविर।

6. कविता में आए संयुक्ताक्षर वाले शब्दों को छाँटकर लिखो।

जैसे– मक्खी, ——————— |, ——————— |,

——————— |, ——————— |,

7. गतिविधि :–

1. बंदर से संबंधित कहानी ढूँढ़ो और कक्षा में अभिनय करो ।
2. तुम्हें खबरें कहाँ–कहाँ से मिलती हैं ।
3. अपने गाँव में हुई किसी घटना की खबर सुनाओ ।
4. शिक्षक कक्षा में **"आज की बात"** गतिविधि करवाएँ ।

37LD1V

पाठ 14

उप्पे तीन दोर्रकता पेंसिल

सीस	मेहकऽ	माडेंग	ओण्डआसुनताव

ओण्ड दिनऽ ओण्ड उप्पे तिंद नीन मयदेन बातेय मेहको मत्तऽ।

1

तान ओण्ड पेंसिल दोर्रकता। उप्पे पेंसिल तीन पोय्स मंज मिड़स–मिड़स उड़ा पोयपीकित्ता।

2

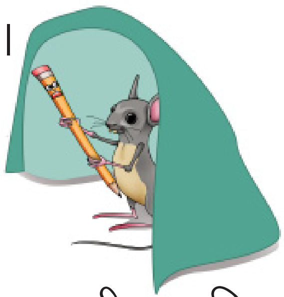

"नाकीन विड़सिम, नाकीन दायिम पेंसिल उप्पे तिन केयी – केयीमंज केत्ता, नन्ना नीवा बातऽ काम नोन कटिया नऽ गोंदऽ। तिंदा निन वेन्ड ओप्पोन।"

3

"नन्ना नीकिन कोर्ककितान उप्पे केत्तऽ। "

"नन्ना नावा पल्कनीन उजे अवुर चुडला तासऽनीन मेयदे बातऽ इलोक बातऽ कोर्कनोन।" अवुर उप्पे पेंसिल तुन कोर्रकनिन पोयपीकितऽ।

"ओय ! नाकीन ऐर्रय आयमुन्ता। निम नाकिन माड़ेंग पोटू माड़ऽनिन ईम, आपेर्रके निम बातेय वेंड कीम।"

4

"नलय मिन्दे" उप्पे केत्ता । "निम पोटूमाड़ा, वेंडे नन्ना कच्ची – कच्ची मंज नीवा तुकड़ा – तुकड़ा कीतान।

37V93I

पाठ 14

चूहे को मिली पेंसिल

पेंसिल	ढूँढ़	आखिरी	अजीब

एक बार एक चूहा खाने के लिए कुछ ढूँढ़ रहा था।

1

उसे एक पेंसिल मिली। चूहा पेंसिल लेकर उसे उलट–पलट कर देखने लगा।

2

''मुझे छोड़ दो, मुझे जाने दो'' ,पेंसिल चूहे से गिड़गिड़ाकर बोली, ''मैं तुम्हारे किस काम की हूँ, लकड़ी का टुकड़ा हूँ। खाने में भी अच्छी नहीं लगूँगी।''

3

''मैं तुम्हें कुतरूँगा,'' चूहे ने कहा।

''मुझे अपने दाँत पैने और छोटे रखने के लिए हमेशा कुछ–न–कुछ कुतरना पड़ता है।'' और चूहे ने पेंसिल कुतरना शुरू कर दिया।

''उई! मुझे दर्द हो रहा है। तुम मुझे आखिरी चित्र बना लेने दो, फिर तुम चाहे जो करना।''

4

''ठीक है,'' चूहे ने कहा। ''तुम चित्र बना लो; फिर मैं चबाकर तुम्हारे टुकड़े–टुकड़े कर दूँगा।''

पिंसिल पोस्क नेस्कतऽ वेंडे अद बिरिया गोर्रलऽ माड़ता।

5

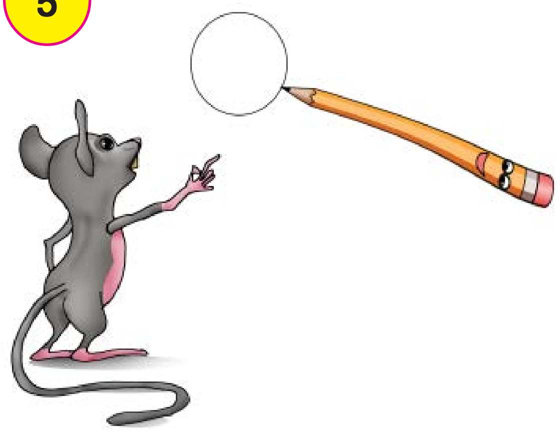

''इद बातऽ पाल गोंगातऽ गोंदा?'' उप्पे पूचऽ कित्तऽ।

''ओ, मनाल तेन पालगोंग इंजो केत्तऽकाल'' पिसिंल केत्तऽ।

(6)

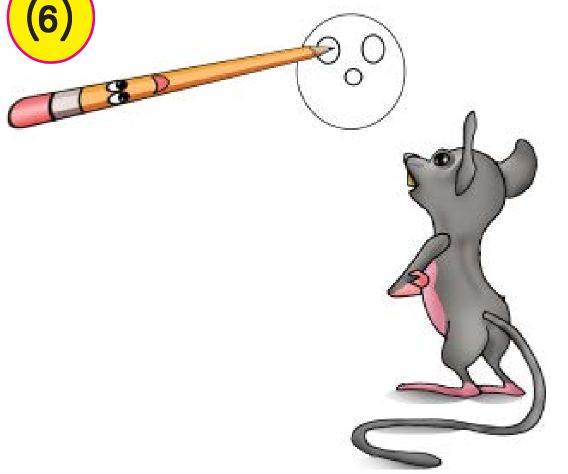

वेण्डे पिसिंल बिरिया गोलऽत लोपा मूण्ड चुडुला गोर्रला माड़तऽ।

''ओ ! इंजे इद पनीरे तोन्दऽमुन्ता।'' उप्पे केत्तऽ । तेनग कोन बोंगा उड़नायमुन्ता।''

7

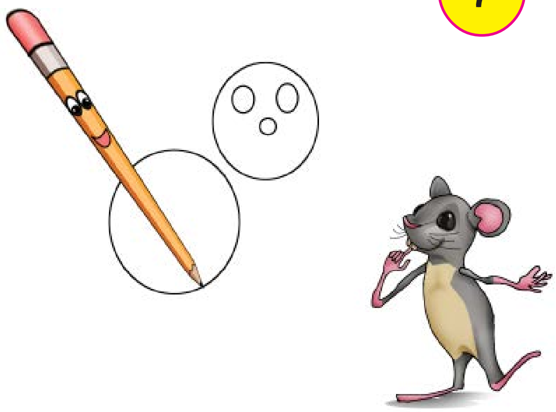

दाट, मनाल इदिन पनीर तऽ बोंगा केतऽकाल। पिंसिल मानेम अत्तऽ अवूर अद बिरिया गार्रेलाऽत दोड़ ओण्ड अवूर बिरिया गोर्रला पाड़तऽ।

''एऽ, इद कोन सेवपण्डी'' ,उप्पे वेड़कता। ओ तेन सेव पण्डी केत्तऽकाल'' पेंसिल केतऽ। ओ, तेन सेव केत्तऽकाल।

8

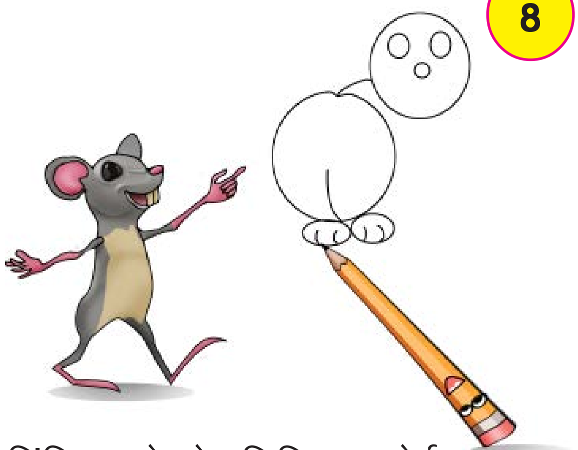

पिंसिल वेण्ड़े बिड़िया गोर्रलऽ तग मोद्दोल बिलोकत्तऽ पोटू पाड़ा पोयपी कित्तऽ।

पेंसिल ने ठंडी साँस ली। फिर उसने एक बड़ा–सा गोला बना दिया।

5

''यह क्या पनीर का टुकड़ा है?'' चूहे ने पूछा।

''हाँ, हम इसे पनीर ही कहेंगे'' पेंसिल ने कहा।

(6)

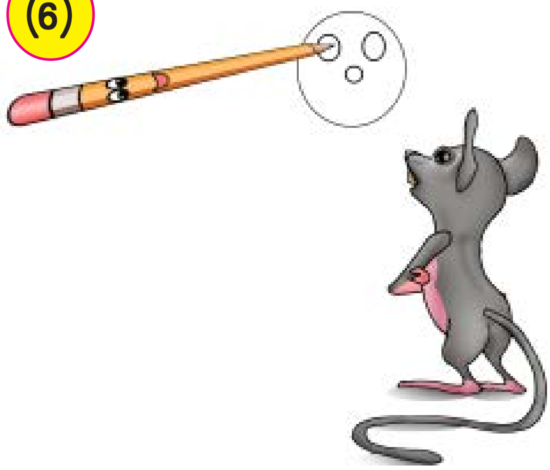

फिर पेंसिल ने बड़े गोले के अंदर तीन छोटे गोले बना दिए।

''हाँ, अब यह पनीर ही लग रहा है।'' चूहे ने कहा। ''इसमें तो छेद नजर आ रहे हैं।''

7

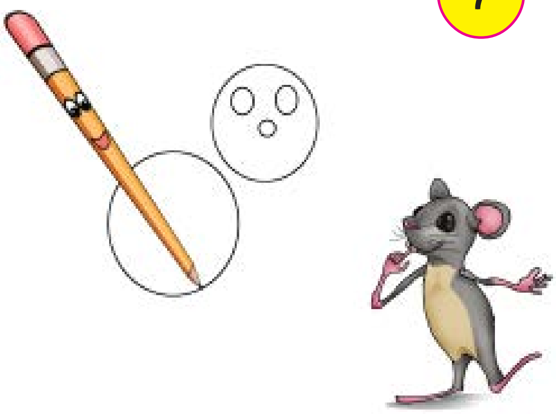

''चलो, हम इन्हें पनीर में छेद बोलेंगे।'' पेंसिल ने मान लिया और उसने बड़े गोले के नीचे एक और बड़ा गोला बनाया।

''अरे, यह तो सेब है,'' चूहा चहका। ''हाँ, इसे सेब कह लेते हैं,'' पेंसिल ने कहा।

8

पेंसिल फिर दूसरे बड़े गोले के पास कुछ अजीब–से चित्र बनाने लगी।

"ओ, ओह ! इंजे कोन वेड़केय वत्तऽ। इद कोन चमचम।"

9

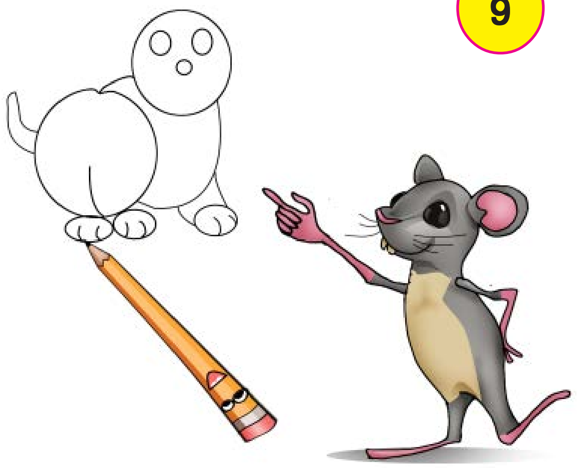

उप्पे तऽ पयूर तग उच्चूल पेयता पोयपीकितऽ।"उबय कीम! नन तिन्दानोन।"

पिसिंल पोर्रोतऽ गोर्रलऽ तऽ पोर्रो रेण्ड चुडला मुण्डकोना पाड़तऽ।

10

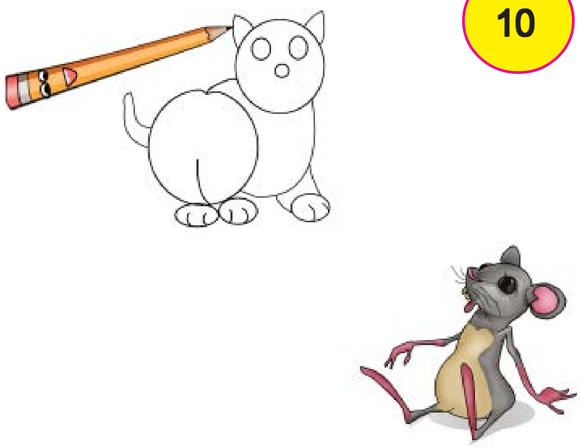

"अरे –अरे" उप्पे केयता। "इन्जे कोन निम तान वेर्रकाड़ त ईना माड़तिन। अवुर मुन्ने माड़मा।"

मति पिंसिल माड़सोरे अत्ता । अद पोर्रो तऽ गोर्रलऽ तग बिरिया – बिरिया मिसोक अवुर पय्युर पाड़ता।

11

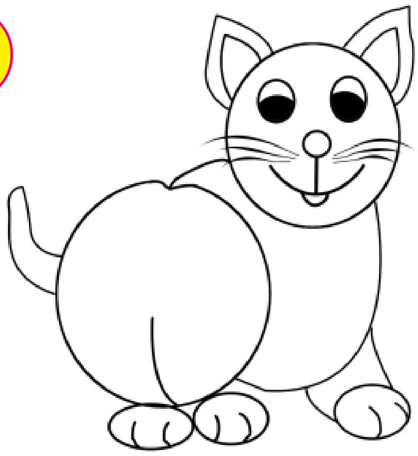

उप्पे वेर्रयी मंज केयता "अरे बाबोऽ इद कोन असली वेर्रकाड़। बचाकीम।

इले केच मंज मिर्रता अवूर तानऽ बोंगा तग नेगता।

12

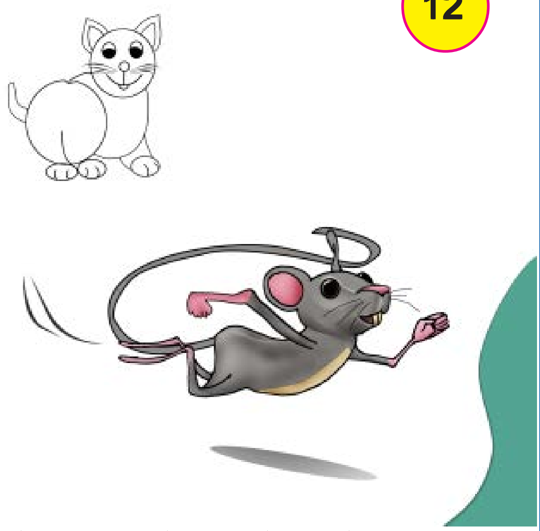

बाले निम वेंड ओंड वेर्रकाड़ तऽ लके पोटू पाड़ा पर्रतिन माड़ीमंज तोहा । तान उड़स मंज उप्पे वेर्रयी?

''अरे, वाह! अब तो मजा ही आ गया। यह तो चमचम है।''

9

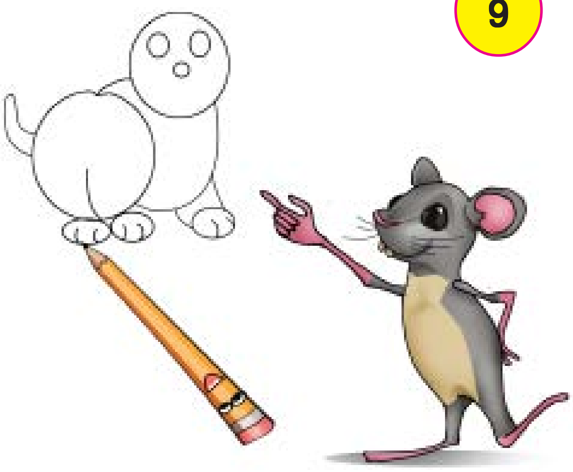

चूहे के मुँह में पानी आने लगा। ''जल्दी करो! मुझे खाना है।''

पेंसिल ने ऊपरवाले गोले के ऊपर दो छोटे तिकोन बना दिए।

10

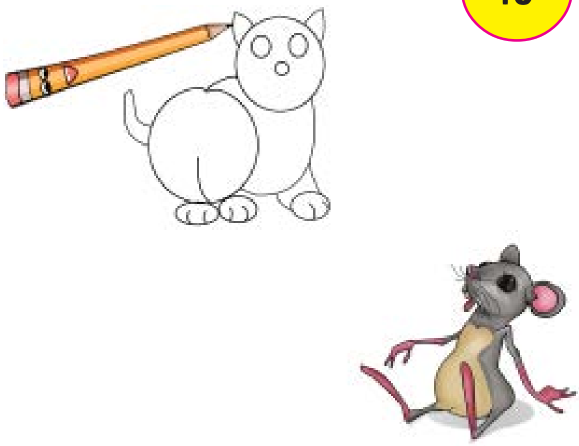

''अरे, अरे'' चूहा चीखा। ''अब तो तुम उसे बिल्ली की तरह बनाने लगीं। और आगे मत बनाओ।''

लेकिन पेंसिल बनाती गई। उसने ऊपर के गोले पर लम्बी–लम्बी मूँछें और मुँह बनाया।

11

चूहा डरकर चिल्लाया, ''अरे, बाप रे! यह तो बिल्कुल असली बिल्ली लग रही है। बचाओ।''

ऐसा कहकर वह भागकर अपने बिल के अंदर घुस गया।

12

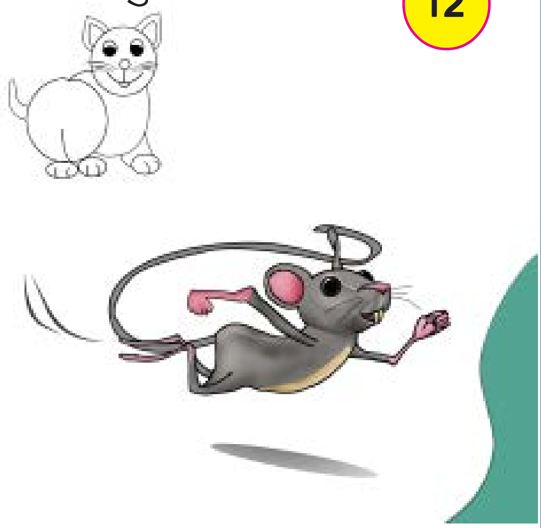

क्या तुम भी एक बिल्ली का ऐसा चित्र बना सकते हो, जिसे देखकर चूहा डर जाए?

शिक्षण संकेत :– चित्र–कथा को बच्चों को समूह में पढ़ने दें। बच्चों से चूहे–बिल्ली की आदतों पर चर्चा करवाएँ। मिकी माउस के बारे में बच्चों को जानकारी दें/लें, उसका चित्र प्रदर्शित करें। घरेलू, पालतू–पशुओं और जीवों के नाम लिखवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

मायने

केयी–केयी = विनती करना
पोस्क नेस्कता = राहत पाना
माड़ेंग = अंतिम
बिलोकतऽ = विचित्र
कद्यिानद = दाँत से काटना
पालगोंगा = दूध फाड़कर बनाया गया एक पदार्थ
पाल नू पालनिय दे बनेम = चमचम
अत्तेद मिठेय
मूण्डकोना = तीन कोनेवाला
मिर्रीमंज = दौड़कर
ऊजे = नुकीले, धारदार
एड़्य = पीड़ा

कर्यकाल

1. मोद्दोल लिकाकित्तव माटा नऽ मतलोप केल्लाट –

कद्यिानद , बिलोक , ऊजे ,एर्रय , पाल गोंगा

2. इद प्रश्नता जवाप केल्लाट –

क. उप्पे पिंसिल तून बार कोर्रकनीन आनुर?
ख. बिरिया गोर्रलऽ उप्पे तून बेले तोंदता ?
ग. चमचम बाता आता ?
घ. पिंसिल बेना पोटू माड़ता ?
ड. पोटू उड़समंज उप्पे बातऽ कित्तऽ ?

3. उप्पे इलोक वेर्रकाड़ तऽ बेद्दे कविता एर्रका मतके केंजीकीम।

4. सही माटऽ आचिमंज नेयतेद डेरातेग निहा –

(कोर्रकनद, मिर्रीमंज, केयीमंज, माड़ेगं, मूण्ड)

क. उप्पे –––––––– दुसरा बोंगा तेगनेंगता ।
ख. उप्पे पेंसिल –––––––––– पोयपी कित्तऽ।

शिक्षण संकेत :– चित्र–कथा को बच्चों को समूह में पढ़ने दें। बच्चों से चूहे–बिल्ली की आदतों पर चर्चा करवाएँ। मिकी माउस के बारे में बच्चों को जानकारी दें/लें, उसका चित्र प्रदर्शित करें। घरेलू, पालतू–पशुओं और जीवों के नाम लिखवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

गिड़गिड़ाना	=	विनती करना	तिकोन	=	तीन कोनेवाला
ठंडी साँस लेना	=	राहत पाना	भागकर	=	दौड़कर
आखिरी	=	अंतिम	पैने	=	नुकीले, धारदार
अजीब	=	विचित्र	दर्द	=	पीड़ा
कुतरना	=	दाँत से काटना			
पनीर	=	दूध फाड़कर बनाया गया एक पदार्थ			
चमचम	=	दूध या छेने से बनी मिठाई			

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

कुतरना, अजीब, पैने, दर्द, पनीर

2. इन प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. चूहा पेंसिल क्यों कुतरना चाहता था?

ख. बड़ा–सा गोला चूहे को कैसा दिखाई पड़ा?

ग. चमचम क्या होता है?

घ. पेंसिल ने किसका चित्र बनाया?

ङ चित्र देखकर चूहे ने क्या किया?

3. चूहे अथवा बिल्ली पर कोई कविता याद हो तो सुनाओ।

4. सही शब्द छाँटकर खाली स्थान भरो –

(कुतरना, भागकर, चिल्लाया, आखिरी, तीन)

क. चूहा —————————————— दूसरे बिल में घुस गया।

ख. चूहे ने पेंसिल ——————————— शुरू कर दिया।

ग. पेंसिल केत्ता – नाकिन ओण्ड ––––––––– पोटू पाड़ानिन इम।

घ. वेन्डे पेंसिल बिरिया गोर्रलऽ तऽ लोपा ––––––– चुडला गोर्रलऽ पाड़तऽ।

ड. उप्पे वेर्रयीमंज –––––––––– ''आय बाबो !''''

5. शब्द तऽ संग करसा।

ता	ज	म	ह	ल

पोर्रो उड़समंज ताजमहल शब्द से अक्षर बना कीम–

ताज, महल, लता, हल ,ताल ,मल

इलकेन दोड़ लिकाकित्ताव माटऽ नीना निम वेण्डे बातेय माटा पाड़ाट –

क	म	ल	क	क	ड़ी

6.पड़ेम आस समजेम अयंम।

क.	वेर्रकाड़	–	डेड़डा वेर्रकाड़	उप्पे – डेड़डा उप्पे
	गुर्राम	–	डेड़डा गुर्राम	बर्रे – डेड़डा बर्रे
	मेकऽ	–	डेड़डा मेकऽ	गोड – कोन्दऽ
ख.	नावा	–	नावेय	
	मनवा	–	मावेय	
	नीवा	–	नीयद	

7. रंग – रंग ता कागत ता तुकड़ा कीस उप्पे त पोटू तग टुण्डीकीम।

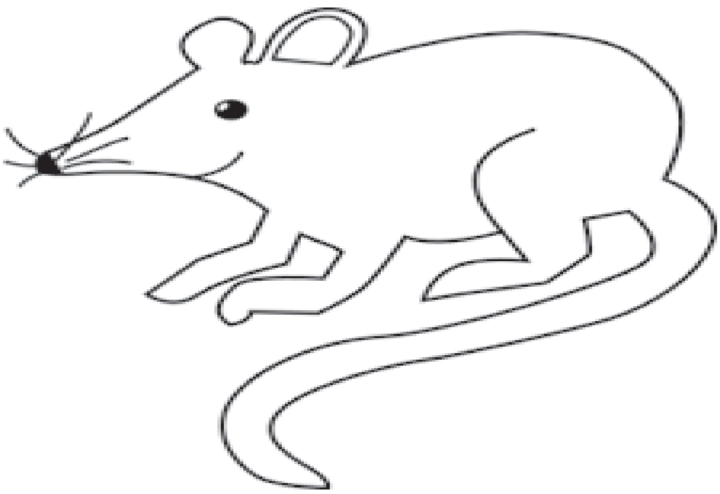

ग. पेंसिल ने कहा,– "मुझे एक –––––––––– चित्र बना लेने दो।"

घ. फिर पेंसिल ने बड़े गोले के अंदर –––––––– छोटे गोले बना दिए।

ङ. चूहा डरकर ––––––––––––––––, "अरे बाप रे!"

5. शब्दों का खेल।

ता	ज	म	ह	ल

ऊपर दिए गए ताजमहल शब्द के वर्णों से कुछ नये शब्द बने हैं जैसे –

ताज, महल, लता, हल, ताल, मल

इसी तरह नीचे लिखे शब्द में से तुम भी कुछ शब्द बनाओं –

क	म	ल	क	क	ड़ी

6. पढ़ो और समझो।

क.	बिल्ला	–	बिल्ली	चूहा	–	चुहिया
	घोड़ा	–	घोड़ी	भैंसा	–	भैंस
	बकरा	–	बकरी	गाय	–	बैल

ख.	मेरा	मेरी	मेरे
	हमारा	हमारी	हमारे
	तुम्हारा	तुम्हारी	तुम्हारे

7. रंग – बिरंगे कागज के टुकड़े करके चूहे के चित्र में चिपकाओ।

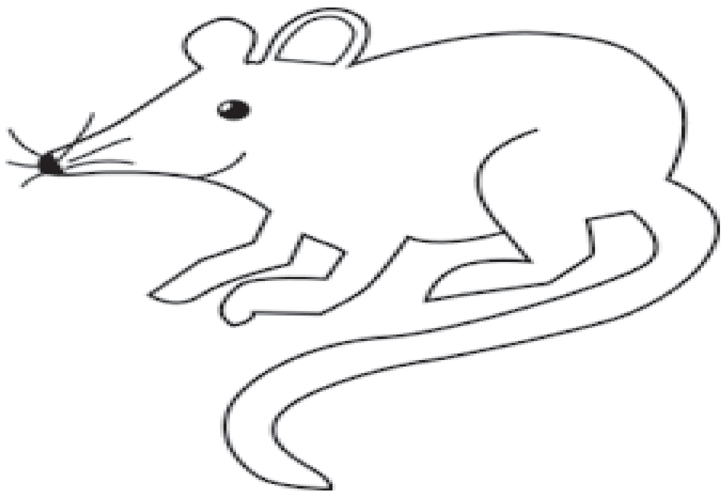

385556

पाठ 15

एद

नुर्रम, मेट्टऽ, दुवार, पिट्टे, आकी, रेक्का

बल वियता पोड़द पेयता वेस अत्ता
लोन –दुवार ते वेस डिगता।
नुर्रमे–नुर्रमे ने, आकी– आकी नेग
कवसोर –पारसोर पर पार्रंगतऽ ऐद।
मेट्टा कोड्डी मुक्क तग लंगता
ओग्गाल त संग कर्रसता एद।
गोदार त तोड़केर तग एन्दतऽ
सबय तुड़ा बनेम अत्ता गोत ऐद।

पिट्टे नऽ रेक्का नेग मिड़कता
पून्गार तग कोड़ंतऽ एद।
बूम त मुड्डू–मुड्डू तग
तोन्दऽ पोयपी कित्तऽ एद।

शिक्षण संकेत :– शिक्षक कविता का वाचन सस्वर, उचित यति–गति, लय तथा हाव–भाव के साथ करें और बच्चों से दुहराने को कहें। सूरज के साथ प्राकृतिक दृश्यों वाले चित्र का उपयोग कर पाठ को पढ़ाएँ। कठिन शब्दों को पूछकर बच्चों से ही उनके अर्थ निकालवाने का प्रयास करें। यथा अनुसार विलोम शब्द, वाक्य प्रयोग इत्यादि द्वारा उनकी सहायता भी करें। पाठ के अनुकरण वाचन की आवृति 4–5 बार हो। शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

माटऽ तऽ मतलब

मारता = समाप्त हुई। पिट्टे = चिड़िया। गोत = सकी या मित्र
मेट्टा = पर्वत नुर्रमे = बहुत छोटा टुकड़ा

38E16T

पाठ 15

धूप

कण	पर्वत	आँगन	पंछी	पत्ते	पंख

बीती रात हुआ उजियारा
घर–आँगन में उतरी धूप।
कण–कण में, पत्ते–पत्ते पर
हँसती–गाती बिखरी धूप।
पर्वत की चोटी पर उछली
झरनों के सँग खेली धूप।
सागर की लहरों पर नाची
सबकी बनी सहेली धूप।

पंछी के पंखों पर चमकी
फूलों पर लहराई धूप।
धरती के कोने–कोने तक
देने लगी दिखाई धूप।

शिक्षण संकेत :– शिक्षक कविता का वाचन सस्वर, उचित यति–गति, लय तथा हाव–भाव के साथ करें और बच्चों से दुहराने को कहें। सूरज के साथ प्राकृतिक दृश्यों वाले चित्र का उपयोग कर पाठ को पढ़ाएँ। कठिन शब्दों को पूछकर बच्चों से ही उनके अर्थ निकालवाने का प्रयास करें। यथा अनुसार विलोम शब्द, वाक्य प्रयोग इत्यादि द्वारा उनकी सहायता भी करें। पाठ के अनुकरण वाचन की आवृति 4–5 बार हो। शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

बीती = समाप्त हुई। पंछी = चिड़िया। सहेली = सखी, मित्र।
पर्वत = पहाड़। कण = बहुत छोटा टुकड़ा

कर्यकाल

1. मनवा माटा ते केल्ला –

पिटटे , गोत , मेटटऽ

2. इव प्रश्न न उत्तर मनवा माटा ते केल्ला –

क. नरका वियता पेरके बाले अत्ता ?
ख. मेट्टा कोड़गिन बाता लंगता ?
ग. पिट्टे नऽ रेक्का बाले मिड़कता ?
घ. बेद जमेय तूरा गोत अत्तऽ ?

3. कविता नऽ लक्कीर पुरा कीमूट –

क. बल वियता पोड़द————————————————
ख. ओग्गाल त संग————————————————
ग. ———————— त तोड़केर संग एंदता
घ. बूम मुड्डू तऽ ————————————

4. पाठ तेग वत्ता जोड़ा शब्द तिन ऐरिकिम अवूर लिकाकिम।

————————　　————————
————————　　————————

5. उल्टा अर्थ तऽ शब्द तिन मन कीस पड़ेम अयम ।

नर्रकोम – मुल्पे　　ड़िगानद – तर्रनद
पूना – पान्ता　　वत्ता – अत्ता
ऐंद – दड़म　　कवदना – केयनद

6. का, की, के, को कालपीमंज शब्द पड़ेम अयम ।

	का	की	के	को
किस	——————	——————	——————	——————
सब	——————	——————	——————	——————

कीस मंज कर्रया

1. पोड़द ,पिट्टे, अवूर पूंगार तऽ पोटू माड़ा ।
2. बेद्दे वोड़ मारा मेट्ट त पोटू माड़ा नू पोर्ट पालियो तेग वाटा।

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

पंछी, सहेली, पर्वत

2. इन प्रश्नों के उत्तर अपनी भाषा में बताओ –

क. रात बीतने पर क्या हुआ ?
ख. पर्वत की चोटी पर क्या उछली ?
ग. पंछी के पंख कैसे चमके ?
घ. कौन सबकी सहेली बन गई है ?

3. कविता की पंक्तियों को पूरा करो।

क. बीती रात हुआ ——————————————
ख. झरनों के संग ——————————————
ग. ——————— की लहरों पर नाची।
घ. धरती के कोने–कोने तक ——————————————

4. पाठ में आए जोड़े वाले शब्द छाँटकर लिखो, जैसे– घर–आँगन

————————— —————————
————————— —————————

5. उल्टे अर्थ वाले शब्दों को ध्यान से पढ़ो।

सुबह	–	शाम	उतरी	–	चढ़ी
नई	–	पुरानी	आई	–	गई
धूप	–	छाँव	हँसना	–	रोना

6. का, की, के, को मिलाकर शब्द बनाओ और पढ़ो।

	का	की	के	को
उस	उसका	उसकी	————	————
किस	————	————	————	————
सब	————	————	————	————

गतिविधि :–

1. सूरज, चिड़िया और फूल के चित्र बनाओ।
2. किसी प्राकृतिक दृश्य का चित्र बनाकर अपने पोर्टफोलियो में लगाओ।

38MW8G

पाठ 16

चुडला–चुडला डाका

डाका, नक्केय, सोबा

चुडला – चुडला डाका मनवा ,
मुन्ने पेरसो दायकाल ।
पोड़ेम आयनद बेनटिन विड़सवाल मनाल,
दिनाल पड़ेम आया दायाकाल ।

चुडला –चुडला कै मनवा ,
बोंगा नर्रगे माड़ाकाल ।
इव बोंगा नेग नलोंटा शोबा ता
पोदला नक्कय उर्रसकऽ काल ।

लोन दुवार तिन साप–सपेय तासाकाल ,
कोर – कोर तिन सक – सका पाड़ाकाल।
बाले बदकाकाल मनाल जमेय ,
बदकिमंज मनाल तोहताकाल ।

शिक्षण–संकेत – बच्चों को लय के साथ कविता पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। वे अपनी अलग लय के साथ भी पढ़ सकते हैं। बच्चों को बताएँ कि कोई भी कार्य छोटा नहीं होता। उन्हें यह भी बताएँ कि मेहनत करने से कभी घबराना नहीं चाहिए, जो काम हाथ में लें उसे पूरा करके ही छोड़ना चाहिए। कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

पाठ 16

छोटे–छोटे कदम

कदम, खूब, सुंदर

छोटे–छोटे कदम हमारे,
आगे बढ़ते जाएँगे।
पढ़ना कभी न छोड़ेंगे हम,
हर दिन पढ़ने जाएँगे।

छोटे–छोटे हाथ हमारे,
गड्ढे खूब बनाएँगे।
इन गड्ढों में अच्छे, सुंदर,
पौधे खूब लगाएँगे।

घर–आँगन को साफ रखेंगे,
गलियाँ साफ बनाएँगे।
कैसे जीना हमें चाहिए,
जीकर हम दिखलाएँगे।

शिक्षण–संकेत – बच्चों को लय के साथ कविता पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। वे अपनी अलग लय के साथ भी पढ़ सकते हैं। बच्चों को बताएँ कि कोई भी कार्य छोटा नहीं होता। उन्हें यह भी बताएँ कि मेहनत करने से कभी घबराना नहीं चाहिए, जो काम हाथ में लें उसे पूरा करके ही छोड़ना चाहिए। कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

माटऽ तऽ मतलब

डाका = कदम, नक्केय = बहुत

कर्यकाल

1. मनवा माटा ते केल्ला –

डाका , दुवार ,मयनत , गबरेम

2. इव प्रश्न तऽ उत्तर केलाट–

क. पड़ेम आयनेद जरुरी बार ?

ख. मारक– पोदला ने मनकीन बाता पायदा?

ग. लोन, मार्ग, स्कुल , तऽ साप –सपेय बार कियनेद जरुरी ?

घ. इत्तद कविता तेग बेनोन मेयदे माटा केत्तद मिंदे ?

3. इव शब्द ते ओण्डो–ओण्डो वाक्य बना कीस केलाट–

मेहनत , फूल , गडढा , अँगना

4. पड़ेम आस समजेम आस लिका कीमूट –

कोड़ी	–	गली	माड़ा	–	पेड़
मोग्गे	–	कली	कोंदा	–	बैल
जोका	–	सखी	लोनऽ	–	घर
जत्ता	–	चक्की	पेयाल	–	दिन

5. अपुना मैदे लिका कीम –

6. पड़ेमास समजेयम अयम –

दायनद–जाना –	मैं जाता हूँ।	तुम जाते हो।	वह जाता है।
	नन दातान	निम दातिन	ओर दातोर
पोडेम–पढ़ना –	मैं पढ़ता हूँ।	तुम पढ़ते हो।	वह पढ़ता है।
	नन पोड़ेम आतान	निम पोड़ेम आतीन	ओर पोड़ेम आतोर
लिकेम–लिखना –	....	....	....
कवदनद–हँसना –	....	....	....
ऊड़नद–देखना –	....	....	....

शब्दार्थ

कदम = पग, खूब = बहुत

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ–

कदम, आँगन, मेहनत, घबराना

2. इन प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. पढ़ना क्यों जरूरी है?

ख. पेड़–पौधों से हमें क्या लाभ हैं?

ग. घर, सड़क, स्कूल सभी जगह सफाई क्यों जरूरी है?

घ. कविता में किसके बारे में बात कही गई है?

3. निम्नलिखित शब्दों से एक–एक वाक्य बनाकर बोलो –

मेहनत, फूल, गड्ढा, आँगन

4. पढ़ो, समझो और लिखो –

गली	– गलियाँ	पेड़	– पेड़ों
कली	–	बैल	–
सखी	–	घर	–
चक्की	–	दिन	–

5. अपने बारे में लिखो –

6. पढ़ो और समझो –

जाना –	मैं जाता हूँ।	तुम जाते हो।	वह जाता है।
पढ़ना –	मैं पढ़ता हूँ।	तुम पढ़ते हो।	वह पढ़ता है।
लिखना –	....	....	....
हँसना –	....	....	....
देखना –	....	....	....

7. पाठ तग अद अक्षर त क, ह, ग, अद काम आता अदिन रासाट –

क – फसला, ———————— ————————

ह – हद, ———————— ————————

ग – गड्डोक, ———————— ————————

8. अपुना स्कूल ता बारे ते लिका कीमुट ।

7. पाठ में जिन शब्दों में क, ह, ग, का उपयोग हुआ है, उन्हें लिखो– जैसे –

क – कदम, ———————— ————————

ह – हम, ———————— ————————

ग – गलियाँ, ———————— ————————

8. अपने स्कूल के बारे में लिखो।

396NBR

पाठ 17

चितर कोटतऽ गोद्दोर

मनोरम	गोद्दोर	पाटऽ
मुड़ंदनद	उदनद कोली	मजऽ

ऋचा अवुर रजनीश सुट्टी अत्ता पय बस्तर तिर्रया वत्तुर। वीरा मामाल सहार तेग मंतोर। मामा नेग उदनेद कोली तेग चितरकूट गोद्दोर त ओण्ड नक्केय बिरिया पोटू वेड़स मन्नुर। रजनीश कोन मामान पूचा कित्तोर, ''मामा! एरतुड़नेद इद पोटू बेगटा ?

मामाल केत्तोर – ''अरे ! इद पोटू पय बस्तर त गोद्दोर त। मोम मीकिन नाड़ इद गोद्दोर तोहतनिन ओतोम।

इम्मा दिना मामाल किरेय त जीब गाड़ी अर्रके वत्तोर। जमेय मानी तिआर आस मंज उद्दी मत्तुर। उब्वेय ते जमेय जीब गाड़ी तेग उद्तुर। चितर कोट जगदलपुर तिना कम ते कम रेण्ड कोड़ी कि0मी0 दूराम मिंदे। जीब गाड़ी ओण्ड घण्टा ते चितर कोट एवी कित्ता। गोद्दोर इंजे उरा मुन्ने मन्नुर।

कम ते कम कोड़ेक दस मीटर (30 मीटर) (100 फीट) त पोर्रो टीना इंदा कुय्येर इग्गा अर्रदिता। कुय्येर इग्गा पालदऽ लेकेन तोन्दो मन्नुर। मोद्दोल बेग्गा एर अर्रसो मन्नुर अग्गा टीना उम्मा लेकेन तेदनेद तोन्दो मन्नुर। एरं अर्रदान पय लेंग वाहता , अद पाटा पार्रान लेकेन

नक्का नल्ला ओप्पी मन्नुर। वड़य दाकेड़ एर दा चुडला–चुडला बोडका (बोट्टी) नक्केय सोबा ओपनु।

इंजे मामान संग जमेयतुर दोड़ चेप्पा वत्तुर। इगाटिना गोद्दोर अवुर जादऽ नक्का नला तोंदो मन्नुर। उमकेड़ मानी अंज मन ओण्ड आद कल तेग उद्दतोम। उमकेड़ अगेय उद्दी डोडा तित्तोम। वीर जमेय अगेय उद्दी–उद्दी गोद्दोर त मजऽ पोयसोर मन्नुर।

इंजे पोड़द अंजो मन्नुर। मामाल केत्तोर, ''इगा टिना कोंजऽनीन बेनेय वेण्डे मन कोन इले, लेकिन इंजे मनकिन अत्केन आता। मामान माटऽ मन्नुर।

पाठ 17

चित्रकोट जलप्रपात

मनोरम	**जलप्रपात**	**संगीत**
अस्त होना	**बैठक कक्ष**	**आनंद**

ऋचा और रजनीश छुट्टियों में बस्तर घूमने आए हैं। इनके मामा जगदलपुर में रहते हैं। मामा की बैठक कक्ष में चित्रकोट जलप्रपात का एक बहुत बड़ा चित्र टँगा था। रजनीश ने मामा से पूछा, ''मामा जी! प्रपात का यह चित्र कहाँ का है?''

मामा ने कहा – ''अरे! यह चित्र तो बस्तर के ही जलप्रपात का है। हम तुम्हें कल यह प्रपात दिखाने ले चलेंगे।''

दूसरे दिन मामा किराए की जीप लेकर आ गए। सभी लोग तैयार होकर बैठे थे। जल्दी ही सब जीप में सवार हो गए। चित्रकोट जगदलपुर से लगभग 40 किलोमीटर दूर है। जीप 1 घंटे में चित्रकोट पहुँच गई। जलप्रपात अब उनके सामने था।

लगभग 30 मीटर (100 फीट) की ऊँचाई से इन्द्रावती नदी यहाँ गिरती है। जलधारा यहाँ दूध की तरह दिखाई दे रही थी। नीचे जहाँ धारा गिर रही थी, वहाँ से धुआँ–सा उठता दिखाई दे रहा था। पानी के गिरने से जो शोर हो रहा था, वह संगीत का आनंद दे रहा था। हवा के कारण जल की नन्ही–नन्ही बूँदें बड़ा आनंद दे रहीं थीं।

अब मामा के साथ सब लोग नीचे की तरफ आ गए। यहाँ से जलप्रपात और भी मनोरम लग रहा था। सभी लोग जाकर एक चट्टान पर बैठ गए। सबने वहीं बैठकर खाना खाया। वे सब वहीं बैठे–बैठे प्रपात का आनंद लेते रहे।

सूर्य अब अस्त होने ही वाला था। मामा ने कहा, ''यहाँ से हटने का जी तो किसी का नहीं है, पर अब हमें चलना चाहिए। मामा की आज्ञा थी।

चितर कोट गोद्दोर

उमकेड़ वासो–वासो गोद्दोर वेण्डे उड़तुर। इंजे वीर उमकेड़ जीब ता अंजो मन्नुर। चितरकोट त सोबात्क उमकेड़ बेच्चाना वेंडे मार्रंगा पर्रवूर।

शिक्षण संकेत :– चित्रकोट के जलप्रपात का चित्र प्रदर्शित करें। बच्चों से चित्र के संबंध में प्रश्न पूछें। पानी की बूँदें कैसी दिखाई दे रही थीं। पानी की धारा कैसी ध्वनि कर रही थी। चर्चा करें। पाठ पढ़ने के लिए हर विद्यार्थी को अवसर दिया जाए। पाठ में आए कठिन शब्दों को उनकी भाषा में बताएँ।

माटऽ तऽ मतलब

कल्ककीन पोर्रोटीना नेल कहसोर अर्रदनद एर गोद्दोर = जलप्रपात

मनतून नल्ला ओप्पनद = मनोरम

पाटऽ	= संगीत	आद कल्क	= चट्टान
मुड़न्दनद	= अस्त होना	तोन्दानद	= दृश्य
वेड़कऽ	= आनंद	मानेमायनद	= आज्ञा

चित्रकोट जलप्रपात

सबने चलते–चलते प्रपात को फिर देखा। अब वे सब जीप की ओर बढ़ रहे थे। चित्रकोट का दृश्य वे सब कभी न भूल पाए।

शिक्षण संकेत :– चित्रकोट के जलप्रपात का चित्र प्रदर्शित करें। बच्चों से चित्र के संबंध में प्रश्न पूछें। पानी की बूँदें कैसी दिखाई दे रही थीं। पानी की धारा कैसी ध्वनि कर रही थी ? चर्चा करें। पाठ पढ़ने के लिए हर विद्यार्थी को अवसर दिया जाए। पाठ में आए कठिन शब्दों को उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

जलप्रपात = चट्टानों को ऊपर से नीचे काटते हुए गिरता हुआ पानी

मनोरम = मन को अच्छा लगने वाला

संगीत	=	गाना	चट्टान	=	बड़े–बड़े पत्थर
अस्त होना	=	छिप जाना	दृश्य	=	जो दिखाई पड़ता है।
आनंद	=	खुशी	आज्ञा	=	आदेश

कर्यकाल

1. इग्गऽ लिका कित्ताव माटऽन मतलोप अपुनऽ माटऽ ते केलाट –

मनवह्ना, गोद्दोर, मुड़न्दऽनद, मजऽ, पाटऽ

2. इव पूचऽ त जवाप इमुट –

क. चितर कोट गोद्दोर जगदलपुर, सहार तिना बेच्चोर दुराम मिन्दे ?

ख. चितर कोट बेद् कुयोर त गोद्दोर ?

ग. मिमामाल बेग्गऽ मंत्तोर ?

3. पंड़ेय, लिकेम, किर्रन्गतऽ, बसी नित्तनद डेरा, धारा त प्रयोग कीसो मंज ओण्ड–ओण्ड माटऽ केल्लऽ।

4. सही माटऽ आची मंज खाली डेरऽ तेग लिका कीमुट –

(मुड़ंदनद, गोद्दोर , मजऽ , मनवाह्ना डेरऽ)

क. चितर कोट त .... उरा कोण्डा नेग मुन्ने मत्ता ।

ख. अग्गेय उद्दी–उद्दी वीर .... एतोर मन्नुर ।

ग. पोड़दऽ इंजे .... आयनेद मन्नुर ।

घ. इद .... त पोटू बेग्गटऽ

5. पड़ेम अयमुट अवुर समजेम आस लिका कीमुट ।

नावऽ	–	मावा	डेरऽ	–	डेरा
मावऽ	–	मावा	लोनऽ	–	लोक
निवऽ	–	मिवा	दुकान	–	दुकानी
ओनऽ	–	उरा	मेट्टऽ	–	मेट्टा
बेनोनऽ	–	बेनोरा	सड़क	–	सड़की

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

मनोरम, जलप्रपात, अस्त होना, आनंद, संगीत

2. इन प्रश्नों के उत्तर दो –

क. चित्रकोट जलप्रपात जगदलपुर से कितनी दूर है ?

ख. चित्रकोट किस नदी का जलप्रपात है ?

ग. तुम्हारे मामा कहाँ रहते हैं ?

3. पढ़ना, लिखना, शीतल, बस–स्टैंड, धारा का प्रयोग करते हुए एक–एक वाक्य बोलो।

4. सही शब्द चुनकर खाली जगह में लिखो –

(अस्त, जलप्रपात, आनंद, मनोरम दृश्य)

क. चित्रकोट का ––––––––––––– उनकी आँखों के आगे था।

ख. वहीं बैठे–बैठे वे प्रपात का –––––––––––– ले रहे थे।

ग. सूर्य अब –––––––––– होने ही वाला था।

घ. यह –––––––––– का चित्र कहाँ का है?

5. पढ़ो और समझकर लिखो।

मेरा	–	मेरे	स्थान	–	स्थानों
हमारा	–	–––––––	मकान	–	–––––––––
तुम्हारा	–	–––––––	दुकान	–	–––––––––
उसका	–	–––––––	पहाड़	–	–––––––––
किसका	–	–––––––	सड़क	–	–––––––––

6. सोचेम अयम, समजेम अयम उवुर लिकाकीम।

	नन्	मोम्	निम्	ओर	वीर
डोडऽ	तिन्तान	तिन्तोम	तिनतिन	तिन्तोर	तिन्दानुर
पाटऽ	पार्रानोन	पार्रानोम	पारीतिन	तिन्तोर	पार्रानुर
केल करसऽ	करसऽनोन	करसऽनोम	कर्रसितीन	पार्रानोर्र	करसऽनुर
दौड़ा मिर्रना	मिर्रऽनोन	मिर्रनोम	मिर्रीतीन	मिर्रानोर	मिर्रानुर

7. इव माटा न उल्टऽ मतलोप त माटाकीन लिका कीमुट –

उब्बेय – पेयाल

डेंग – गुड़योर

दोड़ – माटऽ

अर्रदनद् – वरा

ओऽ

8. गतिविधि :–

'मामा' माटऽतुन उल्टऽ लिका कित्केवेण्ड 'मामा' ले बनेम आता। इसीनतावे दूसरा माटऽ पाड़ाट

9. बाले मीर बेच्चुड़े कुय्येर, झरना, गोद्दोर उड़तीर? तानऽ मेयदा लिका कीमुट।

6. सोचो, समझो और लिखो।

	मैं	हम	तुम	वह	वे
खाना	खाता हूँ।	खाते हैं।	खाते हो।	खाता है।	खाते हैं।
गाना	------	------	------	------	------
खेलना	------	------	------	------	------
दौड़ना	------	------	------	------	------

7. इन शब्दों के उल्टे अर्थ वाले शब्दों को लिखो –

जल्दी –
ऊँचा –
नीचे –
गिरना –
हाँ –

दिन –
जागा –
प्रश्न –
आना –

8. गतिविधि :–

'मामा'' शब्द को उल्टा लिखने पर 'मामा' ही बनता है। ऐसे ही दूसरे शब्द बनाओ।

9. क्या तुमने कभी कोई नदी, झरना या जलप्रपात देखा है? उसके बारे में लिखो।

39PFF2

पाठ 18

बातऽ तानऽ पेद्दिर ?

पिट्टे,	अक्षर,	नरकोम,	कोर्रकूकूर, मानी,	तोकऽ

1. नरकोम–नरकोम लोतऽ त ईद वेर्रोल, दोरकीतऽ नार–नार ।
   जूरतेद रंग त पिट्टे मंतऽ, कीता काँव–काँव ।।
   केल्लाट बातऽ तानऽ पेद्दिर ———— ?

2. रूप लेक्केन नक्कैय वेड़ता लोन तानऽ एर।
   मूंड अक्षर तऽ पेद्दिर तानऽ अद एर दऽ रानी।।
   केल्लाट बातऽ तानऽ पेद्दिर ——— ?

3. कुकड़ूँ–कूँ केच्चो मंतऽ, दिन्नाल नरकोम–नरकोम।
   तलऽ तेग लाल–लाल कूकूर, ताकितऽ नक्कैय ताव दे।।
   केल्लाट बातऽ तानऽ पेद्दिर ——— ?

4. जंगऽ त राजाल केतितूर तिंजमंज अवंग गुंड़जितऽ ।
   तान उड़स मंज जमय मिंजीतूर, आकी वेन्डे नेको।।
   केल्लाट बातऽ तानऽ पेद्दिर ——— ?

शिक्षण संकेत – इस पाठ में पहेलियाँ पूछी गई हैं। पहेलियों से बच्चे परिचित हैं। हर पहेली को बच्चों से पढ़वाएँ। उत्तर के लिए संकेत दें और पहेली का हल पाठ्यपुस्तक में दिए गए स्थान पर पेंसिल से लिखवाएँ। कुछ अन्य पहेलियाँ पूछने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करें। कक्षा में दो दल बनाकर बच्चों से परस्पर पहेलियाँ पूछने को कहें। बच्चों को पहेली का भाव समझाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

पाठ 18

क्या है उसका नाम ?

पक्षी,	अक्षर,	तड़के,	कलगी,	मानुष,	पूँछ

1. बड़े सवेरे घर की छत पर, मिलता गाँव–गाँव।
काले रंग का पक्षी होता, करता काँव–काँव।।
बोलो क्या है उसका नाम ––––––– ?

2. चाँदी जैसी खूब चमकती, घर है उसका पानी।
तीन अक्षर का नाम निराला, है वह जल की रानी।।
बोलो क्या है उसका नाम ––––––– ?

3. कुकड़ूँ–कूँ बोला करता है, रोज सवेरे तड़के।
सिर पर लाल–लाल कलगी है, चलता खूब अकड़ के।।
बोलो क्या है उसका नाम ––––––– ?

4. जंगल का राजा कहलाता, खाकर माँस गरजता।
उसे देखकर सब छिप जाते, पत्ता नहीं खड़कता।।
बोलो क्या है उसका नाम ––––––– ?

शिक्षण संकेत – इस पाठ में पहेलियाँ पूछी गई हैं। पहेलियों से बच्चे परिचित हैं। हर पहेली को बच्चों से पढ़वाएँ। उत्तर के लिए संकेत दें और पहेली का हल पाठ्यपुस्तक में दिए गए स्थान पर पेंसिल से लिखवाएँ। कुछ अन्य पहेलियाँ पूछने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करें। कक्षा में दो दल बनाकर बच्चों से परस्पर पहेलियाँ पूछने को कहें। बच्चों को पहेली का भाव समझाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

5. माड़ाक नेग अद लंगी करसीतऽ, गोहड़ी ते मन्ता।
मानी न लेक्केन तोन्दीतऽ, तोकऽ उहसो मन्तऽ।।
केल्लाट बातऽ तानऽ पेद्दिर ------ ?

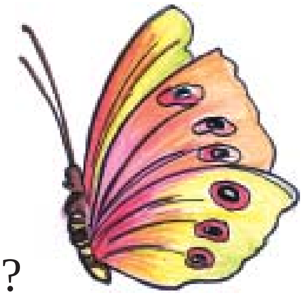

6. रंग–रंग ता रेक्का नेद, पुंगार त पोर्रो तिरि्यतऽ ।
कैय आहके पारियतऽ, कैय देग अद वावो ।।
केल्लाट बातऽ तानऽ पेद्दिर ------ ?

7. कुयेर साट उद्दी मंतऽ, कीके तिन्दनेद तानऽ बूतऽ ।
लाट काल्क, लाट पापे, केल्लाट रा बातऽ पेद्दिर ?
केल्लाट बातऽ तानऽ पेद्दिर ------ ?

माटऽ तऽ मतलब

पिट्टे	=	पक्षी	कोट्टो मंदनेद	=	पत्ता नही खड़कना
मानी	=	मानुष	कड़–कड़ आयनेद	=	खड़कना
मेंदुल	=	शरीर	किंडी कोण्डो	=	अकड़ना
नलोड़ा	=	निराला	कैदेवायनद	=	प्राप्त होना
कोर्रकूकूर	=	कलगी			

कर्यकाल

1. दोड़ लिका किताव माटऽ ता अर्थ मी माटऽ ते केल्लाट –

पक्षी, अक्षर, तड़के, कलगी, मानुष, पूँछ पिट्टे,

अक्षर, नरकोम, कूकूर, मानी, तोकऽ

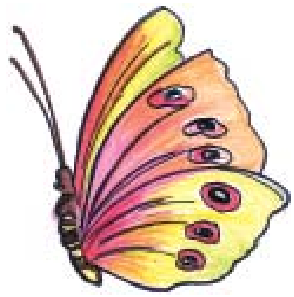

5. पेड़ों पर वह उछले–कूदे, झुंड बनाकर रहता।
मानुष जैसी काया उसकी, पूँछ झुलाता रहता।।
बोलो क्या है उसका नाम ------ ?

6. रंग–बिरंगे पंखोंवाली, फूलों पर मँडराती।
हाथ बढ़ाओ तो उड़ जाती, हाथ नहीं वह आती।।
बोलो क्या है उसका नाम ------ ?

7. नदी किनारे बैठा रहता, मछली खाना काम।
लंबी टाँगें, लंबी गर्दन, बोलो जी क्या नाम ?
बोलो क्या है उसका नाम ------ ?

शब्दार्थ

पक्षी	=	चिड़िया	अकड़ना	=	ऐंठना
मानुष	=	मनुष्य, आदमी	काया	=	शरीर
निराला	=	अनोखा	हाथ आना	=	प्राप्त होना
कलगी	=	मुर्गे की चोटी	पत्ता नहीं खड़कना	=	पूर्ण शांति होना
खड़कना	=	खड़–खड़ की आवाज होना			

शब्दार्थ

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

पक्षी, अक्षर, तड़के, कलगी, मानुष, पूँछ

2. लकीर कीचाकीस सही जोड़ी पाड़ाट –

काँव–काँव	–	बंदर (कोवे)
कुहू–कुहू	–	मुर्गा (गोगोड़)
खों–खों	–	कोंआ (काकाड़)
टें–टें	–	कोयल (कूहूल पिट्टे)
कुकडूँ–कूँ	–	तोता (किरयाड़)

3. ओण्ड–ओण्ड माटऽ ते उत्तर लिका कीमुट –

क. लाल कूकूर बेनऽ तल्लऽ तेग मन्तऽ ? ....

ख. पुंगार त पोर्रो बातऽ तिरियतऽ ? ....

ग. बेनोन् जंगऽ त राजाल इंजो केतितुर ? ....

घ. एर देद रानी बेदिन केतितूर ? ....

ङ. माड़ाक नेग बातऽ लंगी करसीतऽ ? ....

4. असुनतंग तुक ना माटा लिका कीमुट ।

ईले – पाला – माला – ताला – नाला

(पोरपा) –(नेड़ेक) – (तारा/कुच) – (ईल्कऽ)

ऐसी – ————————, ————————, ————————

आता – ————————, ————————, ————————

राजा – ————————, ————————, ————————

खाना – ————————, ————————, ————————

2. रेखा खींचकर सही जोड़ी बनाओ।

काँव–काँव	–	बंदर
कुहू–कुहू	–	मुर्गा
खों–खों	–	कौआ
टें–टें	–	कोयल
कुकड़ूँ–कूँ	–	तोता

3. एक–एक शब्द में उत्तर लिखो – **उत्तर**

क. लाल कलगी किसके सिर पर होती है ? ....

ख. फूलों पर कौन मँडराता है ? ....

ग. कौन जंगल का राजा कहलाता है ? ....

घ. जल की रानी किसे कहते हैं ? ....

ङ. पेड़ों पर उछल–कूद कौन करता है ? ....

4. समान तुक वाले शब्द लिखो।

जैसे– पाला – माला – ताला – नाला

ऐसी – ————————, ————————, ————————

आता – ————————, ————————, ————————

राजा – ————————, ————————, ————————

खाना – ————————, ————————, ————————

5. पड़िय कीमुट –

इगऽ इत्ताव पिट्टे – जनवारी न लेंग त नक्काल कीमूट –

क. कौआ (काकाड़) –

ख. कोयल (कुहूल पिट्टे) –

ग. गाय (गोड्) –

घ. गधा (गदा)गाड़द –

ङ. शेर (डूव) –

च. मेंढक (पण्डे) –

6. पोटू पाड़ाट।

तितली (गूगे), मछली (कीके)

5. गतिविधि :–

दिए गए पशु–पक्षियों के बोलने का अभिनय करो–

क. कौआ –
ख. कोयल –
ग. गाय –
घ. गधा –
ङ. शेर –
च. मेंढक –

6. चित्र बनाओ।

तितली, मछली

7. स्कूल बोकऽते– बोकऽते मीकिन बातऽ – बातऽ जनवार, पिट्टे तोन्दिता :– लिका कीमुट

पक्षी (पिट्टे) ....

जानवर (जनवार) ....

8. अपुन नार देग केत्तनाव वेसो पिल्ला किन केत्तनीन केल्लाट।

कम से कम रेण्ड वेसो पिल्ला लोत्तीना पूचकीस वावी।

9. दोरक्कनाव पेपोरी नेगड़ा पिट्टे – जनवार ता पोटू मेहकी मंज अपुन कापी तेग टुन्डी कीमुट अवुर तानऽ पेदि्दर लिका कीमुट।

7. शाला के आसपास आपको कौन – कौन से जानवर या पक्षी दिखाई देते हैं – लिखो।

पक्षी ....

जानवर ....

8. परिवेशीय पहेलियाँ बच्चों से बुलवाएँ –

कम से कम दो पहेलियाँ बच्चे घर से पूछकर आएँ।

9. विभिन्न पत्र – पत्रिकाओं से पक्षियों और जानवरों के चित्र खोजकर उन्हें अपनी कापी में चिपकाओ और उनके नाम लिखो।

3HY3AU

पाठ 19

बर्‌कस अयम

दाकऽ, तोंदऽनद , बरकस, मानी

गंगा कुय्येर त ऊटूल ओण्ड दाकऽ अत्तेद सहार बनारस मिंदे। माटऽ नक्केय मुनेटा। अचुड़ बनारस गंगा घाट तेग नक्केय कोवे आस मत्ता। अव इच्चोर वेन्डे वेरवऽ मत्ता मानी न कैयदिना जोगड़ाम तुन कोन अव ऊन्दी ओनू तिन्दानद समानतून कोन विड़सवा मन्नू।

ओण्ड दिनऽ त माटऽ। नरेन्द्र पेद्दिर तोर ओरतुर पेकाल आट नीना वासो मत्तोर ।ओर अटऽ तेग ओण्ड जोरऽ वेड़स मत्तोर। नरेन्द्र उच्चूरे एड़ेय अंज मत्तोर कि ओण्ड कोवे ओनऽ पेरके वायऽ पोइपकितऽ। कोवे तुन पेरके वायनेद ऊड़ी नरेन्द्र जोर दे मीर्रऽ पोयपीकित्तोर। कोवे वेन्डे जोर दे दायऽ पोयपीकितऽ।

कोवे तुन बोक्कते वायनेद उड़ी मंज नरेन्द्र मिर्रऽ पोयपीकित्तोर। इद उमके तोन्दनेदिन ओरतूर नलोतोर सियान उड़सो मत्तोर। ओर मानी नरेन्द्रिन मिर्नीन मनऽ कित्तोर अवुर केत्तोर ''बार मिर्रीतीन?''

3I7YCH

पाठ 19

साहसी बनो

प्रसिद्ध, दृश्य, हिम्मत, व्यक्ति

गंगा नदी के किनारे एक प्रसिद्ध शहर है बनारस। बात काफी पुरानी है। उन दिनों बनारस में गंगा के घाट पर बहुत अधिक बंदर हो गए थे। वे इतने निडर थे कि लोगों के हाथ से सामान छीन लेते थे। खाने का सामान तो वे छोड़ते ही नहीं थे।

एक दिन की बात है। नरेन्द्र नाम का एक लड़का बाजार से वापस आ रहा था। उसने कंधे पर एक झोला लटका रखा था। नरेन्द्र थोड़ी दूर ही गया होगा कि एक बंदर उसके पीछे लग गया। बंदर को पीछे आते देख नरेन्द्र ने अपनी चाल बढ़ा दी। बंदर भी तेज चलने लगा।

बंदर को करीब आते देख नरेन्द्र भागने लगा। इस सारे दृश्य को एक सज्जन देख रहे थे। उन्होंने नरेन्द्र को भागने से रोका और कहा– ''भागते क्यों हो?''

नरेन्द्र केत्तोर –'' बाले कीतान, कोवे ना पय्याके मिन्दे।'' ओर मानी केत्तोर – वेर्रस मंज मिरमा। निम वेरियमुंतिन अदेन अद वेरहतमुंतऽ। नितऽ, निच मंज वेर्रवऽ लेवऽ तान बर्रकसते लाड़ेमयम।''

नरेन्द्र लाव तोहत्तोर । ओर कोट्टो नित्तोर । ओन नितातेद उड़स मंज कोवे वेन्डे नितातऽ। नरेन्द्र तन जोरऽ तेहतोर अवुर रेहतऽनीन मिर्रतोर। नरेन्द्रिन तन्ना वायनेद उड़ी कोवे मिर्रतऽ । पेकान बर्कस तेद इद पूनऽ बुद्ध दोर्कतऽ । ओरे पेकाल नरेन्द्र पेर्रसीमंज दुनियऽ तेग स्वामी विवेकानंद न पेदि्दर ते दाकऽ अत्तोर।

नरेन्द्र बोला– ''क्या करूँ, बंदर पीछे पड़ा है।'' उस व्यक्ति ने कहा– ''डरकर भागो मत। तुम डर रहे हो इसलिए वह डरा रहा है। रुको, खड़े होकर हिम्मत से उसका मुकाबला करो।''

नरेन्द्र ने हिम्मत दिखाई। वह खड़ा हो गया। उसके खड़े होते ही बंदर भी खड़ा हो गया। नरेन्द्र ने अपना झोला उठाया और मारने दौड़ा। नरेन्द्र को अपनी ओर आता देखकर बंदर भाग गया। बालक को साहस की यह नई सीख मिली। वही बालक नरेन्द्र आगे चलकर दुनिया में स्वामी विवेकानंद के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

शिक्षण संकेत – स्वामी विवेकानंदजी का चित्र कक्षा में दिखाएँ। उनके विषय में संक्षेप में बताएँ। बच्चों को बताएँ कि एक बार अमेरिका में संसार के धर्मों के संदर्भ में एक बहुत बड़ी सभा हुई उसमें स्वामी जी ने जो भाषण दिया उसे दुनियाभर के लोगों ने सराहा। साहस और दुस्साहस में अंतर उदाहरण देते हुए समझाएँ।

माटऽ तऽ मतलब

दाकऽ	= प्रसिद्ध,	नलोटोरमानी	=	भले आदमी
लाव	= हिम्मत	बरकस	=	साहसी
लाड़ेम आयनेद	= मुकाबला			

1. दोड़ लिका कित्ताव प्रश्न त उत्तर मी माटऽ ते केल्लाट

क. बनारस त वेन्डे ओण्ड बातऽ पेदि्दर मिन्दे ?

ख. स्वामी विवेकानंद न पिल्लऽ त अचूट बातऽ पेदि्दर मतऽ ?

ग. नरेन्द्र बार मिर्रो मत्तोर ?

घ. इलोक पेकाल कोवे किन वेर्‌स मंज मिर्रऽ नीक बाले अय्येर ?

ड. इलोक नय नी पेरके मिर्री वत्के निम बाले कीतिन ?

च. स्वामी विवेकानंद भारत तेग दाकऽ अत्तरोर मानी मत्तोर। मी परदेश तोर बेनोरे ओरतूर दाकऽ अत्तऽनोन न पेदि्दर केल्लाट।

2. दोड आदा माटऽ मिन्दे । ढ़ ड़ लिका कीस माटऽ तून–पूरऽ कीमुट

1. च......	2. प......	3. ब......
4. च......ना	5. प......ना	6. ब......ना
7. दौ......ना	8. ल......का	9. पक......ना

3. दोड लिका कित्ताव माटऽ मियाले सही मिन्दे या गलत । लिका कीमुट ।

क. आट नेग नरेन्द्र कोवे त पय्याके मत्तोर। (————————)

ख. कोवे नरेन्द्र न जोरऽ अरके मिर्रतऽ। (————————)

ग. कोवे नरेन्द्रिन वेरस मंज मिर्रतऽ। (————————)

4. वर्राट माटा न अंताक्षरी बना कीयकाल –

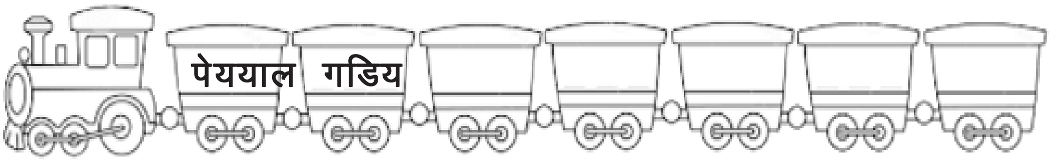

शिक्षण संकेत – स्वामी विवेकानंदजी का चित्र कक्षा में दिखाएँ। उनके विषय में संक्षेप में बताएँ। बच्चों को बताएँ कि एक बार अमेरिका में संसार के धर्मों के संदर्भ में एक बहुत बड़ी सभा हुई उसमें स्वामी जी ने जो भाषण दिया उसे दुनियाभर के लोगों ने सराहा। साहस और दुस्साहस में अंतर उदाहरण देते हुए समझाएँ।

शब्दार्थ

प्रसिद्ध	=	मशहूर	सज्जन	=	अच्छा आदमी
हिम्मत	=	साहस	साहसी	=	निडर होने का गुण
मुकाबला	=	सामना करना			

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी भाषा में बताओ –

क. बनारस का दूसरा नाम क्या है ?

ख. स्वामी विवेकानंद के बचपन का नाम क्या था ?

ग. नरेन्द्र क्यों दौड़ रहा था ?

घ. अगर बालक बंदरों से डरकर भागता रहता तो क्या होता ?

ड. अगर कुत्ता तुम्हारे पीछे दौड़े तो तुम क्या करोगे ?

च. स्वामी विवेकानंद भारत के महान पुरुष थे। अपने प्रदेश के किसी एक महापुरुष का नाम बताओ।

2. नीचे अधूरे शब्द दिए गए हैं। ढ़, ड़ लिखकर शब्द पूरे करो–

1. च......	2. प......	3. ब......
4. च......ना	5. प......ना	6. ब......ना
7. दौ......ना	8. ल......का	9. पक......ना

3. नीचे लिखे कथन तुम्हारे अनुसार सही हैं या गलत। लिखो।

क. बाजार में नरेन्द्र बंदर के पीछे लग गया। (————————)

ख. बंदर नरेन्द्र का झोला लेकर भाग गया। (————————)

ग. बंदर नरेन्द्र से डरकर भाग गया। (————————)

4. आओ शब्दों की अंताक्षरी बनाएँ –

3IGUE5

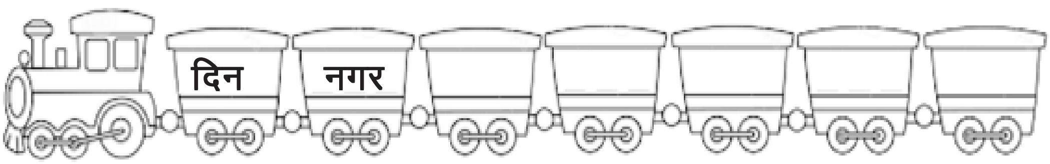

यातायात सिग्नल

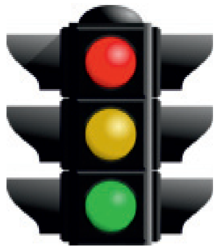

यातायात विद्युत सिग्नल सुरक्षित आवागमन में हमारी सहायता करती है। ये हमें सिग्नल पर सुरक्षित चलने एवं रूकने के लिए निर्देश देती है। इनके तीन रंग होते हैं। सभी रंगों का अपना महत्व होता है। आइए इन रंगों के बारे में जानें कि ये कैसे काम करते हैं :–

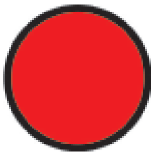 लाल बत्ती जलने पर हमेशा स्टॉप लाईन के पीछे रुकें।

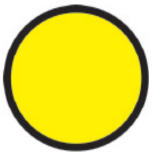 पीली बत्ती जलने पर यदि स्टाप लाइन पार कर चुके हैं तो तुरंत आगे बढ़ें।

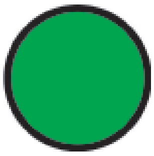 हरी बत्ती जलने पर रास्ता साफ होता है आगे बढ़ें।

उत्तर दो

सही शब्द चुनिए –

प्रश्न 1. यातायात विद्युत सिग्नल में .... रंग होते हैं। (एक/दो/तीन/चार)

प्रश्न 2. लाल बत्ती जलने पर हमें .... चाहिए। (चलना/रुकना/आगे बढ़ना)

प्रश्न 3. पीली बत्ती जलने पर हमें .... चाहिए। (चलना/रुकना/आगे बढ़ना)

प्रश्न 3. हरी बत्ती जलने पर हमें .... चाहिए। (चलना/रुकना/आगे बढ़ना)